

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट
कास्की जिल्लामा सञ्चालित
पकेट कार्यक्रमको
प्रगति विवरण



नेपाल सरकार
कृषि तथा पशुपन्थी विकास मन्त्रालय
प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना
परियोजना कार्यान्वयन एकाइ, कास्की

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट
कास्की जिल्लामा सञ्चालित
पकेट कार्यक्रमको
प्रगति विवरण



नेपाल सरकार

कृषि तथा पशुपन्थी विकास मन्त्रालय
प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना
परियोजना कार्यान्वयन एकाइ, कास्की

दुई शब्द

कृषिमा आधारित अर्थतन्त्रबाट कृषिजन्य उद्योगमा रूपान्तरित आधुनिक, व्यवसायिक, दिगो एवं आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्रको विकास गर्ने सोचका साथ २० वर्षे कृषि विकास रणनीति कार्यान्वयनको सहयोगी परियोजनाको रूपमा प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना आ.व. २०७३/७४ देखि आ.व. २०८२/८३ सम्म १० बर्ष अवधिको लागि लागू भएको हो। परियोजनाको परिलक्षित लक्ष्य एवं उद्देश्य हासिल गर्ने कृषि क्षेत्रको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने स्पष्ट मार्गचित्रका साथ कृषि उपजको उत्पादनका लागि आवश्यक प्रविधि तथा उत्पादन सामग्रीको व्यवस्था, बाली र वस्तु उत्पादनमा यान्त्रिकरण, प्रशोधन तथा बजारीकरणको लागि आवश्यक पुर्वाधारको व्यवस्था जस्ता क्रियाकलाप मार्फत परियोजना सञ्चालनका निमित्त विशिष्टिकृत उत्पादन क्षेत्रहरूका माध्यमबाट परियोजनालाई चार सम्भाग मार्फत कार्यान्वयनमा ल्याइएको छ। यस परियोजनामा रहेका सम्भागहरूमा उत्पादन वृद्धितर्फ पकेट एकाइ, व्यवसायिक उत्पादनका लागि ब्लक एकाइ, मूल्य अभिवृद्धि र बजारीकरणका संरचना सहितको उत्पादन क्षेत्रलाई जोन एकाइ र कृषिजन्य उद्योग सहितको विशेष उत्पादन क्षेत्रलाई सुपरजोन एकाइको रूपमा रहेका छन्। बाली/वस्तु विशेषका पकेट तथा ब्लकहरूबाट उत्पादित उत्पादन सोही बाली/वस्तुका जोन/सुपरजोनमा रहने कृषि बजार एवं प्रशोधन उद्योगको लागि कृषि उपज तथा कच्चा पदार्थको रूपमा कार्य गर्ने तथा यसबाट बजारमुखि उत्पादन गर्न पकेट तथा ब्लकलाई प्रोत्साहन मिल्ने हुँदा दोहोरो अन्तरसम्बन्ध रहने व्यवस्था छ।

परियोजना दस्तावेजमा साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रमका सन्दर्भमा राष्ट्रिय आवश्यकता र स्थानिय सम्भाव्यताका आधारमा तोकिएको बाली/वस्तुमा तोकिएको न्यूनतम क्षेत्र/संख्यामा मौरी, च्याउ, हाइटेक ग्रिन हाउस/प्लाष्टिक हाउस, मत्स्य पोखरीको हकमा कार्यविधिमा व्यवस्था भएअनुसारको संख्या तथा क्षेत्रफलमा जिल्लास्तरमा प्राथमिक उत्पादन इकाइका रूपमा पकेट विकास कार्यक्रम संचालनमा रहेका छन्। जिल्लास्तरमा कृषि क्षेत्रको आधुनिकीकरणमा योगदान पुर्याउने गरी पकेटमा समावेस गरिएका बाली / वस्तुको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्नु र पकेट क्षेत्रमा कृषि उत्पादन सामग्री आपुर्ति तथा प्राविधिक सेवा प्रवाहमा अभिवृद्धि गर्नु यस्ता साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रम संचालनका उद्देश्यहरू रहेका छन्।

पहिलो वर्ष कास्की जिल्लामा २५ वटा पकेट सञ्चालनमा ल्याउने परियोजना दस्तावेजमा उल्लेख गरीएको छ। राज्यको पुर्नसंरचना भए सगै पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनको निमित्त पनि विभिन्न निकायहरूबाट सञ्चालन गर्न जिम्मेवारी तोकियो। पहिलो वर्ष जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, दोश्रो वर्ष स्थानीय तह, तेश्रो चौथो वर्ष कृषि ज्ञान केन्द्र र त्यसपछी आ.व. २०७७/०७८ मा परियोजना कार्यान्वयन म्यानुअलको स्वीकृती संगै स्थानीय तहबाट पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनमा आएको छ। पकेट कार्यक्रम सञ्चालनको निमित्त विभिन्न वर्षमा विविध निकायबाट सञ्चालनको लागि श्रोत तथा बजेट

व्यवस्था गरिदा कार्यक्रम सञ्चालनमा एकरूपता तथा परिलक्षित उद्देश्य हासिल गर्ने कठिनाइ समेत भएको छ। यसै सन्दर्भमा प्रस्तुत पुस्तक पकेट विकास कार्यक्रमहरूको यथार्थ अभिलेख तयार गर्ने एवं यसका सफल तथा राम्रा पक्षहरू कमजोर पक्षहरू उजागर गरी भविष्यमा सञ्चालन गर्ने परियोजनाहरूको निर्मित समेत आवश्यक पृष्ठपोषण मिलोस् भन्ने हेतुले तयार पारिएको छ।

यस प्रकाशनले गत आर्थिक वर्षहरूमा स्थापना भएका पकेट क्षेत्रहरूको सत्यतथ्य विवरण सहित परियोजनाको पकेट विकास कार्यक्रमहरूको प्रभावका बारेमा विश्लेषणात्मक पृष्ठपोषण दिने विश्वास लिएको छु। कार्यक्रमहरूको हालको यथार्थ चित्रण र पारदर्शिताका लागि अनुदान प्राप्त गर्ने कृषक, कृषक समूह, सहकारी संस्था तथा कृषि फर्मको विवरण राखि यो पुस्तक प्रकाशन गरिएको छ जसले आगामि दिनमा योजना तर्जुमा गर्न सघाउ पुर्चाउन सक्नेछ भने अर्को तर्फ यस क्षेत्रमा अध्ययन, अनुसन्धान गर्ने निकायलाई समेत सहयोग पुर्चाउने आशा गरेको छु।

अन्तमा यो पकेट विवरण पुस्तिका तयार गर्नका लागि अथक मिहिनेत गर्नुभएका कृषि अधिकृतद्वय सुस्मा धिमिरे र सुलोचना थापा र कार्यालयका सम्पूर्ण कर्मचारीका साथै तथ्याङ्क र विवरण संकलन गर्न सहयोग गर्ने कास्की जिल्लाका सबै पालिकाहरू, कृषि ज्ञान केन्द्र कास्की/स्याङ्गजा, भेटेरीनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र,कास्की र कृषि तथा भूमि व्यवस्था मन्त्रालय,गण्डकी प्रदेशका प्राविधिक कर्मचारीहरूलाई हार्दिक धन्यवाद दिन चाहन्छु। पाठकवर्गबाट यस पुस्तिकाको अध्ययनबाट रचनात्मक पृष्ठपोषणको अपेक्षा गर्दछु। धन्यवाद।

रोशन अधिकारी
वरिष्ठ कृषि अधिकृत

विषयसूची

| क्र.सं. | शीर्षक | पृष्ठ |
|---------|---|-------|
| १ | खण्ड १ : प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना सरबनिधि जानकारी | |
| | १.१ परिचय | १ |
| | १.२ कृषि विकास रणनीति र प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना बिच अन्तरसरबन्ध | ३ |
| | १.३ पन्थ्यो योजना र परियोजना | ४ |
| | १.४ परियोजनाका संभागहरु | ४ |
| | १.५ परियोजनाका संभागहरुबिच अन्तरसरबन्ध | ७ |
| | १.६ रणनीति | १० |
| | १.७ परियोजना कार्यान्वयनमा संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको भूमिका | १४ |
| | १.८ परियोजनाले पहिचान गरेका राष्ट्रिय प्राथमिकताका बाली वस्तु | २१ |
| | १.९ परियोजनाको सुरुवातदेखि हालसमरम परियोजनाका विभिन्न संभागहरु तथा संचालनमा संलग्न निकायहरु | २२ |
| २ | खण्ड २ : परियोजना कार्यान्वयन एकाइकास्की सरबनिधि जानकारी | २४ |
| | २.१ परिचय | २६ |
| | २.२ उपलब्ध हुने सेवा सुविधाहरु | २८ |
| ३ | खण्ड ३ : पकेट विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन प्रक्रिया | |
| | ३.१ नेपाल सरकार, मनित्रपरिषद्को मिति २०७३/०९/२६ को निर्णय अनुसार स्वीकृत भएको प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना दस्तावेज अनुसार पकेट विकास कार्यक्रम संचालन प्रक्रिया | |
| | ३.२ कृषि तथा पशुपन्थी विकास मन्त्रालय (माननीय विभागीय मन्त्रीस्तर) को मिति २०७७/०६/०९ को निर्णयानुसार स्वीकृत प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना परियोजना कार्यान्वयन रूपानुअल अनुसार पकेट संचालन प्रक्रिया | |
| ४ | खण्ड ४ : प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट कास्की जिल्लामा सञ्चालित पकेट विकास कार्यक्रमको प्रगति विवरण तथारी विधि | |
| | ४.१ प्रगति विवरण तथारीको उद्देश्य | |
| | ४.२ प्रगति विवरण तथारी विधि | |
| ५ | खण्ड ५ : स्थलागत अनुगमन गरीएका पकेट विकास कार्यक्रमका विवरण | |
| | ५.१ कागती पकेट, रुपा-५, देउराली | |
| | ५.२ हंसपुर मौरी पकेट, रुपा-७, हंसपुर | |
| | ५.३ तरकारी पकेट, रुपा-३, पोल्याङ | |
| | ५.४ केरा पकेट, रुपा -४, सिद्ध | |
| | ५.५ हंसपुर कफी खेति पकेट, रुपा-०, हंसपुर | |

| | | |
|--|---|--|
| | ५.६ तरकारी पकेट, अनन्पूर्ण-२ | |
| | ५.७ ढिकुरपोखरी कफी खेति पकेट, अनन्पूर्ण-०९ | |
| | ५.८ नौरी पकेट, पोखरा -१८, आदर्शबसित | |
| | ५.९ कोलेली कालिमाटी अलैची खेति पकेट, माछापुच्छे-८, कोलेली कालिमाटी | |
| | ५.१० तरकारी पकेट, पोखरा-१६, बाटुलेचौर | |
| | ५.११ तप्राड बाज्ञा पकेट, मादी-६, तप्राड | |
| | ५.१२ द्याग्राड नौरी पकेट, मादी -२ | |
| | ५.१३ नामार्जुङ सिल्दजुरे अलैची खेति पकेट, मादी-२, नामार्जुङ र मादी-६, सिल्दजुरे | |
| | ५.१४ सेतीखोला द्यामाङ्ग अलैची पकेट, मादी-२ | |
| | ५.१५ श्री याङ्गजाकोठ अलैची तथा कफी कृषि समूह (अलैची पकेट), मादी-३ | |
| | ५.१६ वंगुर पकेट (जलजला वंगुर बितरक समूह), पोखरा-२७, जलजले | |
| | ५.१७ घाचोक धान खेती पकेट, माछापुच्छे-३, काडवाड | |
| | ५.१८ तरकारी पकेट (घिताल महिला कृषि सहकारी लिमिटेड र इटि अगानिक कृषक समूह), माछापुच्छे-६ र ८ | |
| खण्ड ६ : कास्की जिल्लामा परियोजनाको सुरुवात देखी हालसरम संचालन भएका पकेट कार्यक्रमको विवरण | | |
| ६. | ६.१ पुरञ्चौर तरकारी उत्पादन पकेट, पोखरा -१९, पुरञ्चौर | |
| ६. | ६.२ ठूलाखेत धान खेती पकेट, पोखरा -२३, ठूलाखेत | |
| ६. | ६.३ पैचु सार्दिखोला अलैची खेती पकेट, माछापुच्छे-२, सार्दिखोला र पोखरा -१७, पुरञ्चौर | |
| ६. | ६.४ निर्मलपोखरी कफी खेती पकेट, पोखरा -२१ र ३३ | |
| ६. | ६.५ पन्चासे तरकारी पकेट, पोखरा -२३, घाँटिलिना | |
| ६. | ६.६ ओलेंठार कन्ये द्याउ खेती पकेट, पोखरा -३२, लाङेआहाल | |
| ६. | ६.७ लामगादी नौरी पालन पकेट, पोखरा -३३, लामगादी | |
| ६. | ६.८ कन्ये द्याउ खेती पकेट, पोखरा -१८ | |
| ६. | ६.९ खास्टे ताल माछापालन पकेट, पोखरा -२६ | |
| ६. | ६.१० चापाकोठ नौरी पालन पकेट, पोखरा -२३, चापाकोठ | |
| ६. | ६.११ लेखनाथ मत्स्य पालन पकेट, पोखरा -२७, २९ र ३० | |
| ६. | ६.१२ रेन्वोट्राउट माछापालन पकेट, पोखरा -१७, सार्दिखोला, माछापुच्छे-२, सार्दिखोला, माछापुच्छे-७, मर्दिखोला | |
| ६. | ६.१३ थुरकी सुन्तला बाली पकेट, रुपा-१, द्यार्प | |
| ६. | ६.१४ हंसपुर नौरी पालन पकेट, रुपा-७, हंसपुर | |
| ६. | ६.१५ रुपाताल माछापालन पकेट, जलाआधार क्षेत्र | |
| ६. | ६.१६ हंसपुर कफी खेति पकेट, रुपा-७, हंसपुर | |
| ६. | ६.१७ घाचोक धान खेती पकेट, माछापुच्छे-३, काडवाड | |

| | |
|--|--|
| ६.१८ कोलेली कालिमाठि अलैची खेती पकेट, माछापुच्छे-८, कोलेली कालिमाठि | |
| ६.१९ लाहौक प्लाष्टिक घरभिंत्र तरकारी पकेट, माछापुच्छे-४, लाहौचोह | |
| ६.२० पौसी अलैची खेती पकेट, मादी-८, पौसी | |
| ६.२१ नामार्जुङ सिलदजुरे अलैची खेती पकेट, मादी-२, नामार्जुङ र मादी-६, सिलदजुरे | |
| ६.२२ ढिकूरपोखरी तरकारी बाली पकेट, अनन्पूर्ण-०२, ढिकूरपोखरी ६.२३ आडबाड धान खेती पकेट, अनन्पूर्ण-०८, आडबाड | |
| ६.२४ ढिकूरपोखरी कफी खेती पकेट, अनन्पूर्ण-०९, ढिकूरपोखरी | |
| ६.२५ घानद्वक अलैची खेती पकेट, अनन्पूर्ण-११, घानद्वक | |
| ६.२६ पूर्ण सक्रिय तरकारी पकेट, अनन्पूर्ण गाउँपालिका-२ | |
| ६.२७ तरकारी पकेट, रुपा-७, तोरीबारी | |
| ६.२८ केरा पकेट, रुपा-४, सिद्ध | |
| ६.२९ कफी पकेट, रुपा-६, रुणकोट | |
| ६.३० कागाती पकेट, रुपा-५, देउराली | |
| ६.३१ रुपाकोट मौरी पकेट, रुपा गाउँपालिका-६, घरमडाँडा | |
| ६.३२ धिताल धान बालि पकेट, माछापुच्छे गाउँपालिका-६, धिताल | |
| ६.३३ पौरखरी कोदो पकेट, माछापुच्छे गाउँपालिका-६ र ९ | |
| ६.३४ च्याउ पकेट, माछापुच्छे २ र पोखरा २५ | |
| ६.३५ तरकारी पकेट, माछापुच्छे ६ र ८ | |
| ६.३६ तरकारी पकेट, माछापुच्छे ९ | |
| ६.३७ मौरी पकेट, मादी-११ | |
| ६.३८ अलैची पकेट, मादी -३ | |
| ६.३९ रोहिंगाउँ अलैची पकेट, मादी-२, रोहिंगाउँ | |
| ६.४० सेतीखोला च्यागांग अलैची पकेट, मादी-२, सेतीखोला | |
| ६.४१ तरकारी पकेट, अनन्पूर्ण-३ | |
| ६.४२ सुन्तला पकेट, अनन्पूर्ण-८ | |
| ६.४३ तरकारी पकेट, अनन्पूर्ण-२ | |
| ६.४४ बगौचा तरकारी पकेट, अनन्पूर्ण-१ | |
| ६.४५ मैदान मौरीपालन पकेट, पोखरा महानगरपालिका-२४, मैदान | |
| ६.४६ शोभा च्याउ पकेट, पोखरा महानगरपालिका-२६, विजयपुर | |
| ६.४७ विजयपुर च्याउ पकेट, पोखरा महानगरपालिका-२६, विजयपुर | |
| ६.४८ महाकाळी तरकारी खेती पकेट, पोखरा -३३ | |
| ६.४९ च्याउ पकेट, पोखरा-२२ र पोखरा -७० | |
| ६.५० धारापानी धान पकेट, पोखरा -२३ | |
| ६.५१ च्याउ पकेट, पोखरा -१४ | |

| | | |
|----------------|--|------|
| | ६.५३ मावना मौरीपालन पकेट, पोखरा -१८ | |
| | ६.५४ च्याउ पकेट, पोखरा-३३ र १९ | |
| | ६.५५ च्याउ पकेट, पोखरा २० र १६ | |
| | ६.५६ कागती पकेट, पोखरा-३१ | |
| | ६.५७ मौरी पकेट, पोखरा-३३ | |
| | ६.५८ बाखा पकेट, रुपा जाउँपालिका-२ | |
| | ६.५९ माछा पकेट, रुपा जाउँपालिका | |
| | ६.६० तप्राङ बाखा पकेट, मादी-६, तप्राङ | |
| | ६.६१ द्यामराङ्ग मौरी पकेट, मादी-२, द्यामराङ्ग | |
| | ६.६२ तरकारी पकेट, मादी -७, तल्लो छाचोक | |
| | ६.६३ तरकारी पकेट, रुपा-३, पोल्याङ | |
| | ६.६४ तरकारी पकेट, माछापुच्छे जाउँपालिका | |
| | ६.६५ बाखा पकेट, माछापुच्छे-२,६,८,९ | |
| | ६.६६ प्रगतिशील मैसी पकेट, अनन्पुर्ण-१, कास्की | |
| | ६.६७ बाखा पकेट, अनन्पुर्ण-१०, घान्दुक | |
| | ६.६८ मेडा पकेट, अनन्पुर्ण-११, कास्की | |
| | ६.६९ फेवा माछा पकेट, पोखरा-१८ | |
| | ६.७० भरतपोखरी बाखा पकेट, पोखरा-३३ | |
| | ६.७१ तरकारी पकेट, अनन्पुर्ण-०६, कास्की | |
| | ६.७२ तरकारी पकेट, पोखरा-१६ | |
| | ६.७३ सिद्धार्थ राजमार्ग पकेट, पोखरा-२२ | |
| | ६.७४ तरकारी पकेट, माछापुच्छे-९, इमु | |
| | ६.७५ तरकारी पकेट, अनन्पुर्ण-०४, कास्की | |
| | ६.७६ बंगुर पकेट, पोखरा-२७, जलजले | |
| | ६.७७ जोब्रे च्याउ पकेट, पोखरा-११, २१,२४ र ३२ | |
| | ६.७८ तरकारी पकेट, पोखरा-५,१८,२३ र २४ | |
| | ६.७९ तरकारी पकेट, पोखरा-२९ र ३१ | |
| खण्ड ६ : विविध | | |
| ६ | ६.१ निष्कर्ष | |
| | ६.२ सुभावहरू | |
| | ६.३ घरधुरी सर्वेक्षणबाट प्राप्त भएको तथ्याङ्क विश्लेषणको नतिजा | |
| | अनुसूचीहरू | १३१- |
| | सन्दर्भ सामग्री | |

એવણ્ડ-૧

પ્રધાનમંત્રી કૃષિ આધુનિકીકરણ
પરિયોજના સમ્બન્ધિ જાનકારી

१.१ परिचय

स्वदेशी सोच, स्वदेशी लगानी र आन्तरिक सस्थागत जनशक्तिबाट कृषि विकास रणनीति कार्यान्वयनको सहयोगी परियोजनाको रूपमा कृषि क्षेत्रको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने स्पष्ट मार्गीचित्रका साथ कृषि उपजको उत्पादनका लागि आवश्यक प्रविधि तथा उत्पादन सामग्रीको व्यवस्था, बाली र वस्तु उत्पादनमा यान्त्रिकरण, प्रशोधन तथा बजारीकरणको लागि आवश्यक पुर्वाधारको व्यवस्था जस्ता क्रियाकलाप मार्फत कृषि क्षेत्रको आधुनिकीकरणको परिकल्पना सहित प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना आ.व. २०७३/७४ देखि आ.व. २०८२/८३ सम्म १० बर्ष अवधिको लागि लागू भएको छ।

कृषिमा आधारित अर्थतन्त्रबाट कृषि जन्य उद्योगमा रूपान्तरित आधुनिक, व्यवसायीक, दिगो एवं आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्रको विकास गर्ने सोचका साथ संचालन भएको यस परियोजनाको लक्ष्य समग्र मूल्य श्रृंखलाका अवयवहरूको एकिकृत संयोजन र परिचालन मार्फत खाद्य पोषण सुरक्षा सुनिश्चित गर्दै कृषि औद्योगिकीकरण उन्मुख दिगो कृषिबाट आर्थिक अवसरहरु शृजना गरी राष्ट्रको समग्र विकासमा टेवा पुर्याउने रहेको छ।

सोच

कृषिमा आधारित अर्थतन्त्रबाट कृषिजन्य उद्योगमा रूपान्तरित आधुनिक, व्यवसायीक, दिगो एवं आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्रको विकास गर्ने।

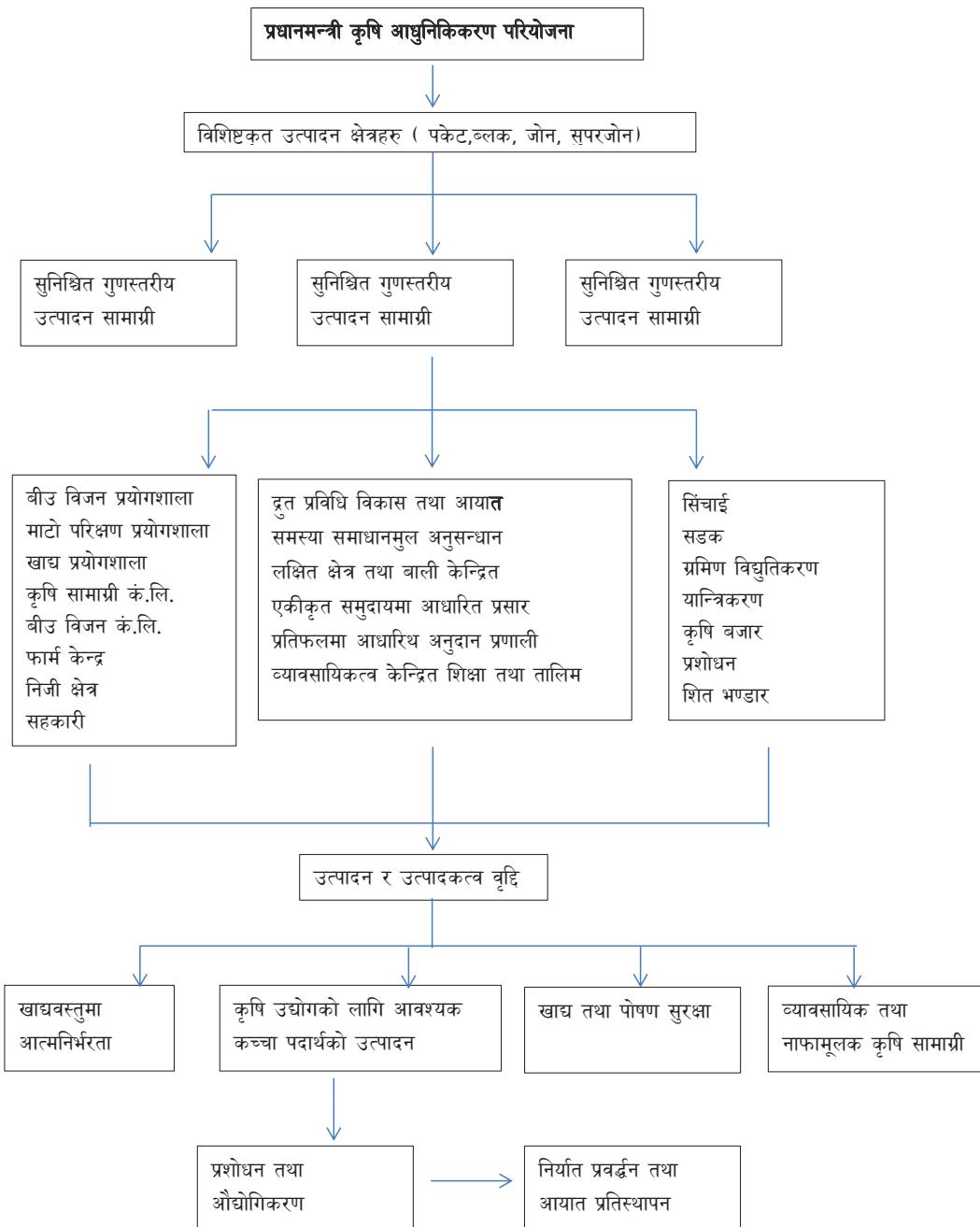
लक्ष्य

समग्र कृषि मूल्य श्रृंखलाका अवयवहरूको एकिकृत संयोजन र परिचालन मार्फत खाद्य पोषण सुरक्षा सुनिश्चित गर्दै कृषि औद्योगिकरण उन्मुख दिगो आर्थिक अवसरहरु सृजना गरी राष्ट्रको समग्र विकासमा टेवा पुर्याउने।

उद्देश्य

- क. प्रमुख कृषि उपजहरूको बिशिष्टकृत क्षेत्रहरु निर्माण गर्ने,
- ख. निर्यात योग्य कृषि वस्तुहरूको मूल्य अभिवृद्धि गर्दै प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धी गर्ने,
- ग. कृषिलाई सम्मानजनक नाफामुखी व्यवसायका रूपमा विकास गर्दै रोजगारीका अबसरहरु शृजना गर्ने,
- घ. बहुसरोकारवाला निकायहरु बिचको कार्यमूलक समन्वय मार्फत प्रभाकारी सेवा प्रवाहको सुनिश्चितता गर्ने रहेको छ।

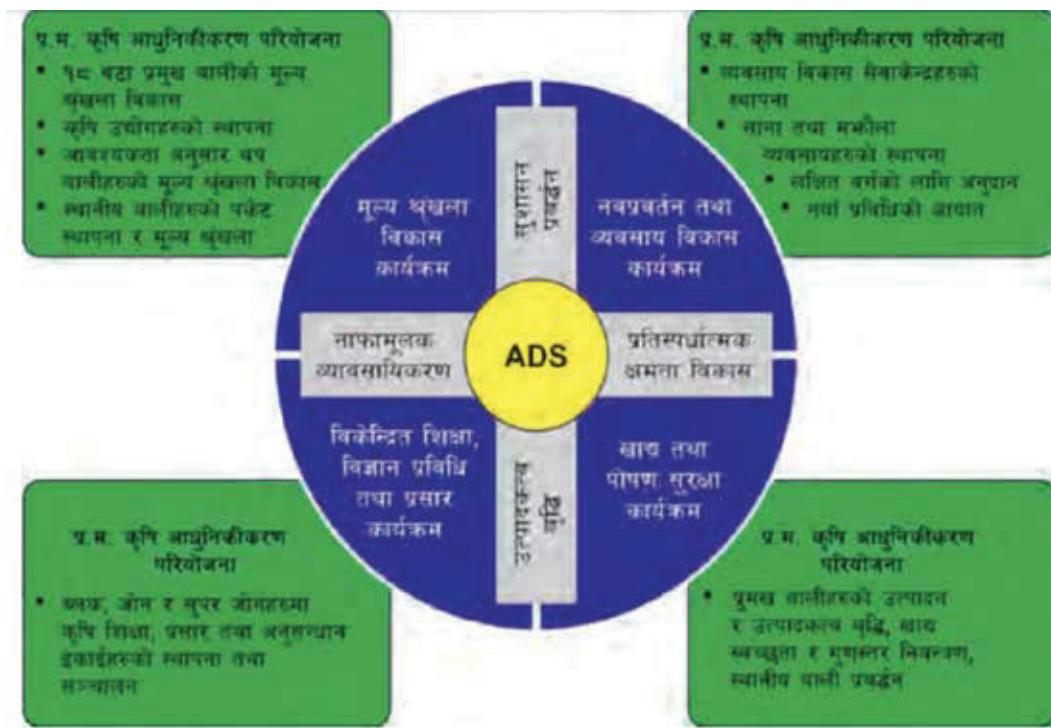
अवधारणागत ढाँचा (Conceptual Framework)



१.२ कृषि विकास रणनीति र प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना बिच अन्तरसंबन्ध

नेपालको कृषि क्षेत्रलाई मार्गनिर्देश गरी बलियो कृषि अर्थतन्त्र तथा रोजगारी सृजना, श्रमिक र जमिनको उत्पादकत्व वृद्धि, ग्रामिण विकास, व्यापार सञ्चालन, जलवायु परिवर्तन, उत्पादन, वितरण तथा प्रशोधन जस्ता कृषि क्षेत्रभित्रका जटिलताहरूको सम्बोधनबाट नेपालको कृषिक्षेत्रलाई आत्मनिर्भर, प्रतिस्पर्धी, समावेसी, दीगो तथा खाद्य तथा पोषण सुरक्षाको परिकल्पना कृषि विकास रणनीतिले गरेको छ। यी परिकल्पनालाई मूर्त रूप दिन ADS ले चार रणनीतिक सम्भागहरू सुशासन, उत्पादकत्व, नाफामुलक व्यवसायिकरण र प्रतिस्पर्धी क्षमतामा वृद्धि मार्फत आधार कार्यक्रम, खास महत्वका कार्यक्रम, र अन्य कार्यक्रमहरू कार्यान्वयन गरिने तय गरिएको छ। खास महत्वका कार्यक्रम अन्तर्गत खाद्य तथा पोषण सुरक्षा कार्यक्रम, विकेन्द्रित विज्ञान, प्रविधि र शिक्षा कार्यक्रम, मूल्य शृङ्खला विकास कार्यक्रम र नव प्रवर्तनकारी तथा कृषि उद्यम कार्यक्रम गरी चारबाटा कार्यक्रम रहेका छन्। कृषि विकास रणनीतिको रणनीतिक उद्देश्य हासिल गर्न कृषि मूल्य शृङ्खलाका विवर अवयवहरूको उचित संयोजन मार्फत कृषि क्षेत्रलाई प्रत्यक्ष उद्योगसंग आवद्ध गराइ कृषिको औद्योगिकरण तथा व्यवसायिकरण गर्न सहयोगी निकायका रूपमा प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाको विकास गरिएको छ। ADS मा परिकल्पीत कार्यक्रमहरू प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाले आत्मसात गरेको छ जुन यस प्रकार रहेको छ।

- क. खाद्य तथा पोषण सुरक्षा कार्यक्रम: पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनहरूमा कृषिजन्य उत्पादन वृद्धिका कार्यक्रम सञ्चालनबाट खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुनिश्चित पार्ने,
- ख. विकेन्द्रित विज्ञान, प्रविधि र शिक्षा कार्यक्रम: कृषिस्नातकहरूलाई ईन्टर्नकोरुपमा लिई कृषकस्तरमा सेवा प्रदान गर्ने व्यवस्था गरि कृषि शिक्षालाई प्रत्यक्ष रूपमा कृषिप्रसारसँग जोडीएको,
- ग. मूल्य शृङ्खला विकास कार्यक्रम: परियोजनावाट पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनहरूको स्थापनाबाट कृषि उपजका मूल्य शृङ्खला विकास गरीएको, कृषि उद्योगहरूको स्थापना, आवश्यकता अनुसार बालीहरूको मूल्य शृङ्खला विकास, स्थानीय बालीहरूको पकेट स्थापना र मूल्य शृङ्खला,
- घ. नव प्रवर्तनकारी तथा कृषि उद्यम कार्यक्रम: व्यवसाय विकास सेवा केन्द्रहरूको स्थापना, साना तथा मझौला व्यवसायहरूको स्थापना, लक्षित वर्गको लागि अनुदान, विकासीत नयाँ प्रविधिकोप्रयोग,
- ड. विकेन्द्रित शिक्षा, विज्ञान प्रविधि तथा प्रसार कार्यक्रम: ब्लक, जोन र सुपर जोनहरूमा कृषि शिक्षा, प्रसार तथा अनुसन्धान एकाइहरूको स्थापना तथा सञ्चालन।



कृषि विकास रणनीति परियोजनाको सम्बन्ध

१.३ पन्थ्रौं योजना र परियोजना

कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा २७ प्रतिशत योगदान रहेको र ६०.४ प्रतिशत जनसंख्या आवद्ध भएको कृषि क्षेत्र आर्थिक समृद्धि हासिल गर्ने मूल आधार हो । उच्च र समावेशी आर्थिक वृद्धिको लागि कृषि क्षेत्रको वैज्ञानिक ढंगले सुधार तथा रूपान्तरण गर्ने विगतका प्रयासलाई सघन बनाई उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि गर्नु पर्ने आवश्यकता रहेको छ । कृषि विकास रणनीतिको सहयोगी परियोजनाको रूपमा कार्यान्वयनमा रहेको यस परियोजनाले कृषि, पशुपन्थी तथा मत्स्यजन्य उत्पादनको व्यवसायीकरण, यान्त्रिकीकरण र विविधिकरणगरी यस क्षेत्रलाई प्रतिस्पर्धी बनाउन जोड दिएको छ । परियोजनाका चार सम्भागहरू पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनको माध्यमबाट कृषि उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि गरी देशलाई विभिन्न बाली, वस्तुहरूमा आत्मनिर्भरता तर्फ उन्मुख गराउन यस परियोजनाले सहयोग गर्नेछ । पन्थ्रौं योजनाले यस परियोजनालाई कृषि क्षेत्रको रूपान्तरणकारी आयोजनाको रूपमा पहिचान गरेको छ ।

१.४ परियोजनाका संभागहरू

यस परियोजना अन्तर्गत देहाय बमोजिमका सम्भागहरू रहेका छन्:-

क) साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रम ।

- ख) व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (ब्लक) विकास कार्यक्रम ।
- ग) व्यवसायिक कृषि उत्पादन तथा प्रशोधन केन्द्र (जोन) विकास कार्यक्रम ।
- घ) बहुत व्यवसायिक कृषि उत्पादन तथा औद्योगिक केन्द्र (सुपर जोन) विकास कार्यक्रम ।
- क) साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रम

बाली वस्तु विशेषका लागि तोकिएको न्यूनतम क्षेत्रफल/संख्याको न्यूनतम आधार पुरा गरेका र उत्पादनको प्राथमिक इकाईको रूपमा रहेका व्यवसायिक कृषिको निश्चित क्षेत्रलाई साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) भनिन्छ । पकेटमा कृषि/पशुपन्छी/मत्स्य उत्पादन सामग्रीको व्यवस्था, प्राविधिक सेवा प्रवाह र नवीनतम कृषि प्राविधिको प्रसारबाट कृषि/पशुपन्छी/मत्स्य उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरिनेछ । राष्ट्रिय आवश्यकता र स्थानिय सम्भाव्यताका आधारमा एउटै स्थानीय तहको निश्चित कलष्टरमा साना व्यवसायिक उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रम संचालन गर्नुपर्दछ ।

उद्देश्यहरू

- कृषि क्षेत्रको आधुनिकीकरणमा योगदान पुर्याउने साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास गर्दै छनौट गरिएको बाली/वस्तुहरूको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने ।
- पकेट क्षेत्रमा कृषि/पशुपन्छी/मत्स्य उत्पादन सामग्री आपूर्ति तथा प्राविधिक सेवा प्रवाह गर्ने ।

पकेट कार्यक्रम सञ्चालनका आधारहरू:

| बाली/वस्तु | इकाई | भौगोलिक क्षेत्र | | | कैफियत |
|----------------------------------|-------------|-----------------|-------|-------|-------------|
| | | तराई | पहाड | हिमाल | |
| खाद्यान बाली | हेक्टर | २० | १५ | १० | |
| आलु र तरकारी बाली | हेक्टर | १० | ७ | ५ | |
| दलहन, तेलहन, मसलाबाली, फलफूल आदि | हेक्टर | १० | ७ | ५ | |
| मौरी | घार संख्या | ३०० | ३०० | २०० | |
| कन्य तथा गोब्रे च्याउ | के.जी. | १००० | १००० | १००० | च्याउको बीउ |
| सिताके च्याउ | मुढा संख्या | ५००० | ५००० | ५००० | |
| प्लास्टिक घरमा खेती | वर्ग मिटर | १०००० | १०००० | ६००० | |
| माछा (जलाशाय क्षेत्र) | हेक्टर | ६ | ४ | - | |
| ट्राउट माछा (रेसवे) | वर्ग मिटर | | १५०० | १००० | |

| बाली/वस्तु | इकाई | भौगोलिक क्षेत्र | | | कैफियत |
|------------|-------------------------|-----------------|-------|-------|--|
| | | तराई | पहाड़ | हिमाल | |
| गाइ | उन्नत संख्या | १०० | १०० | ६० | दैनिक १००० लिटर दुध संकलन गर्ने कृषक उद्यमी वा समूह सहकारी |
| | स्थानीय/वर्णशंकर संख्या | ३०० | ३०० | २०० | |
| भैंसी | उन्नत संख्या | १०० | ८० | ६० | |
| | स्थानीय/वर्णशंकर संख्या | २०० | १५० | १०० | |
| बाख्त्रा | संख्या | १००० | १००० | ६०० | |
| बांगुर | संख्या | १०० | ८० | ६० | माउ |

ख) व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (ब्लक) विकास कार्यक्रम

बाली वस्तु विशेषका लागि तोकिएको न्यूनतम क्षेत्रफल/संख्याको न्यूनतम आधार पुरा गरेका व्यवसायिक कृषि उत्पादनको निश्चित क्षेत्रलाई व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (ब्लक) विकास कार्यक्रम भनिन्छ । ब्लकमा बीउ/नश्ल, मल/आहारा र साना कृषि यन्त्र लगायतका उत्पादन सामग्री, सिचाई, विद्युत र सडक लगायतका कृषि पूर्वाधार, कृषि ऋण, बीमा एवं नीतिगत सहजीकरण र कृषक व्यवसायीको क्षमता विकास जस्ता सेवा सुविधा उपलब्ध गराइ कृषि उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरिनेछ । राष्ट्रिय आवश्यकता र स्थानिय सम्भाव्यताका आधारमा एउटै स्थानीय तहको निश्चित कलष्टरमा साना व्यवसायिक उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रम संचालन गर्नु पर्नेहुन्छ ।

उद्देश्य

- कृषि क्षेत्रको आधुनिकीकरणमा योगदान पुर्याउने व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (ब्लक)हरु विकास गर्दै ब्लकमा समावेश गरिएका बाली वस्तुको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने ।
- ब्लक क्षेत्रमा कृषि यान्त्रिकरण कृषि पूर्वाधार विकास तथा व्यवसायिकरण प्रवर्द्धन गर्ने ।

ब्लक विकास कार्यक्रम सञ्चालनका आधारहरू

| बाली/वस्तु | इकाई | भौगोलिक क्षेत्र | | | कैफियत |
|----------------------------------|-------------------------|-----------------|-------|-------|---|
| | | तराई | पहाड | हिमाल | |
| खाद्यान्न बाली | हेक्टर | १५० | १०० | ५० | |
| आलु र तरकारी बाली | हेक्टर | ८० | ३० | २० | |
| दलहन, तेलहन, मसलाबाली, फलफूल आदि | हेक्टर | १०० | ७० | ३० | |
| मौरी | घार संख्या | १००० | १००० | १००० | |
| कन्य तथा गोब्रे च्याउ | के.जी. | १०००० | १०००० | १०००० | च्याउको बीउ |
| सिताके च्याउ | मुढा संख्या | २५००० | २५००० | २५००० | |
| प्लास्टिक घरमा खेती | हेक्टर | १० | १० | ६ | |
| माछा (जलाशय क्षेत्र) | हेक्टर | ६० | ४० | | |
| ट्राउट माछा (रेसवे) | वर्ग मिटर | ३००० | ३००० | २००० | |
| गाई | उन्नत संख्या | २०० | २०० | १५० | दैनिक १०० लिटर दुध संकलन गर्ने कृषक उद्यमी वा समूह सहकारी |
| | स्थानीय/वर्णशंकर संख्या | ६०० | ६०० | ३०० | |
| भैंसी | उन्नत संख्या | २०० | १५० | १२० | |
| | स्थानीय/वर्णशंकर संख्या | ४०० | ३०० | २५० | |
| बाख्ता | संख्या | ५००० | ५००० | ३००० | |
| बंगुर | संख्या | ५०० | ५०० | ३०० | माउ |

ग) व्यावसायिक कृषि उत्पादन तथा प्रशोधन केन्द्र (जोन) विकास कार्यक्रम

बाली वस्तु विशेषका लागि तोकिएको न्यूनतम क्षेत्रफल/संख्याको न्यूनतम आधार पुरा गरेका प्राथमिक प्रशोधनका लागि आवश्यक पूर्वाधार सहितको व्यवसायिक कृषि उत्पादनको निश्चित क्षेत्रलाई व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (जोन) भनिन्छ। जोनमा बीउ/नश्ल, मल/आहारा र कृषि यन्त्र लगायतका उत्पादन सामग्री, सिंचाई, विद्युत र सडक, कृषि बजार लगायतका पूर्वाधार, कृषि ऋण, बीमा एवं नीतिगत सहजीकरण,

कृषक व्यवसायीको क्षमता विकास र प्राथमिक प्रशोधन उद्योग प्रवर्द्धन जस्ता सेवा सुविधा र पूर्वाधार मार्फत कृषि/पशुपन्छी/मत्स्य उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि, कृषि उपज बजारीकरण र प्राथमिक प्रशोधन उद्योगहरु प्रवर्द्धन गरिन्छ ।

उद्देश्य

व्यवसायिक कृषि उत्पादन तथा प्रशोधन केन्द्र (जोन) विकास कार्यक्रमको उद्देश्य देहाय बमोजिम रहेको छः-

- जोनमा समावेश गरिएका बाली/वस्तुको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने,
- जोन क्षेत्रमा कृषि यान्त्रिकीकरण, कृषि पूर्वाधार विकास एवं व्यवसायीकरण प्रवर्द्धन तथा प्रारम्भिक प्रशोधन केन्द्रहरुको स्थापना मार्फत कृषि आधुनिकीकरणको आधारशिला तयार गर्ने,
- जोन तथा आसपासका क्षेत्रहरुमा रोजगारी सृजना गर्ने ।

जोन विकास कार्यक्रम सञ्चालनका आधारहरु

| बाली/वस्तु | इकाई | आधार | कैफियत |
|----------------------|------------------|-------|---|
| बाली | हेक्टर | ५०० | |
| मौरी | घार संख्या | ५००० | |
| माछा (जलाशय क्षेत्र) | हेक्टर | ५०० | |
| गाई | उन्नत माउ संख्या | २००० | दैनिक ५००० लिटर दुध संकलन गर्ने चिलिङ्ग भ्याट सहितको कृषक उद्यमी वा समूह सहकारी |
| भैंसी | उन्नत माउ संख्या | १००० | |
| बाख्ता | उन्नत माउ संख्या | १५००० | |
| बंगुर | उन्नत माउ संख्या | १००० | |

घ) बहुत कृषि व्यबसायिक कृषि उत्पादन तथा औद्योगिक केन्द्र (सुपर जोन) विकास कार्यक्रम

बाली वस्तु विशेषका लागि तोकिएको न्यूनतम क्षेत्रफल/संख्याको न्यूनतम आधार पुरा गरेका कृषिमा आधारित उद्योग सहितका पूर्वाधार भएको व्यवसायिक कृषि उत्पादन र कृषि उपज प्रशोधन हुने निश्चित क्षेत्रलाई कृषि उत्पादन तथा औद्योगिक केन्द्र (सुपर जोन) भनिन्छ । सुपरजोनमा बीउ/नश्ल, मल/आहारा र कृषि यन्त्र लगायतका उत्पादन सामग्रीको उत्पादन, प्रयोगशाला सेवा, सिंचाई, विद्युत र सडक, कृषि बजार लगायतका पूर्वाधारको व्यवस्था, कृषि ऋण, बीमा एवं नीतिगत सहजीकरण, कृषक व्यवसायी एवं कृषि प्राविधिकको क्षमता विकास, प्रशोधन उद्योग प्रवर्द्धन र कृषि उपजको गुणस्तर नियन्त्रण लगायतका क्रियाकलापहरु सञ्चालन गरी बहुत कृषि व्यबसायिक कृषि उत्पादन तथा औद्योगिक केन्द्र विकास गरिन्छ ।

उद्देश्यः

- क) सुपरजोनमा समावेश गरिएका बाली/वस्तुको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने,
- ख) सुपरजोन क्षेत्रमा कृषि यान्त्रिकीकरण, कृषि पूर्वाधार विकास एवं व्यवसायीकरण प्रवर्द्धन तथा प्रशोधन उद्योगहरूको स्थापना मार्फत कृषि औद्योगीकरणको आधारशिला तयार गर्ने,
- ग) प्रयोगशाला सेवा तथा कृषि अनुसन्धान र अध्ययन संस्थानको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने
- घ) सुपरजोन तथा आसपासका क्षेत्रहरूमा रोजगारी सृजना गर्ने ।

सुपरजोन कार्यक्रम सञ्चालनका आधारहरूः

| बाली / वस्तु | इकाई | आधार | कैफियत |
|-----------------------|--------|------|--------|
| बाली | हेक्टर | १००० | |
| माछा (जलाशाय क्षेत्र) | हेक्टर | १००० | |

१.५ परियोजनाका सम्भागहरूबिच अन्तरसम्बन्ध

यस परियोजनामा रहेका सम्भागहरूमा उत्पादन वृद्धि तर्फ पकेट एकाइ, व्यवसायिक उत्पादनका लागि ब्लक एकाइ, मूल्य अभिवृद्धि र बजारीकरणका संरचना सहितको उत्पादन क्षेत्रलाई जोन एकाइ र कृषिजन्य उद्योग सहितको विशेष उत्पादन क्षेत्रलाई सुपरजोन एकाइको रूपमा रहेका छन् । बाली/वस्तु विशेषका पकेट तथा ब्लकहरूबाट उत्पादित उत्पादन सोही बाली/वस्तुका जोन/सुपरजोनमा रहने कृषि बजार एवं प्रशोधन उद्योगको लागि कृषि उपज तथा कच्चा पदार्थको रूपमा कार्य गर्ने तथा यसबाट बजारमुखि उत्पादन गर्न पकेट तथा ब्लकलाई प्रोत्साहन मिल्ने हुँदा दोहोरो अन्तरसम्बन्ध रहन्छ ।

यस परियोजनाका सम्भागहरूमा समावेश नभएका कृषकहरूले समेत यस्ता सम्भागहरूमा विकास भएका प्रविधिको अवलम्बन गरी लाभ लिन सक्नेछन तथा यस्ता कृषकहरूबाट अन्य कृषकहरूले तथा समग्र क्षेत्रले लाभ लिइ परियोजनाको spillover effect मार्फत आर्थिक समृद्धिको ढोका खुल्ने छ । परियोजनाका विभिन्न सम्भागहरूबिचको कार्यमूलक अन्तरसम्बन्ध तल दिइएको छ ।



सुपरजोन

- औद्यौगिक कार्य: अन्तिम रूपमा उपभोग वस्तुको उत्पादन
- अनुसन्धान कार्य: नव प्रवर्द्धन तथा अनुसन्धान
- शैक्षिक कार्य: मानव संशाधन विकास

जोन

- बजारीकरण कार्य: कृषि उद्योगजन्य उद्योगका लागि आवश्यक कच्चा पदार्थको बजारीकरण
- प्रशोधन कार्य: उद्योग संचालनका लागि आवश्यक कच्चा पदार्थ उत्पादनका लागि प्रथमिक प्रशोधन

ब्लक

- उद्यम विकास कार्य: फर्म रजिस्ट्रेशन तथा कृषि व्यवसाय विकास
- वृद्धि प्रवर्द्धन कार्य: उत्पादकत्व अभिवृद्धि

पकेट

- उत्पादन कार्य: कृषि वस्तुहरूको प्राथमिक उत्पादन
- प्रविधि प्रसार कार्य: नविनतम कृषि प्रविधिको प्रसार

१.६ रणनीति

१.६.१ भूमिको बैज्ञानिक उपयोग

- माटोको उर्वराशक्ति र वालीको उपयुक्तता अनुसार मुख्यत देहाय बमोजिम चक्लावन्दी कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिने ।

- क) सहकारी खेती
- ख) करार खेती
- ग) कबुलियती (लिज) खेती
- घ) स्वेच्छिक रूपमा चक्लावन्दीमा आवद्धता

१.६.२ आधुनिक कृषि प्रविधिको अबलम्बन

- आधुनिक कृषि उत्पादन सामग्री र प्रशोधन प्रविधि एवं प्रभावकारी कृषि प्रसार सेवामार्फत उन्नत र नविनतम प्रविधि अनुसरण गर्ने कृषकलाई प्रेरित गरिने ।
- बाली वस्तु विशेष उत्पादनका Package या practices विकास र विस्तार गरिने ।

१.६.३ कृषि यान्त्रिकरण:

- परियोजनाका सबै सम्भागहरूमा वाली अनुसारका आवश्यक मेशिनरीहरूको सेट सहितको कष्टम हायरिड सेन्टर संचालन गरी यान्त्रिकीकरण प्रवर्द्धन गरिने ।
- उत्पादन केन्द्रहरू स्थापना र सवलीकरण समेतमा सहयोग पुऱ्याइने

१.६.४ पूर्वाधार विकासः

- सिंचाई, बजार, प्रशोधन केन्द्र, खाद्य परिक्षण, माटो परिक्षण, प्लाण्ट क्वारेन्टिन प्रयोगशाला र सडक पूर्वाधारहरूको विकासलाई महत्व दिएको ।

१.६.४.१ सिंचाई पूर्वाधार विकासः

- साना सिंचाई प्रणाली निर्माण र संचालनका लागि कृषि सहकारीहरू, उपभोक्ता समूहहरू मार्फत निर्माण गर्ने प्रोत्साहन गरिने ।
- सिंचाईको व्यवस्थापन र संचालन गर्न निजी तथा सहकारी क्षेत्रलाई प्रोत्साहित गरी व्यवसायिक सिंचाई प्रणाली विकासमा समेत सिंचाई नीतिको परिधी भित्र रही जोड दिईने ।
- आधुनिक सिंचाई प्रणालीहरू ड्रिप सिंचाई (थोपा सिंचाई), स्पिङ्कलर सिंचाई आदिको स्थापना मर्मत सम्भार तथा संचालनको लागि प्रोत्साहन गरिने ।

१.६.४.२ पोष्ट हार्भेष्ट केन्द्रः

- सार्वजनिक निजी साभेदारीमा पोष्ट हार्भेष्ट सेवा केन्द्रहरू स्थापनाका लागि पूँजीगत अनुदानको व्यवस्था गरिने ।
- यस्ता सेवा केन्द्रहरूमा संकलन केन्द्र, उपजहरूको प्राथमिक प्रशोधन, प्याकेजिङ एवं भण्डारण सेवा लगायतका सेवाहरू एकीकृत रूपमा उपलब्ध हुने ।

१.६.४.३ कृषि बजार सेवा पूर्वाधारहरू:

- कृषि पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनहरूमा सम्भाव्यताको आधारमा कृषि उपज संकलन केन्द्रहरू, हाट बजारहरू, ठूला कृषि बजारहरू र एग्री मार्टको निर्माण गर्ने पूँजीगत अनुदान दिईने ।
- कृषि उपजहरूको सहज बजारीकरणका लागि कृषि बजार सूचना प्रणालीको उपयोग गरिने ।
- कृषकहरूलाई कृषि वस्तुहरूको माग, आपूर्ति, मूल्य र सम्भाव्य बजारका सम्बन्धमा सूचना प्रदान गर्नका लागि आधुनिक सूचना प्रविधिहरूको प्रयोग गरिने ।
- Plant/food quarantine पूर्वाधारहरूको विकास गरिनुका साथै देशका विभिन्न नायकाहरूमा रहेका Plant/food quarantine प्रयोगशालाहरूलाई अन्तराष्ट्रिय मापदण्ड अनुरूप विकास एवं सुदृढिकरण गरी कृषि व्यापारलाई प्रवर्द्धन गरिने ।

१.६.५ कृषि उत्पादन सामग्री:

- वाली उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धिका लागि आवश्यक गुणस्तरीय वीउ/वेर्ना, रसायनिक/प्राङ्गारिक मलको सहज उपलब्धता सुनिश्चित गरिने ।
- उत्पादन वृद्धिका लागि स्थान विशेष उपयुक्त उन्नत र हाइब्रिड वीउहरू व्यापक रूपमा प्रयोग गरिने ।
- नीजि र सार्वजनिक निकायहरूको सहकार्यमा गुणस्तरीय वीउ/वेर्ना उत्पादन, वितरण र प्रशोधन गर्ने प्रोत्साहन गरिने ।
- औचित्यको आधारमा परियोजना संचालन हुने स्थानहरूमा नीजि क्षेत्रलाई कृषि सामग्री डिपोहरू स्थापना गर्ने प्रोत्साहन गरी कृषि सामग्रीहरूको उपलब्धता सुनिश्चित गरिने ।
- त्यसैगरी हरेक गाउँपालिका/नगरपालिकाहरूमा बहुउद्देशीय आधुनिक नर्सरीहरू स्थापना गरी आवश्यक वेर्नाहरूको व्यवस्थापन गरिने ।
- कृषि सामग्रीहरूको गुणस्तर सुनिश्चितताका लागि प्रयोगशाला मार्फत प्राविधि सेवा उपलब्ध गराउनुका साथै अनुगमन तथा गुणस्तर परिक्षणका कार्यहरू संचालन गरिनेछ ।
- उत्पादन वृद्धिका लागि हाइब्रिड वीउको उपलब्धता तथा पहुँच बढाउन National Seed Vision बमोजिमको सरकारी तथा नीजि क्षेत्रबाट हाइब्रिड बीउको विकास गरिने ।
- नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद् मार्फत विकास भएका तथा भविष्यमा विकास हुने जातहरूको Inbred line लाई निश्चित कार्यविधि बनाई सो मार्फत नीजि क्षेत्रलाई हस्तान्तरण गरी वीउ उत्पादनमा सहयोग पुर्याउनका साथै कृषकहरूबाट रुचाईएका हाइब्रिड जातहरूलाई समेत दर्ता गराउन आवश्यक सहयोग गरिने ।

१.६.६ रासायनिक र प्राङ्गारिक मल व्यवस्थापन

- परियोजना क्षेत्रमा सहकारीहरु मार्फत रासायनिक मल वितरण गर्ने व्यवस्था अवलम्बन गरिने । निजी एग्रोभेट र अन्य सेवा प्रदायकहरूलाई पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनमा रासायनिक मलको विक्री वितरणमा सहभागी गराउने व्यवस्था गरिने ।
- प्राङ्गारिक मलको हकमा तोकिएको मापदण्ड अनुसार प्राङ्गारिक मल उत्पादन गर्दै आएका कम्पनी/सहकारीहरूको उत्पादनलाई पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनमा बढी भन्दा बढी प्रयोग गर्ने कृषकहरूलाई प्रोत्साहित गरिने छ ।
- पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनमा यदि वर्तमानमा सञ्चालित कम्पनीहरु/सहकारीहरूबाट प्राङ्गारिक मल उपलब्ध गराउन नसक्ने अवस्था रहेमा थप कम्पनी/सहकारीहरूबाट प्राङ्गारिक मलको गुणस्तर सुनिश्चित गर्न नेपाल सरकारले तोकेको गुणस्तर मापदण्ड अनुसार विक्री वितरण गर्न उत्पादन, प्रशोधन र प्याकेजिङमा अनुदान सहयोग गर्न सकिने ।

१.६.७ उत्पादन प्रविधि:

- उत्पादनका Package of Practices विकास र प्रसारका लागि प्रत्येक विशिष्टिकृत उत्पादन क्षेत्रमा कमितमा १ हेक्टर सम्मका क्षेत्रफलमा उन्नत प्रविधि प्रदर्शन तथा सिकाई केन्द्र (Demonstration and Learning Center) को रूपमा विकास गरिने ।
- कृषि उत्पादनका विभिन्न प्रविधिहरूको प्रभावकारी प्रसार तरिकाहरु जस्तै सहभागितात्मक प्रदर्शनको अबलम्बन तथा प्रविधि प्रसारका लागि सूचना प्रविधिको समेत व्यापक उपयोग गरिने ।
- यस्ता प्रविधिहरूको प्रसार र कृषकहरूले ग्रहण गर्नका लागि सहभागितात्मक व्यवसायिक उत्पादन प्रविधि प्रदर्शन र स्थलगत व्यवहारिक तालिमहरूको माध्यम अवलम्बन गरिनेछ ।

१.६.८ कृषि अनुसन्धान, शिक्षा र प्रसार

- कृषि अनुसन्धान केन्द्रहरु/फार्म केन्द्रहरु सुदृढीकरण र सवलीकरण गरिने । यस्ता अनुसन्धान केन्द्रहरूलाई विशिष्टिकृत क्षेत्रहरूको भूगोल र वाली उपयुक्त Basic and Adaptive Research मा केन्द्रित गर्नका लागि आवश्यक सुधारका लागि सहयोग उपलब्ध गराईने ।
- विद्यमान फार्म/केन्द्रहरूले उक्त विशिष्टकृत क्षेत्र लगायत कमाण्ड क्षेत्रहरूमा सेवा विस्तारका लागि आवश्यक वीडि/वेर्ना, विरुवाको मूल श्रोत केन्द्रका रूपमा विकास गर्दै पूर्ण क्षमतामा संचालनका लागि उत्पादनका आधारमा प्रोत्साहन अनुदान वृद्धि हुने गरी सहयोग उपलब्ध गराईने ।
- माटो परिक्षण गरी उर्वराशक्ति र सो माटोमा खेती गर्न उपयुक्त वालीको विवरण सहितको माटो परिक्षण कार्ड उपलब्ध गराउनका लागि घुम्त माटो परिक्षण प्रयोगशालाहरु प्रयोगमा ल्याईने ।

- कृषि विश्वविद्यालय तथा कलेजहरूलाई Academic प्रयोजनका लागि अनुसन्धान तथा प्रसार अनुदान उपलब्ध गराईने ।
- विशिष्टिकृत उत्पादन क्षेत्रहरू जोन र सुपरजोनहरूमा अनुसन्धान शिक्षा र प्रसार इकाईको स्थापना गरी संचालन गरिने छ भने कृषि कलेज र विश्वविद्यालयहरूबाट उत्पादित जनशक्तिलाई इन्टर्नको रूपमा तथा प्रविधि प्रसारमा सोही उत्पादन क्षेत्रमा परिचालन गरिने ।

१.६.९ प्रतिफलमा आधारित प्रोत्साहन अनुदान प्रणालीको अबलम्बनः

- तोकिएको वालीको निश्चित क्षेत्रफल वा तोकिएको परिमाण वा सो भन्दा बढी उत्पादन गर्ने कृषि उद्यमी, कृषि समूह/सहकारीहरूलाई प्रतिफलमा आधारित प्रोत्साहन अनुदान प्रदान गरिने छ । यस किसिमको प्रोत्साहन अनुदान बहु बर्षिय वालीको हकमा क्षेत्रफल विस्तारमा उपलब्ध गराईने छ ।

१.६.१० गुणस्तर नियन्त्रण तथा खाद्य स्वच्छता स्थापना:

- घुम्ती प्रयोगशालाहरूको प्रयोग, अन्तर्राष्ट्रिय मान्यता प्राप्त ल्याबहरूको स्थापना, केन्द्रियस्तरमा/मुख्य बजार केन्द्रहरूमा विषादी द्रुत परिक्षण प्रयोगशाला स्थापना जस्ता खाद्य स्वच्छताका मापदण्डहरू औचित्यका आधारमा लागू गर्ने गरी कार्य गर्ने र सोही बमोजिम स्वच्छता एवम् गुणस्तर प्रमाणिकरणको व्यवस्था मिलाई नेपालका कृषि तथा खाद्य वस्तुहरूको उत्पादनलाई अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा प्रवेश गराउने क्रियाकलापहरू संचालन गरिने ।

१.७ परियोजना कार्यान्वयनमा संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको भूमिका

१.७.१ संघीय निकायको भूमिका

| निकाय | भूमिका |
|-----------------------------------|--|
| कृषि तथा पशुपन्ची विकास मन्त्रालय | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजना कार्यान्वयन निकायहरूलाई समग्र मार्गीनिर्देशन गर्ने । » परियोजना संचालन एवं व्यवस्थापनमा सहयोग गर्ने । » परियोजना कार्यान्वयनमा मुख्य सरोकार राख्ने निकायहरू बिचमा समन्वय कायम गर्न सहयोग गर्ने । » कार्यान्वयनका लागि बजेट र जनशक्ति व्यवस्थापन गर्ने । » परियोजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक नीति, रणनीति, निर्देशिका तथा कार्यविधिहरूको तर्जुमा, परिमार्जन र स्वीकृत गराउने । » परियोजना व्यवस्थापन इकाई र अन्तर्गतका निकाय, सम्पादन गरिने क्रियाकलापहरू एवं अपेक्षित प्रतिफलहरूको अनुगमन, मूल्याङ्कन र प्रभाव अध्ययन गर्ने । |

| निकाय | भूमिका |
|----------------------------|--|
| परियोजना निर्देशक समिति | » परियोजनालाई नीतिगत रूपमा मार्गदर्शन गर्ने । |
| | » परियोजनासँग सम्बन्धित सम्पुर्ण सरोकारवाला निकायहरु र क्षेत्रहरु बीच कार्यमूलक समन्वय स्थापना गराउने । |
| | » परियोजनाको नीतिगत अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने । |
| | » परियोजनाको बजेट तथा कार्यक्रमको ढाँचा अनुमोदन गर्ने । |
| | » परियोजनाको लागि आवश्यक निर्देशिका स्वीकृत गर्ने । |
| परियोजना कार्यान्वयन समिति | » परियोजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक जनशक्तिको व्यवस्था मिलाउने । |
| | » परियोजनाको लागि आवश्यक बजेट तथा कार्यक्रमहरु स्वीकृतीका लागि निर्देशक समितिमा सिफारिश गर्ने । |
| | » परियोजना संचालन सम्बन्धमा आवश्यक कार्यविधिहरु स्वीकृत गर्ने एंव निर्देशिकाहरु स्वीकृतिका लागि निर्देशक समिति समक्ष पेश गर्ने । |
| | » परियोजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन र अनुगमनका लागि निर्देशक समितिवाट निर्देशन भए अनुसार व्यवस्था मिलाउने । |
| | » अन्तर निकाय समन्वयको लागि निर्देशक समितिवाट निर्देशन भए अनुसार व्यवस्था गर्ने । |
| परियोजना व्यवस्थापन एकाई | » परियोजनाका लागि आवश्यक नीति, नियम र कार्यक्रम तथा क्रियाकलापहरुको तर्जुमा गरी परियोजना कार्यान्वयन समिति तथा कृषि तथा पशुपन्ची विकास मन्त्रालयमा पेश गर्ने । |
| | » परियोजनाको समग्र कार्यान्वयनको व्यवस्थापन गर्ने । |
| | » परियोजनाको सबै तहका कर्मचारीहरुको प्रशासनिक व्यवस्थापन गर्ने । |
| | » परियोजना निर्देशक समिति र परियोजना कार्यान्वयन समितिको सचिवालयको रूपमा कार्य गर्ने । |
| | » परियोजना कार्यान्वयन एकाईहरुलाई पृष्ठपोषण, मार्गदर्शन गर्ने । |
| | » परियोजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक निर्देशिका तथा कार्यविधिहरुको तर्जुमा तथा परिमार्जनको व्यवस्था मिलाउने । |

| निकाय | भूमिका |
|---------------------------|--|
| | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजनाका अपेक्षित प्रतिफलहरुको अनुगमन, मूल्याङ्कन र प्रभाव अध्ययन गर्ने । » परियोजनाको सफल कार्यान्वयनका लागि कार्यमूलक समन्वयको व्यवस्था मिलाउने । » परियोजनाको समग्र प्रतिवेदन तयार गरी मासिक, चौमासिक, अर्धबार्षिक र बार्षिक रूपमा कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालयमा प्रतिवेदन गर्ने । |
| परियोजना कार्यान्वयन एकाई | <ul style="list-style-type: none"> » जोन/सुपरजोन विकासका लागि तय भएका नीति तथा कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयन गर्ने । » परियोजना कार्यान्वयनका लागि कृषि सहकारी, समूह र कृषि उद्यमीहरुको अभिमुखीकरण तथा क्षमता विकास गर्ने । » सम्बन्धित बालीको अनुसन्धान तथा विकास केन्द्रका रूपमा कार्य गर्ने तथा वाली विशेषको पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनसँगको अनुसन्धान प्रसार सेवा र कृषि शिक्षाको सम्बन्ध (Linkages) र पहुँच (Access) स्थापना गर्ने । » बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा र कार्यान्वयनसँग सम्बन्धित निकायहरूबीच कार्यमूलक समन्वयको व्यवस्था मिलाउने । » जिल्ला स्थित कृषि तथा पशु सेवा क्षेत्र हेर्ने कार्यालयसँगको समन्वयमा बार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमामा गर्ने । » जोन/सुपरजोनमा भएका विद्यमान प्रविधि र पूर्वाधारहरुको अभिलेख तयार गर्ने । » जोन/सुपरजोन अन्तर्गतका कृषक समूह, कानुन बमोजिम दर्ता भएका कृषि उद्यमी तथा सहकारीहरुको विवरण अद्यावधिक गर्ने । » परियोजनाको लक्ष्य र उद्देश्य हासिल गर्न सहयोगी कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । » जोन/सुपरजोन अन्तर्गत सामुहिक खेती, सहकारी खेती, करार खेती र चक्कलाबन्दी खेती प्रवर्द्धन गर्ने नीतिलाई कार्यान्वयन गर्ने । » जोन/सुपरजोन अन्तर्गत कृषि पूर्वाधारहरुको विकास गर्ने । |

| निकाय | भूमिका |
|-------------------------|--|
| | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजनाका सरोकारवालाहरु (स्थानीय तह, प्रदेश मातहतका निकाय, अनुसन्धान र कृषि फार्म केन्द्र) सँग समन्वय र सहकार्य गर्ने । » परियोजनाको प्रगति नियमितरूपमा परियोजना व्यवस्थापन एकाईमा पठाउने । » सम्भाव्यताको आधारमा जोन/सुपरजोनको क्षेत्र विस्तारको लागि परियोजना व्यवस्थापन इकाईमा सिफारिस गर्ने । » परियोजनाबाट तोकिएका परियोजना कार्यान्वयन एकाईले प्रदेश स्तरमा समन्वय र रिपोर्टिङको समेत कार्य गर्ने । » सञ्चालित जोन र सुपरजोनको प्रोफाईल तयार गर्ने । » जिल्लामा सञ्चालित पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोन विकास कार्यक्रमको लागि क्षेत्र निर्धारण, कार्यक्रम तर्जुमा, अनुगमन, तथ्याङ्क व्यवस्थापनको लागि परियोजनाको फोकल कार्यालयको रूपमा कार्य गर्ने । |
| सुपर जोन प्राविधिक एकाई | <ul style="list-style-type: none"> » सुपरजोन विकासका लागि तय भएका नीति तथा कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयन गर्ने । » परियोजना कार्यान्वयनका लागि कृषि सहकारी, समूह र कृषि उद्यमीहरुको अभिमुखिकरण तथा क्षमता विकास गर्ने । » सुपर जोन संचालनको लागी उपभोक्ताहरुको सहयोगमा आन्तरिक व्यवस्थापन विधि (Code of Conduct) तयार गरी लागु गर्ने । » सम्बन्धित वालीको/वस्तुको कृषि विकास केन्द्रका रूपमा कार्य गर्ने तथा वाली/वस्तु विशेषको पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनसँगको अनुसन्धान प्रसार सेवा र कृषि शिक्षाको सम्बन्ध (Linkages) र पहुँच (Access) स्थापना गर्ने । » कार्यक्रम तर्जुमा तथा कार्यान्वयनसँग सम्बन्धित निकायहरुबीच कार्यमूलक समन्वयको व्यवस्था मिलाउने । |
| सुपरजोन प्राविधिक एकाई | <ul style="list-style-type: none"> » जोन विकासका लागि तय भएका नीति तथा कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयन गर्ने । |

| निकाय | भूमिका |
|-------|--|
| | » परियोजना कार्यान्वयनका लागि कृषि सहकारी, समूह र कृषि उद्यमीहरूको अभिमुखीकरण तथा क्षमता विकास गर्ने । |
| | » जोन सञ्चालनको लागि उपभोक्ताहरूको सहयोगमा आन्तरिक व्यवस्थापन विधि (Code of Conduct) तयार गरी लागु गर्ने । |
| | » सम्बन्धित वालीको कृषि विकास केन्द्रका रूपमा कार्य गर्ने वाली विशेषको पकेट, ब्लक, जोन/ सुपरजोनसँगको अनुसन्धान प्रसार सेवा र कृषि शिक्षाको सम्बन्ध (Linkages) र पहुँच (Access) स्थापना गर्ने । |
| | » कार्यक्रम तर्जुमा तथा कार्यान्वयनसँग सम्बन्धित निकायहरूबीच कार्यमूलक समन्वयको व्यवस्था मिलाउने । |

१.७.२ प्रादेशिक निकायको भूमिका

| निकाय | भूमिका |
|--|---|
| भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजनाको ब्लक सम्भाग अन्तर्गतका क्रियाकलापहरूको कार्यान्वयन जिल्ला स्थित कृषि तथा पशु सेवा क्षेत्र हेर्ने कार्यालय मार्फत गराउने । » भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय र मातहतका सम्बन्धित कार्यालयहरूमा ब्लक कार्यान्वयन एकाइको स्थापना गर्ने/ गराउने । » ब्लक अन्तर्गत समूहिक खेती, सहकारी खेती, करार खेती र चक्कावन्दी खेती प्रवर्द्धन गर्ने नीति कार्यान्वयन गर्ने । » परियोजना व्यवस्थापन एकाई र स्थानीय तहसँग समन्वय र सहयोगमा ब्लकको बार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्ने । » सघनरूपमा दुई आर्थिक बर्षसम्म ब्लक अन्तर्गतका क्रियाकलापहरू संचालन गरी तत् तत् स्थानीय तहमा वा समुदायस्तरमा हस्तान्तरण गर्ने । » हस्तान्तरित ब्लकहरूमा निश्चित अवधिका लागि (follow up) क्रियाकलापहरू संचालन गर्ने । |

| निकाय | भूमिका |
|--|--|
| | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजनाका विषयगत अपेक्षित प्रतिफलहरूको अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्ने । » ब्लक अन्तर्गत सञ्चालित कार्यक्रमको समग्र प्रतिवेदन तयार गरी मासिक, चौमासिक र बार्षिकरूपमा परियोजना व्यवस्थापन एकाईमा प्रतिवेदन गर्ने । |
| प्रदेश परियोजना कार्यान्वयन समन्वय तथा अनुगमन समिति | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजना सञ्चालनमा आवश्यक सहजीकरण गर्ने । » परियोजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन र अनुगमनका लागि निर्देशक समितिको निर्णय कार्यान्वयन गर्न व्यवस्था मिलाउने । » नयाँ ब्लक, जोन र सुपरजोन छनौटको लागि सिफारिस गर्ने » अन्तर निकाय समन्वय गर्ने । » परियोजना संचालमा आइपरेका समस्याहरु समाधानका लागि पहल गर्ने । |
| प्रदेश अन्तर्गतका जिल्ला/डिभिजन कार्यालयहरु (कृषि विकास, पशुपन्थी तथा मत्स्य विकास, उद्योग, वन, सिंचाइ, तालिम तथा फार्म केन्द्र) | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजनाको सहयोगी निकायको रूपमा कार्य गर्ने । » परियोजनालाई प्राविधिक पृष्ठपोषण, कार्यमूलक समन्वयको प्रत्याभुत गराउने । » परियोजनाका विषयगत अपेक्षित प्रतिफलहरूको अनुगमन मूल्यांकन गर्ने । » परियोजना कार्यान्वयनमा देखिएका विषयगत समस्याहरु समाधानमा पहलकदमी लिने र समाधान हुन नसकेका समस्याहरु सम्बन्धित विभाग मार्फत परियोजना व्यवस्थापन एकाईमा प्रतिवेदन गर्ने । » परियोजना कार्यान्वयन, समन्वय र अनुगमन मूल्यांकनका लागि फोकल अधिकृतको व्यवस्था गरी आवश्यक सहयोगी जनशक्तीको व्यवस्थापन गर्ने । » परियोजनाको विषयगत प्रगति तयार गरी परियोजना व्यवस्थापन एकाई र सम्बन्धित निकायमा पठाउने । |
| ब्लक एकाई | <ul style="list-style-type: none"> » ब्लक एकाई सम्बन्धित जिल्लाको कृषि तथा पशु सेवा क्षेत्र हेने कार्यालयमा रहने छ । |

| निकाय | भूमिका |
|-------|---|
| | <ul style="list-style-type: none"> » प्रत्येक जिल्लामा तोकिएको अधिकृत ब्लक एकाईको फोकल अधिकृत रहनेछन् । |
| | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजना कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको समग्र जिम्मेवारी जिल्ला स्थित कृषि तथा पशु सेवा क्षेत्र हेर्ने कार्यालय प्रमुखमा रहनेछ र सरोकारवाला निकायका जिल्लास्थित कार्यालयहरूले सहजीकरण र समन्वयकारी कार्य गर्नेछन् । |
| | <ul style="list-style-type: none"> » तोकिएका वाली/वस्तु विशेषका ब्लकलाई स्व-सञ्चालन (Self-Sustaining) उन्मुख हुने गरी प्रदेश सरकारको जिल्ला स्थित कृषि तथा पशु सेवा क्षेत्र हेर्ने कार्यालयबाट २ आर्थिक बर्षसम्म सघन रूपमा सामूहिक खेती/सहकारी खेती, करार खेती र चक्कलावन्दी खेती प्रवर्द्धन गर्ने कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । |
| | <ul style="list-style-type: none"> » दुई आर्थिक वर्षसम्म संचालन भएको ब्लक विकास कार्यक्रमको परिपक्कता, जोन विकास कार्यक्रममा स्तरोन्नती वा हाल सञ्चालित जोनमा समाहित हुन सक्ने आधार लगायतका विषयहरु समावेश गरी प्रदेश सरकारको अपनत्व ग्रहण गरी निरन्तरता वा स्थानीय तह वा समुदायस्तरमा हस्तान्तरणको लागि प्रतिवेदन गर्ने । |
| | <ul style="list-style-type: none"> » सञ्चालित ब्लकको प्रोफाइल तयार गर्ने । |

१.७.३ स्थानीय तहको भूमिका

| निकाय | भूमिका |
|---|---|
| जिल्ला परियोजना कार्यान्वयन समन्वय तथा अनुगमन समिति | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजना सञ्चालनमा सहजीकरण गर्ने । |
| | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजनाका विभिन्न सम्भागहरूमा तोकिएका कार्यक्रमहरूमा समन्वय तथा अनुगमन गर्ने । |
| | <ul style="list-style-type: none"> » अन्तर निकाय समन्वय गर्ने । |
| | <ul style="list-style-type: none"> » ब्लक क्षेत्र निर्धारण र जोन क्षेत्र विस्तारको लागि सिफारिस गर्ने । |
| | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजना सञ्चालनमा आइपरेका समस्याहरु समाधानका लागि पहल गर्ने । |
| स्थानीय तह | <ul style="list-style-type: none"> » तोकिएको पकेट विकास कार्यक्रम संचालन गर्ने । |

| निकाय | भूमिका |
|-----------|--|
| | <ul style="list-style-type: none"> » परियोजनाका विभिन्न सम्भागहरुमा तोकिएका कार्यक्रमहरुमा समन्वय, सहयोग र सहकार्य गर्ने । » परियोजना अन्तर्गत संचालन हुने पकेट/ब्लक/जोन/सुपरजोनको बार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमाको लागि सुझाव दिने । » कृषक समूह/सहकारीहरुलाई अनुगमन तथा सहजीकरण गर्ने । » परियोजनाका विषयगत अपेक्षित प्रतिफलहरुको अनुगमन गर्ने । » परियोजना कार्यान्वयनमा देखिएका समस्याहरु समाधानमा सहजीकरण गर्ने । |
| पकेट एकाई | <ul style="list-style-type: none"> » स्थानीय तहको कृषि/पशु सेवा शाखाको प्राविधिक कर्मचारीलाई पकेट एकाईको सम्पर्क व्यक्तिको रूपमा परिचालन गर्ने । » जनशक्ती व्यवस्थापन र पकेट अन्तर्गतका क्रियाकलापहरु कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको समग्र जिम्मेवारी बहन गर्ने । » तोकिएका बाली/वस्तु विशेषका पकेटलाई स्व-संचालन (Self-Sustaining) उन्मुख हुने गरी दुई आर्थिक बर्षसम्म सघन रूपमा सामूहिक खेती/सहकारी खेती/करार खेती र चक्कलाबन्दी खेती कार्यक्रम संचालन गर्ने । » पकेट क्षेत्रको विकास एवं निरन्तरताको लागि अनुशरण (follow up) कार्यक्रममार्फत सम्बन्धित बालिको ब्लकसंग सम्पर्क स्थापित गर्ने » परियोजनाको विषयगत प्रगति तयार गरी परियोजना कार्यान्वयन एकाई र जिल्लास्थित कृषि/पशु सेवा क्षेत्र हेतै कार्यालयमा प्रेषित गर्ने । » सञ्चालित पकेटको प्रोफाइल तयार गर्ने । |

१.८ परियोजनाले पहिचान गरेका राष्ट्रिय प्राथमिकताका बाली वस्तु

आधारभूत खाद्यान्मा आत्मनिर्भर हुने, पोषण सुरक्षामा टेवा पुन्याउने, आयात प्रतिस्थापन गर्ने बाली वस्तु र तुलनात्मक लाभ भएका निर्यात गर्न सकिने केही बाली वस्तुलाई राष्ट्रिय प्राथमिकताको बाली वस्तुका रूपमा पहिचान भएका छन् । परियोजनाका संभागहरु: पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोन सञ्चालन गर्दा यी बाली वस्तुहरुमा मात्र सञ्चालन गरिने भनिएको छ । परियोजना अन्तर्गत सञ्चालित पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोनमा भौगोलिक सम्भाव्यता तथा राष्ट्रिय महत्वका तपसिल बमोजिमका बाली/वस्तुहरु छनौट गरिनेछ ।

तपसिलः

- | | | |
|------------|--------------------------|------------------------------|
| १) धान | ७) स्याउ | १३) निर्यात प्रवर्द्धन |
| २) मकै | ८) आँप | बाली (अलैची, अदुवा/बेसार) |
| ३) गहुँ | ९) केरा | |
| ४) तरकारी | १०) दुध (गाई, भैसी) | १४) दलहन/तेलहन बाली |
| ५) आलु | ११) माछा | १५) मौरी |
| ६) सुन्तला | १२) मासु (बाख्ता, बंगुर) | |

नोटः परियोजनाका संभागहरु सञ्चालन गर्दा यी बाली वस्तुलाई प्राथमिकतामा राखी सञ्चालन गरिनेछ । पकेट/ब्लक सञ्चालन गर्दा यी बालीका साथै स्थानीय महत्वका बाली समेत छनौट गर्न सकिनेछ ।

१.९ परियोजनाको सुरुवातदेशि हालसमर्ज्ञा परियोजनाका विभिन्न संभागहरु संचालनमा संलग्न निकायहरु

| आर्थिक वर्ष | सुपरजोन | जोन | ब्लक | पकेट |
|-------------------------|----------------------------------|---------------|--|----------------------|
| २०७३/७४ | सुपरजोन इकाई (७) | जोन इकाई (३०) | | जि.कृ.वि.का. (७५) |
| २०७४/७५ | सुपरजोन इकाई (९) | जोन इकाई (४२) | | स्थानीय तह |
| २०७५/७६ | सुपरजोन इकाई (१४) | जोन इकाई (६९) | | कृषि ज्ञान केन्द्र |
| २०७६/७७ | परियोजना कार्यन्वयन इकाई (७५) | | प्रदेश मातहत कृषि र पशु सेवा क्षेत्र हेर्ने कार्यालय | |
| २०७७/७८ देखि २०७९/८० | परियोजना कार्यन्वयन इकाई (५१+७) | | प्रदेश मातहतका कृषि र पशु सेवा क्षेत्र हेर्ने कार्यालय | स्थानीय तह |
| चालु आर्थिक वर्ष | | | | |
| २०८०/८१ | परियोजना कार्यन्वयन इकाई (५८-१०) | | प्रदेश मातहतका कृषि र पशु सेवा क्षेत्र हेर्ने कार्यालय | स्थानीय तह |

**परियोजना कार्यान्वयन
एकाइकास्की सम्बन्धि जानकारी**

खण्ड-२

२.१ परिचय

कृषि क्षेत्रको समग्र आधुनिकीकरणको प्रकृयालाई तिब्र पार्ने र बाह्य परिवेशसंग सामन्यजस्यता ल्याउन आधुनिक कृषिका विभिन्न आयामहरूलाई समावेश गरी आधुनिकरणको प्रकृयाको थालनी गर्ने १० वर्षे प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना आ.व. २०७३/७४ देखि संचालन हुँदै आएको छ। जसअनुसार कास्कीमा आ.व. २०७३/७४ देखि तरकारी बालिमा बृहत व्यवसायिक कृषि उत्पादन तथा औद्योगिक केन्द्र (सुपरजोन) विकास कार्यक्रम संचालन हुँदै आएको छ। साविक पोखरा उप-महानगरपालिका र लेखनाथ नगरपालिकाको पोखरा, हेम्जा, लेखनाथ, भरतपोखरी, निर्मलपोखरी रहेकोमा हाल पोखरा महानगरपालिकाको ३३वटै बडाहरु राखि कार्यक्षेत्र कायम गरिएको र आ.व. २०७८/७९ देखि कार्यक्षेत्र विस्तार भई रुपा गाउँपालिकाको वडा नं ५, ६ र ७, मादी गाउँपालिकाको वडा नं ५, १२ र ७, अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको वडा नं १, २, ३ र ६ र माछापुच्छे गाउँपालिकाका वडा नं २, ३ र ४ पनि कायम भई तरकारी सुपरजोन संचालनमा रहेको छ।

परियोजनाको अर्को सम्भाग अन्तर्गत अलैची जोन २०७८/७९ देखि पोखरा महानगरपालिकाको वडा नं १६ र १९, मादी गाउँपालिकाको वडा नं १, २, ३, ८, १० र ११, अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको वडा नं १, ३, ४, ७, १० र ११ र माछापुच्छे गाउँपालिकाका वडा नं २, ६, ७, ८ र ९ कार्यक्षेत्र बनाई संचालनमा रहेको छ।

त्यस्तै २०८० साल चैत्र १२ गतेको प्रादेशिक कृषि समन्वय समितिको बैठकको निर्णय अनुसार तरकारी सुपरजोन र अलैची जोन अन्तर्गत तपसिल बमोजिमका स्थानीय तहहरूमा कार्यक्षेत्र विस्तार गरिएको छ।

| प.का.ए., कास्की | | तरकारी सुपरजोन अन्तर्गत कार्यक्षेत्र | | अलैची जोन अन्तर्गत कार्यक्षेत्र | |
|-----------------|-----------------------|--------------------------------------|----------------------------|---------------------------------|----------------------------|
| क्र. सं. | स्थानीय तह | हाल कार्यक्रम सञ्चालित वडाहरु | क्षेत्रविस्तार हुने वडाहरु | हाल कार्यक्रम सञ्चालित वडाहरु | क्षेत्रविस्तार हुने वडाहरु |
| १ | अन्नपूर्ण गाउँपालिका | १, २, ३, ६ | ४, ५, ८, ९, १० | १, ३, ४, ७, १०, ११ | २, ५, ८ र ९ |
| २ | माछापुच्छे गाउँपालिका | २, ३, ४ | ६, ७ | २, ६, ७, ८, ९ | ५ |
| ३ | रुपा गाउँपालिका | ५, ६, ७ | १, २, ३ र ४ | | २, ५, ६, ७ |
| ४ | मादी गाउँपालिका | ५, ७, १२ | ४, ९, १०, ११ | १, २, ३, ८, १०, ११ | |
| ५ | पोखरा महानगरपालिका | सबै वडा | | १६, १९ | |

त्यसैगरी आ.व. २०७७/७८ देखि यस परियोजना कार्यान्वयन इकाईले गण्डकी प्रदेश अन्तर्गतका परियोजना कार्यान्वयन एकाइहरूको समन्वय एकाइको जिम्मेवारी पनि पाएको छ।

आ.व. २०८०/८१ मा गण्डकी प्रदेश अन्तर्गत संचालनमा आएका परियोजना कार्यान्वयन एकाइहरू

| सि. नं. | परियोजना कार्यान्वयन एकाइ | कार्यक्रमको जिल्ला रहेको | वाली / वस्तु | प्रश्नालिट फलफुल जीत / फैसला | सुरुवात वर्ष | आ.व. २०७८/७९मा थप भएका जोन | |
|---------|---|-----------------------------|---------------------|------------------------------------|-------------------------|-------------------------------|--------------------|
| | | | | | | संख्या | बाली / वस्तु |
| १ | परियोजना कार्यान्वयन एकाइ, गोरखा | गोरखा | सुन्तलाजात | जोन | २०७४/७५ (हाल अनुसरण) | १ | आलु |
| | | | फलफुल | जोन | २०७६/७७ | | |
| | | तनहुँ | धान | जोन | २०७५/७६ | १ | धान |
| २ | परियोजना कार्यान्वयन एकाइ, लमजुङ | लमजुङ | अलैंची | जोन | २०७४/७५ (हाल अनुसरण) | २ | मौरी, तरकारी |
| | | मनाड | स्याउ | जोन | २०७५/७६ (हाल अनुसरण) | १ | आलु |
| ३ | परियोजना कार्यान्वयन एकाइ, स्याइजा | स्याइजा | सुन्तलाजात फलफुल | सुपरजोन | २०७५/७६ | २ | भैंसी, आँप/लिची |
| | | | मसलावाली | जोन | २०७६/७७ (हाल अनुसरण) | | |
| ४ | परियोजना कार्यान्वयन एकाइ, कास्की | कास्की | तरकारी | सुपरजोन | २०७३/७४ | १ | अलैंची |
| ५ | परियोजना कार्यान्वयन एकाइ, म्याग्दी | मुस्ताङ | स्याउ | जोन | २०७५/७६ (हाल अनुसरण) | १ | च्यांग्रा |
| | | म्याग्दी | सुन्तलाजात फलफुल | जोन | २०७५/७६ (हाल अनुसरण) | १ | आलु |
| | | | बांगुर | जोन | २०७६/७७ | | |
| ६ | परियोजना कार्यान्वयन एकाइ, बागलुङ | पर्वत | मकै/मकै वीउ | जोन | २०७३/७४ (हाल अनुसरण) | १ | तरकारी |
| | | | धान | जोन | २०७६/७७ | | |
| | | बागलुङ | आलु | जोन | २०७५/७६ (हाल अनुसरण) | १ | बाख्ता |
| ७ | परियोजना कार्यान्वयन एकाइ, नवलपरासी पूर्व | नवलपरासी पूर्व | सुन्तलाजात फलफुल | जोन | २०७३/७४ | | |
| | | | तरकारी | जोन | २०७६/७७ | | |
| | | | | १६ | जम्मा | १२ | |

२.२ उपलब्ध हुने सेवा सुविधाहरु

तोकिएका पकेट, ब्लक, जोन र सुपर जोनमा सञ्चालन हुने क्रियाकलापहरुका लागि नेपाल सरकारले तोकि दिएको अवस्थामा बाहेक बढीमा देहाय अनुसार सेवा सुविधाहरु उपलब्ध गराइने छ ।

| क्र.स. | विवरण | सुविधा |
|--------|---|-------------|
| १ | कृषि उत्पादन सामग्रीहरु (बीउ, बेर्ना, बिरुवा, माछा भुरा पशु नश्ल लगायत) | ५० प्रतिशत |
| २ | प्राविधिक सहयोग | १०० प्रतिशत |
| ३ | प्रयोगशाला सेवाहरु | ८५ प्रतिशत |
| ४ | कृषि औजार तथा उपकरणहरु | ५० प्रतिशत |
| ५ | साना सिंचाइ पूर्वाधारहरु | ८५ प्रतिशत |
| ६ | उत्पादनोपरान्त तथा कृषि व्यवसाय सेवा पूर्वाधारहरु | ८५ प्रतिशत |

खण्ड-३

पकेट विकास कार्यक्रम
कार्यान्वयन प्रक्रिया

३.१ नेपाल सरकार, मन्त्रिपरिषद्को मिति २०७३/०९/२६ को निर्णय अनुसार स्वीकृत भएको प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना दस्तावेज अनुसार पकेट विकास कार्यक्रम संचालन प्रक्रिया

१. पृष्ठभूमि

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना अन्तर्गतका ४ वटा सम्भागहरूमध्ये साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनका सन्दर्भमा परियोजना दस्तावेजमा उल्लेख भएको व्यवस्था बमोजिम नेपाल सरकारले साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रम संचालन कार्यविधि- २०७३ तयार गरी लागू गरेको छ ।

२. परिभाषा

“पकेट” भन्नाले राष्ट्रिय आवश्यकता र स्थानिय सम्भाव्यताका आधारमा तोकिएको बाली/वस्तुमा न्यूनतम १० हेक्टरमा वा मौरीको हकमा न्यूनतम ५०० आधुनिक घरमा मौरीपालन गर्ने र कन्ये तथा गोब्रे च्याउको हकमा न्यूनतम १००० के.जी. वीउ उपयोग गरी खेती गरिने वा शिताके च्याउको हकमा न्यूनतम १०००० मुढामा खेती गरिने वा प्लाष्टिक घरमा गरिने खेतीको हकमा कम्तिमा १ हेक्टर क्षेत्रफलमा फैलाइको प्लाष्टिक घरहरू भएको वा माछापालनको हकमा न्यूनतम ६ हेक्टर जलाशय क्षेत्रफलमा फैलाइको वा ट्राउट माछाको हकमा न्यूनतम १५०० वर्ग मिटर जलाशय क्षेत्रफलमा फैलाइको जिल्लास्तरमा संचालन गरेको साना व्यवसायिक उत्पादन केन्द्र सम्भन्नु पर्दछ ।

| बाली | क्षेत्रफल | | | कैफियत |
|----------------------|---------------|---------------|---------------|--------------|
| | उच्च पहाड | मध्य पहाड | तराई | |
| खाद्यान्न बाली | ५ रोपनी | ५ रोपनी | १० कड्डा | |
| तरकारी बाली | २ रोपनी | ३ रोपनी | १० कड्डा | |
| माछा | १०० वर्ग मिटर | २ रोपनी | ६ कड्डा | जलाशाय |
| मौरी | १० | २० | २० | आधुनिक घर |
| कन्ये र गोब्रे च्याउ | | १० के.जी. | १० के.जी. | वीउको प्रयोग |
| सिताके च्याउ | ५०० मुढा | ५०० मुढा | ५०० मुढा | |
| फलफुल | १ रोपनी | १ रोपनी | ५ कड्डा | |
| अलैची | ५ रोपनी | ५ रोपनी | - | |
| अदुवा/वेसार | १ रोपनी | २ रोपनी | ५ कड्डा | |
| ट्राउट माछा | १०० वर्ग मिटर | १०० वर्ग मिटर | | |
| प्लाष्टिक घर | ३०० वर्ग मिटर | ३०० वर्ग मिटर | ३०० वर्ग मिटर | |

३. उद्देश्य

कृषि क्षेत्रको आधुनिकीकरणमा योगदान पुर्याउने साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट)हरु विकास गरी छनौट गरिएको बाली/वस्तुहरुको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि तथा रोजगारी श्रृजना गरी कृषकहरुको आम्दानी वृद्धि गर्नु यस कार्यक्रम संचालनको उद्देश्य रहेको छ ।

४. पकेट निर्माण / छनौट प्रक्रिया

४.१ पकेट क्षेत्र निर्माणका लागि देहायका सेवा/सुविधा/पूर्वाधारहरु भएको हुनुपर्नेछ-

क) सडकको पहुँच भएको वा हुनसक्ने ।

ख) सिंचाईको उपलब्धता भएको वा हुनसक्ने ।

ग) विद्युतको उपलब्धता भएको वा हुन सक्ने ।

घ) तोकिएको क्षेत्रफल चक्काबन्दी भएको/हुनसक्ने वा एउटै कोरिडोरमा रहेको ।

ड) वित्तीय संस्थाहरुको पहुँच भएको वा हुनसक्ने ।

च) कृषि सेवा केन्द्रसँगको पहुँच भएको ।

४.२ यस परियोजना अन्तर्गत प्रथम वर्ष अर्थात आ.व. २०७३/७४ का लागि देशका सबै ७५ जिल्लाहरुमामाथि उल्लेखित पूर्वाधारहरु भएको कुल २१०० पकेटहरु संचालनमा रहनेछन् । आगामी बर्षहरुमा सम्भाव्यता र मागका आधारमा पकेट संख्या वृद्धि गर्दै लाग्ने छ ।

४.३ जिल्लाको प्राथमिकता प्राप्त बालीमा संचालनमा रहेको/रहने व्लक/जोन/सुपर-जोनका बाली/वस्तुमा उक्त जिल्लामा लक्षित कुल पकेट संख्याको कम्तीमा ५० प्रतिशत र जिल्लाको आवश्यकता र सम्भाव्यताका आधारमा अन्य बाली/वस्तुमा बाँकी ५० प्रतिशत पकेटहरु सम्बन्धित जिल्ला कृषि विकास कार्यालयहरु मार्फत संचालन गरिनेछ ।

४.४ दफा ४.३ बमोजिम पकेट निर्माण गर्दा भौगोलिक तथा प्राविधिक सम्भाव्यता र माटोको उर्वराशक्तिका आधारमा प्रत्येक जिल्लामा तोकिएका बाली/वस्तुका पकेटहरु निर्माण गर्न चाहने कृषक समूह/कृषि कार्यमा संलग्न सहकारी/कृषि उद्यमीहरु/जल उपभोक्ता समितीकोआवेदन माग गरी सूची तयार गरिनेछ । सूचीकृतहरु मध्येबाट आवश्यक संख्यामा पकेट छनौटका लागि जिल्लास्तरमा सम्बन्धित विषय विशेषज्ञ वा तोकिएको प्राविधिकको संयोजकत्वमा आवश्यकतानुसार सदस्यहरु रहने एक प्राविधिक कार्यदल बनाइनेछ । उक्त कार्यदलले तोकेका सूचकहरु र स्थलगत प्रमाणिकरण समेतका आधारमा सिफारिश गरे अनुरूप पकेट क्षेत्रको छनौट सम्बन्धित जिल्ला कृषि विकास कार्यालयले गर्नेछ । यसरी पकेट क्षेत्र संचालन गर्न छानिएका कृषक समूह/सहकारी/कृषि उद्यमी/जल उपभोक्ता समितिहरुको प्रतिनिधित्व रहने दफा ५.१ अनुसारको पकेट सञ्चालक समिति र सम्बन्धित जिल्ला कृषि विकास कार्यालयकावीच तोकिएका कार्यक्रमहरु संचालनका लागि एक सम्झौता हुनेछ ।

समिति गठन गर्दा आवश्यकताका आधारमा एक भन्दा बढी समूह/कृषि सहकारी/उद्यमी/जल उपभोक्ता समितिहरुको समेत प्रतिनिधित्व रहने व्यवस्था गर्न सकिनेछ । संचालन गरिने कार्यक्रमका सम्बन्धमा सम्बन्धित सेवा केन्द्रको समन्वयमा सम्बन्धित पकेट संचालक समितिले सम्बन्धित पकेट क्षेत्रका कृषक/कृषक समूह/कृषि सहकारी/जलउपभोक्ता समिती/कृषी उद्यमीहरुको मागमा आधारित कार्यक्रमहरुको प्रस्तावना तयार गरी सोही बमोजिम सम्झौता गरिनेछ ।

५. पकेट सञ्चालन प्रक्रिया

५.१ पकेट संचालनका सम्बन्धमा सम्बन्धित जिल्ला कृषि विकास कार्यालयसंग भएको सम्झौता बमोजिमका कार्यहरु संचालन गर्ने सम्बन्धमा खण्ड ४ बमोजिम स्थापना भएको पकेट क्षेत्रको व्यवस्थापनका लागि सम्बन्धित कृषक समूह/सहकारी/कृषिउद्यमी/जल उपभोक्ता समितिहरुको प्रतिनिधित्व रहने गरी कमितिमा ३३ प्रतिशत महिला सहितको ९ सदस्यीय पकेट संचालक समिति गठन गरिनेछ । यसको लागि पकेट क्षेत्र छनौट भएपछी पकेट भित्र रहेका कृषक समूह/सहकारी/कृषी उद्यमी/जल उपभोक्ता समितिहरुलाई पकेट संचालक समिति गठनको लागि ७ दिनको म्याद सहित पत्राचार मार्फत वा अन्य स्थानीय संचार माध्यम मार्फत आव्हान गरिनेछ । कार्यदलको शिफारिस अनुसार एक भन्दा बढी आवेदकहरुलाई संयुक्त रूपमा समिति गठनको लागि समेत अनुरोध गर्न सकिने छ । तोकिएको अवधिमा समिति गठन भई नआएमा जि.कृ.वि.का.ले सहजिकरण गरी १५ दिन भित्र समिति निर्माण गर्न सक्नेछ । समितिको सदस्यहरु सम्बन्धित बाली/वस्तुको व्यवसायिक खेतीमा अनिवार्य संलग्न भएको हुनुपर्नेछ । उक्त समितिमा संयोजक, उपसंयोजक, सचिव र सहसचिव एक-एक जना र बाँकी ५ जना सदस्य रहनेछन् । पकेट संचालक समितिको प्रमुख कार्यकारी पदहरुमा कमितिमा १ जना महिला हुनु पर्नेछ । कृषि विकास रणनीति (ADS)ले परिकल्पना गरे बमोजिमको सामूदायिक कृषि प्रसार सेवाकेन्द्र (CAESC) प्रमुख वा उक्त सेवाकेन्द्र गठन नहुन्जेल सम्मका लागि सम्बन्धित कृषि सेवाकेन्द्र प्रमुख समितिको पदेन सदस्यको रूपमा रहनेछ । नेपाल सरकारको श्रोतवाट संचालन गरिने कार्यक्रमको प्रस्तावना तयार गर्दा र कार्य सम्पादन प्रतिवेदन तयार गर्दा निजको सहमती अनिवार्य रहनेछ । स्थानीयस्तरको सम्बन्धित सरोकारवाला निकायहरुको प्रतिनिधी समितिको सल्लाहाकारका रूपमा रहने छन् । कानुन बमोजिम दर्ता भएका कृषि उद्यमी, कम्पनी वा फर्मको हकमा सोही कृषि उद्यमी, कम्पनी वा फर्मका संचालक नै पकेट संचालक समितिको भूमिका निर्वाह गर्नेछन् । यस्तो अवस्थामा कृषि सेवा केन्द्र प्रमुख उक्त सञ्चालक समितिको सल्लाहाकारको रूपमा रहने छ र नेपाल सरकारको श्रोतवाट संचालन गरिने कार्यक्रमको प्रस्तावना तयार गर्दा र कार्य सम्पन्न प्रतिवेदन पेश गर्दा निजको सहमती अनिवार्य रहनेछ ।

५.२ पकेट संचालक समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार देहाय बमोजिम हुनेछ-

- » जिल्ला कृषि विकास कार्यालयको समन्वयमा आवश्यक उत्पादन सामग्रीहरुको व्यवस्थापन गर्ने ।
- » पकेट क्षेत्रमा संचालन गरिने कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने र आवश्यक समन्वय गर्ने ।

- » पकेटलाई व्यवस्थित रूपमा संचालनका लागि आधार तयार गर्ने, संलग्न कृषक समूह/सहकारी/जल उपभोक्ता समूह/कृषि उद्यमीहरु लगायतसंग निरन्तर सम्बाद र सहकार्य गर्ने ।
- » मासिक रूपमा कृषि सेवा केन्द्र मार्फत जिल्ला कृषि विकास कार्यालयमा प्रगति प्रतिवेदन गर्ने ।
- » पकेट निर्माण, व्यवस्थापन, संचालन र अनुगमनका सम्बन्धमा अन्य सबै आवश्यक कार्यहरु गर्ने ।
- » संचालक समितिको बैठक कमितमा महिनाको १ पटक अनिवार्य रूपमा र आवश्यकतानुसार अन्य समयमा समेत बस्न सक्नेछ । बैठकमा समिति बाहिरका सम्बन्धित प्रतिनिधिलाई आवश्यकता अनुसार आमन्त्रित गर्न सकिनेछ ।
- » पकेट संचालन सम्बन्ध आन्तरिक आचारसंहिता (code of conduct) आवश्यक भएमा तयार गरी पालना गर्ने गराउने ।
- » मासिक रूपमा कृषि सेवा केन्द्र/जिल्ला कृषि विकास कार्यालयमा प्रगति प्रतिवेदन गर्ने ।
- » कार्यक्रमको दिगोपनाको लागि समितिको अवधी र समितिका पदाधिकारी तथा सदस्यहरुको पदावधी समितिले आवश्यकता अनुसार निर्धारण गर्नेछ । तर समितिका पदाधिकारी र सदस्यहरुको पदावधी २ बर्षभन्दा बढी हुने छैन । समितिले आवश्यक विनियम तयार गरी सोही वर्मोजिम समितिका पदाधिकारी तथा सदस्यहरुको चयन गर्नेछ । समितिमा एकै परिवारवाट एक भन्दा बढी व्यक्ति रहन सक्ने छैन र एकै व्यक्ती लगातार एक कार्यकाल भन्दा बढी एकै पदमा रहन सक्ने छैन । तर सदस्यको हकमा यो व्यवस्था लागु हुने छैन ।
- » समिति गठन भएको ६ महिना भित्र उक्त समिति जिल्ला कृषि विकास कार्यालयमा निर्धारित प्रक्रृया अनुरूप दर्ता हुनु पर्नेछ । उक्त समितिको नियमित नविकरण गर्ने जिम्मेवारी समितिको हुनेछ ।
- » पकेट स्तरमा संचालन हुने सम्पूर्ण क्रियाकलाप र आर्थिक कारोबार प्रचलित कानुन वर्मोजिम व्यवस्थापन गर्ने तथा जिम्मेवारी वहन गर्ने ।
- » पकेट क्षेत्रमा उत्पादित वस्तुको मूल्य निर्धारण, वजारिकरण, प्रशोधन लगायतका क्रियाकलापहरुको मापदण्ड निर्धारण गरी व्यवस्थित गर्ने ।
- » पकेट क्षेत्रमा आवश्यक अन्य व्यवस्थापकीय कार्यहरु गर्ने ।

६. सञ्चालन गरिने कार्यक्रम

६.१ जिल्लास्तर र पकेटस्तरमा परियोजना अभियुक्तीकरण

सम्बन्धित जिल्ला कृषि विकास कार्यालयले पकेट क्षेत्रका कृषक, कृषक समूह/कृषि सहकारी/जल उपभोक्ता समूह/कृषि उद्यमी, कृषि उपज वजार व्यवस्थापन समिति, नीजि सेवा प्रदायक लगायत अन्य सरोकारवाला निकायहरुको उपस्थितीमा परियोजना र पकेट संचालन सम्बन्धमा जिल्लास्तरमा र सम्बन्धित पकेटस्तरमा अभियुक्तीकरण कार्यक्रम संचालन गर्नेछ ।

६.२ चालु तथा पूँजीगत अनुदान कार्यक्रमहरू

६.२.१ चालु अनुदान

क) उत्पादन प्रविधि प्रदर्शन

सम्वन्धित जिल्ला कृषि विकास कार्यालयले सम्बन्धित पकेट क्षेत्रमा सहभागितात्मक नविन उत्पादन प्रविधि प्रदर्शन तथा स्थलगत तालिम लगायतका प्रविधि हस्तान्तरणका कार्यक्रम संचालन गर्नेछ । प्रविधि हस्तान्तरणमा सतप्रतिशत अनुदान रहनेछ ।

ख) उत्पादन सामग्री सहयोग

सम्बन्धित जिल्ला कृषि विकास कार्यालयले सम्बन्धित पकेट क्षेत्रका लागि उन्नत वीउ/वेर्ना/विरुवा/माछा भुरा/रसायनिक एवं जैविक विषादी/रासायनिक तथा प्राङ्गारिक मलजस्ता उत्पादन सामग्री सहयोग गर्नेछ । उपरोक्त वमोजिमका उत्पादन सामग्रीहरूमा नेपाल सरकारको तर्फबाट ५० प्रतिशत अनुदान सहयोग हुनेछ भने रसायनिक तथा प्राङ्गारिक मलको हकमा विद्यमान व्यवस्था वमोजिमको अनुदान सहयोग रहनेछ ।

ग) अन्य कार्यक्रमहरू

यसका अलावा पकेट संचालक समितिको माग र स्थानीय संभाव्यताका आधारमा परियोजना दस्तावेजको मर्म अनुरूपका अन्य चालु खर्च अन्तर्गतका कार्यक्रमहरू समेत तर्जुमा गरी संचालन गरिनेछ । जमिन बाँझो राख्ने प्रवृत्तीलाई निरुत्साहित गर्ने प्रोत्साहन गर्ने किसिमका कार्यक्रमहरू तर्जुमा गरी संचालन गरिने छ । परियोजना दस्तावेजमा स्वेच्छक रूपमा जमिनको एकिकरण गर्ने अवधारणा अवलम्बन गरिएको सन्दर्भमा बार्षिक वजेट तथा कार्यक्रममा उल्लेख गरी जमिनको एकिकरणको लागि उत्प्रेरित गर्ने अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।

६.२.२ पूँजीगत अनुदान

पूँजीगत अनुदान वापत प्रत्येक पकेटका लागि निश्चित बजेट विनियोजन गरिनेछ । बिनियोजित बजेटको परिधिभित्र रही पूँजीगत आवश्यकताका क्षेत्रहरू जस्तै मेशिनरी औजार, सिंचाइ पूर्वाधार निर्माण तथा मर्मत सम्भार, प्रारम्भिक प्रशोधन पूर्वाधारहरू (Threshing floor, storage house, collection center) लगायतका पूर्वाधार विकासमा खर्च गर्न सकिनेछ । यस्ता प्रकृतीका पूँजिगत कार्यक्रमहरू संचालन गर्दा मेशिनरी औजारको लागि बढीमा ५० प्रतिशत, प्रयोगशाला सेवाहरूमा बढीमा ८५ प्रतिशत, साना सिंचाई पूर्वाधारमा बढीमा ८५ प्रतिशत र उत्पादनोपरान्त तथा कृषि व्यवसाय सेवा पूर्वाधारहरूमा बढीमा ८५ प्रतिशत नेपाल सरकारको तर्फबाट अनुदान उपलब्ध गराउन सकिनेछ ।

७. कार्यक्रम अनुगमन / प्रतिवेदन

७.१ जिल्लाभित्र रहेका पकेट क्षेत्रहरूमा संचालित कार्यक्रमको अनुगमन सम्बन्धितकृषि सेवा केन्द्र, जिल्ला कृषि विकास कार्यालय तथा जिल्ला कृषि विकास समितिले गर्नेछ ।

७.२ विषयगत निर्देशनालयहरूले आ-आफ्नो कार्यक्षेत्रभित्रका बाली/वस्तुका पकेटहरूको र सम्बन्धित क्षेत्रीय कृषि निर्देशनालयहरूले आवश्यकता अनुसार क्षेत्रीयस्तरका प्रयोगशाला, फार्मकेन्ड्रहरू समेत संलग्न गराई आफ्नो अन्तरगतका जिल्लाहरूका पकेटहरूको अनुगमन निरिक्षण गरी पृष्ठपोषण सहित कृषि विभाग मार्फत परियोजना व्यवस्थापन इकाइमा प्रतिवेदन/सुभाव दिनेछन् ।

७.३ मासिक, चौमासिक र बार्षिक रूपमा तोकिएको फर्मेट बमोजिमको पकेट क्षेत्रहरूमा संचालित कार्यक्रमहरूको प्रगति विवरण सम्बन्धित जिल्ला कृषि विकास कार्यालयले परियोजना व्यवस्थापन इकाइ समक्ष पेश गर्नेछ । यसको जानकारी सम्बन्धित क्षेत्रीय कृषि निर्देशनालय र कार्यक्रम निर्देशनालयहरूमा उपलब्ध गराउनु पर्नेछ । सम्बन्धित क्षेत्रीय कृषि निर्देशनालयहरूले उक्त निकायहरूको प्रगती कम्पायल गरी कृषि विभागमा उपलब्ध गराउनेछ । चौमासिक र वार्षिक रूपमा पकेट विकास कार्यक्रमको क्षेत्रीय र राष्ट्रिय स्तरमा समिक्षा गरिनेछ ।

d. विविध

८.१ यस कार्यविधिमा उल्लेख भएका वाहेक अन्य कुराहरू विद्यमान नर्मस, कार्यविधि, निर्देशिका, र प्रचलित नियम कानून बमोजिम हुनेछ ।

८.२ आगामी वर्षहरूमा थप हुने पकेट क्षेत्रको संख्या र पकेटमा रहने बाली/वस्तु सम्बन्धी अन्य विषयवस्तुहरू सम्बन्धित जिल्ला कृषि विकास समितिको निर्णय बमोजिम हुनेछ ।

३.२ कृषि तथा पशुपन्थी विकास मन्त्रालय (माननीय विभागीय मन्त्रीस्तर)को मिति २०७७/०८/०९ को निर्णयानुसार स्वीकृत प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना परियोजना कार्यान्वयन रचानुअल अनुसार पकेट संचालन प्रक्रिया साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रमको परिचयः

बाली वस्तु विशेषका लागि तोकिएको न्यूनतम क्षेत्रफल/संख्याको न्यूनतम आधार पुरा गरेका र उत्पादनको प्राथमिक इकाईको रूपमा रहेका व्यवसायिक कृषिको निश्चित क्षेत्रलाई साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) भनिन्छ । पकेटमा कृषि/पशुपन्थी/मत्स्य उत्पादन सामग्रीको व्यवस्था, प्राविधिक सेवा प्रवाह र नवीनतम कृषि प्रविधिको प्रसारबाट कृषि/पशुपन्थी/मत्स्य उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरिनेछ । परियोजना संचालनको प्रथम वर्षमा २१ सय वटा पकेट स्थापना भएका थिए भने परियोजनाको अन्त्यसम्ममा पकेट संख्या १५ हजार पुर्याउने लक्ष्य राखिएको छ । राष्ट्रिय आवश्यकता र स्थानिय सम्भाव्यताका आधारमा एउटै स्थानीय तहको निश्चित कष्टलटरमा साना व्यवसायिक उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रम संचालन गर्नु पर्नेहुन्छ ।

उद्देश्यहरू

» कृषि क्षेत्रको आधुनिकीकरणमा योगदान पुर्याउने साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट)

विकास गर्दै छनौट गरिएको बाली/वस्तुहरुको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने ।

» पकेट क्षेत्रमा कृषि/पशुपन्थी/मत्स्य उत्पादन सामग्री आपूर्ति तथा प्राविधिक सेवा प्रवाह गर्ने ।

पकेट निर्माण

पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्न चाहने कृषक/उद्यमी/समूह/सहकारी/समितिले भौगोलिक तथा प्राविधिक संभाव्यथाको आधारमा सम्बन्धित स्थानीय तहमा निवेदन दिन सकेछन् र प्राप्त निवेदनहरुमा प्राविधिक समितिले अध्ययन गरी पेश गरेको आधारमा पकेट क्षेत्र निर्धारण हुनेछ ।

पकेट कार्यक्रम सञ्चालनका आधारहरू:

पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनका लागि निम्न उल्लेख भए बमोजिम न्यूनतम क्षेत्रफल वा संख्याको आधार पुरा गर्नुपर्नेछ ।

| बाली / वस्तु | इकाई | भौगोलिक क्षेत्र | | | कैफियत |
|----------------------------------|-------------------------|-----------------|-------|-------|--|
| | | तराई | पहाड | हिमाल | |
| खाद्यान्न बाली | हेक्टर | २० | १५ | १० | |
| आलु र तरकारी बाली | हेक्टर | १० | ७ | ५ | |
| दलहन, तेलहन, मसलाबाली, फलफूल आदि | हेक्टर | १० | ७ | ५ | |
| मौरी | घार संख्या | ३०० | ३०० | २०० | |
| कन्य तथा गोब्रे च्याउ | के.जी. | १००० | १००० | १००० | च्याउको बीउ |
| सिताके च्याउ | मुढा संख्या | ५००० | ५००० | ५००० | |
| प्लास्टिक घरमा खेती | वर्ग मिटर | १०००० | १०००० | ६००० | |
| माछा (जलाशय क्षेत्र) | हेक्टर | ६ | ४ | - | |
| ट्राउट माछा (रेसवे) | वर्ग मिटर | | १५०० | १००० | |
| गाई | उन्नत संख्या | १०० | १०० | ६० | दैनिक १००० लिटर दुध संकलन गर्ने कृषक उद्यमी वा समूह सहकारी |
| | स्थानीय/वर्णशंकर संख्या | ३०० | ३०० | २०० | |
| भैंसी | उन्नत संख्या | १०० | ८० | ६० | |

| बाली/वस्तु | इकाई | भौगोलिक क्षेत्र | | | कैफियत |
|------------|-----------------------------|-----------------|------|-------|--------|
| | | तराई | पहाड | हिमाल | |
| | स्थानीय/ वर्णशंकर संख्या | २०० | १५० | १०० | |
| बाख्ता | संख्या | १००० | १००० | ६०० | |
| बंगुर | संख्या | १०० | ८० | ६० | माउ |

सञ्चालन गर्ने निकाय

परियोजना अन्तर्गतको साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने मूळ्य जिम्मेवारी स्थानीय तहको हुनेछ र परियोजना कार्यान्वयन इकाई एवं प्रदेश सरकार अन्तर्गतको कृषि/पशु सेवा क्षेत्र हेर्ने जिल्लास्थित कार्यालयले कार्यक्रम सञ्चालनको सहजीकरण गर्नेछन्।

पकेट क्षेत्र निर्धारण र कार्यक्रम स्कीकृत गर्ने व्यवस्था

- (क) राष्ट्रिय आवश्यकता एवं स्थानीय सम्भाव्यताको आधारमा बाली/वस्तु विशेषको पकेट क्षेत्र सञ्चालन गर्ने ईच्छुक कृषक/कृषक समूह/सहकारी/जल उपभोक्ता समूह/कृषि फर्म/कम्पनीले सम्बन्धित स्थानीय तहमा अनुसूची-१ बमोजिमको ढाँचामा निवेदनको साथ अनुसूची-२ बमोजिमको ढाँचामा तथ्याङ्क विवरण पेश गर्नुपर्नेछ।
- (ख) बाली/वस्तु विशेषको पकेट क्षेत्रको चार किल्ता निर्धारण गर्न देहाय बमोजिमको प्राविधिक समिति रहनेछ।

| | |
|---|------------|
| प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत वा निजले तोकेको व्यक्ति, स्थानीय तह | अध्यक्ष |
| सम्बन्धित स्थानीय तहको योजना अधिकृत वा सो शाखाको कर्मचारी | सदस्य |
| शाखा प्रमुख, कृषि/पशु सेवा शाखा, स्थानीय तह | सदस्य सचिव |

(ग) प्राविधिक समितिले परियोजना कार्यान्वयन इकाई र जिल्लास्थित कृषि/पशु सेवा हेर्ने कार्यालयका प्रमुख वा प्रतिनिधिलाई समितिमा आवश्यकता अनुसार आमन्त्रण गर्न सक्नेछ।

(घ) प्राविधिक समितिले देहायको आधारको अध्ययन गरी पकेट क्षेत्र निर्धारण सम्बन्धी प्रतिवेदन तयार गर्नेछ:-

- (अ) अनुसूची-१ बमोजिमका राष्ट्रिय महत्वका बाली/वस्तु
- (आ) जिल्लामा सञ्चालित जोन वा सुपरजोन अन्तर्गतका बालीमा कम्तिमा ५० प्रतिशत पकेट छनौट हुनुपर्ने
- (इ) स्थानीय स्तरमा रोजगारी सृजना र उत्पादन वृद्धि गर्न सक्ने बाली/वस्तु

- (ई) आयात प्रतिस्थापन/आत्मनिर्भरतामा सहयोग पुन्याउने बाली/वस्तु
- (उ) सिंचाइ, सडक र सेवा प्रदायक संस्था लगायतका आवश्यक पूर्वाधार भएको
- (ऊ) तोकिएको क्षेत्रफल चक्कावन्दी भएको/हुनसक्ने वा एउटै गाउँ/वस्ती/क्लष्टर।
- (ड) प्राविधिक समितिको प्रतिवेदन एवं अनुसूची-८ बमोजिमको मापदण्डहरुको आधारमा स्थानीय तहको कार्यपालिकाले बाली/वस्तु विशेषको पकेट क्षेत्र निर्धारण र पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्न स्वीकृति दिनेछ ।

पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने प्रक्रिया

- (क) स्थानीय तहले सार्वजनिक सूचना प्रकाशन गरी तोकिएको पकेट क्षेत्रका देहायका इच्छुक लक्षित समुदाय/वर्गलाई पकेट कार्यक्रममा सहभागी हुन अनुसूची-९ बमोजिमको ढाँचामा आवेदन आह्वान गर्नेछ:-

 - (अ) स्थायी लेखा नम्बर (PAN) लिएको व्यवसायिक कृषक
 - (आ) स्थानीय तह वा अन्य सरकारी निकायमा नियमानुसार दर्ता भएका कृषक समूह
 - (इ) कृषि कार्य गर्ने उद्देश्य सहित सहकारी ऐन बमोजिम दर्ता भएका सहकारीहरु
 - (ई) नियमानुसार दर्ता भएका जल उपभोक्ता समितिहरु
 - (उ) कानुन बमोजिम दर्ता भएका कृषि फर्म वा कम्पनीहरु

- (ख) पकेट कार्यक्रममा सहभागी हुन इच्छुक लक्षित समुदाय/वर्गले स्थानीय तहले तोकेको बाली/वस्तुमा आधारित रही अनुसूची-१० बमोजिमको ढाँचामा आवेदन पेश गर्नु पर्नेछ ।

कार्यक्रम छनौट तथा कार्यान्वयन व्यवस्था

- (क) तोकिएको पकेट क्षेत्र भित्रबाट पकेट कार्यक्रममा सहभागीताका लागि प्राप्त आवेदनहरुको अनुसूची-११ बमोजिमको मूल्याङ्कनको आधारहरूलाई आवश्यकता अनुसार विस्तृतिकरण गरी प्राविधिक समितिले मूल्याङ्कन गर्नेछ ।
- (ख) प्राविधिक समितिले आवश्यकता अनुसार स्थलगत प्रमाणीकरणको लागि कर्मचारी परिचालन गर्न सक्नेछ ।
- (ग) प्राविधिक समितिले प्राप्त आवेदनहरुको मूल्याङ्कन गरी प्राथमिकताक्रम तोकी स्वीकृतिका लागि कार्यपालिका समक्ष पेश गर्नेछ ।
- (घ) कार्यपालिकाले स्थानीय तहमा उपलब्ध वार्षिक बजेटको आधारमा सिफारिस गरिएका लक्षित वर्गको आवेदन स्वीकृत वा अस्वीकृत गर्न सक्नेछ ।

- (द) पकेट निर्धारणको लागि तालिका-१ बमोजिमको आधार पुरा गरेको पकेटमा उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धिका कार्यक्रमहरु प्राथमिकताका साथ सञ्चालन गर्नुपर्नेछ तर तोकिए बमोजिमको न्यूनतम क्षेत्रफल वा संख्या नपुगेको पकेटको हकमा क्षेत्रफल विस्तार/संख्या वृद्धिका कार्यक्रम अनिवार्य रूपमा सञ्चालन गर्नु पर्नेछ ।
- (च) पकेट सञ्चालनको पहिलो वर्षमा पशुपन्थीको हकमा पशु संख्या वृद्धि/नश्ल सुधारका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न कम्तीमा ६० प्रतिशत रकम परिचालन गर्नुपर्नेछ र कृषि तर्फका बाली/वस्तुमा बीउ/बिरुवा/क्षेत्रफल विस्तारमा कम्तीमा ४० प्रतिशत रकम परिचालन गर्नुपर्नेछ ।
- (छ) कार्यपालिकाबाट स्वीकृत लाभान्वित वर्गको सहभागितामा प्राविधिक समितिले तालिका-२ मा उल्लेख भएका क्रियाकलापको सूची मध्येबाट लाभान्वित वर्गको आवश्यकता र प्राविधिक दृष्टिकोणले उपयुक्त क्रियाकलापहरु छनौट गरी स्थानीय दररेटको आधारमा लागत अनुमान तथा कार्ययोजना तयार गर्नु पर्नेछ ।

पकेट विकास कार्यक्रममा सञ्चालन हुने क्रियाकलापको सूची र सञ्चालन विधि

| क्र. सं. | क्रियाकलाप/ कार्यक्रम | उद्देश्य | सञ्चालन विधि |
|----------|---|--|--|
| क. | क्षमता विकास कार्यक्रम | | |
| १ | स्थलगत तालिम | - उन्नत कृषि प्रविधि सम्बन्धी जानकारी | <ul style="list-style-type: none"> - सहभागी छनौट - प्रशिक्षक तथा प्रशिक्षण सामग्री व्यवस्थापन - तालिम सञ्चालन |
| ख. | प्रसार तथा बाह्य सेवा | | |
| १ | सहभागितात्मक नवीनतम उत्पादन प्रविधि प्रदर्शन (५ रोपनी) | - नवीनतम उत्पादन प्रविधि प्रचार/प्रसार गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> - प्रविधि पहिचान तथा छनौट - कृषक तथा जग्गा छनौट - बीउ विजन तथा सामग्री व्यवस्थापन - प्रविधि प्रदर्शन - नियमित अनुगमन |
| २ | बीउ/ बेर्ना/ मौरी/माछा भुरा/पशु नश्ल एवं जैविक विषादी खरिदमा अनुदान | - प्रविधि विस्तार गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> - कृषक छनौट - स्रोत केन्द्रको पहिचान - खरिद व्यवस्थापन - वितरण |

| क्र. सं. | क्रियाकलाप / कार्यक्रम | उद्देश्य | सञ्चालन विधि |
|----------|--|---|--|
| ग. | पशु उत्पादन सहयोग | | |
| १ | गोठ/खोर निर्माण सुधार | - असल पशुपालन अभ्यास प्रवर्द्धन गर्ने | - कृषक छनौट - आधुनिक प्रविधि अवलम्बन गरी नयाँ गोठ निर्माण तथा सुधार |
| २ | पशु पहिचान/पशु बीमा | - असल पशुपालन अभ्यास प्रवर्द्धन गर्ने | - Tagging/Micro chipping - पशु बीमा कार्यक्रम सञ्चालन |
| ३ | पशु नश्ल सुधार | - नश्ल सुधार गर्ने | - कृषक छनौट - स्रोत केन्द्रको पहिचान - उन्नत जातको पशु नश्ल (राँगा/साँढे वोका/ विर/ पाठा-पाठी /पाडी र वाच्छी) खरिद तथा वितरण |
| ४ | पशु आहारा व्यवस्थापन | - गुणस्तरीय पशु आहाराको सहज आपूर्तीमा सहयोग | - कृषक छनौट - स्रोत केन्द्रको पहिचान - उन्नत जातको भुई तथा डाले घाँसको बीउ/ बेर्ना/ सेटहरु - साईलेज/ TMR/ UMMB लगायत पशु आहारा प्रविधि/ कबुलियती/ सामुदायिक घाँस खेती *TMR– Total Mixed Ration *UMMB– Urea Molasses Mineral Block |
| ५ | पशु स्वास्थ्य (खोप/परजीवी नियन्त्रण/उपचार/हर्ड हेल्थ) | - पशुमा लाग्ने रोगहरूको जोखिम न्यूनीकरण गर्ने | - स्थान छनौट - प्राविधिक कर्मचारीको व्यवस्थापन - पशु स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन - खोप तथा औपचारिक खरिद तथा वितरण |

| क्र. सं. | क्रियाकलाप / कार्यक्रम | उद्देश्य | सञ्चालन विधि |
|----------|---|--|--|
| घ | मत्स्य उत्पादन सहयोग | | |
| १ | मत्स्य पोखरी निर्माण | मत्स्य पालनको क्षेत्र विस्तार गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> - स्थान तथा कृषक छनौट - डिजाईन तथा लागत अनुमान तयारी - पोखरी निर्माण - प्राविधिक जाँचपास - माछापालन |
| २ | एकीकृत मत्स्य पालन र प्रविधि प्रदर्शन (१० रोपनी) | - नवीनतम उत्पादन प्रविधि प्रसार गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> - प्रविधि पहिचान तथा छनौट - कृषक तथा पोखरी छनौट - मत्स्य उत्पादनको लागि आवश्यक भुरा, प्रदर्शन सामग्री व्यवस्थापन - प्रदर्शनको नतिजा सम्बन्धी सामूहिक छलफल |
| उ | अन्य कार्यक्रमहरू | | |
| १ | साना कृषि तथा पशुपालनमा प्रयोग हुने औजार उपकरण | <ul style="list-style-type: none"> - कृषकको कार्यबोध घटाउने - लागत न्यूनीकरण | <ul style="list-style-type: none"> - कृषक तथा औजार उपकरणको आवश्यकता पहिचान - खरिद व्यवस्थापन - वितरण |
| २ | साना सिंचाइ पूर्वाधार निर्माण तथा मर्मत सम्भार (कुलो मर्मत/ थोपा सिंचाइ/ प्लाष्टिक पोखरी/ ट्यूबेल जडान) | - सिंचित क्षेत्र विस्तार गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> - स्थान छनौट - योजना पहिचान - सम्झौता - निर्माण |
| ३ | माटो व्यवस्थापन | - माटोको गुणस्तरमा सुधार | <ul style="list-style-type: none"> - माटो नमूना संकलन - माटो परीक्षण/ शिविर - माटो उपचार |
| ४ | बाली संरक्षण सेवा | - रोग कीराको पहिचान तथा व्यवस्थापन | <ul style="list-style-type: none"> - नमुना सङ्कलन - बाली उपचार शिविर सञ्चालन - परीक्षण एवं आवश्यक सल्लाह सुझाव |

| क्र. सं. | क्रियाकलाप / कार्यक्रम | उद्देश्य | सञ्चालन विधि |
|----------|---|--|--|
| ५ | बीउ परीक्षण तथा उपचार सेवा | - बीउको गुणस्तर वृद्धि | - नमुना संकलन / परीक्षण - विषादी खरिद - बीउ उपचार |
| ६ | जमिन बाँझो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्ने कार्यक्रमहरू | - बाँझो जमिनलाई खेतीयोग्य जमिनमा रूपान्तरण गर्ने | - बाँझो जमिनहरूको पहिचान तथा अभिलेखीकरण - खेती गर्ने कृषक, समूह, सहकारी पहिचान र छनौट - मल, बीउ, सिंचाइ र औजार उपकरण सहयोग |

(ज) स्थानीय तहको प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले नियमानुसार प्राविधिक स्पेशिफिकेशन, लागत अनुमान र कार्यान्वयन कार्य योजना स्वीकृत गर्नेछ ।

सम्भौता र अनुदान रकम भुक्तानी:

- (क) स्वीकृत भएका आवेदक लाभग्राहीसँग स्थानीय तहले सम्भौताका द्विपक्षीय शर्तहरू बारे छलफल गरी संक्षिप्त कार्ययोजना सहित अनुसूची-१२ बमोजिमको ढाँचामा सम्भौता गरी कार्यादेश दिनुपर्नेछ ।
- (ख) सम्बन्धित लाभग्राहीलाई प्रचलित कानून अनुसार अनुदान रकम भुक्तानी गरिनेछ ।

जनशक्ति व्यवस्थापन

साना व्यवसायिक कृषि उत्पादन केन्द्र (पकेट) विकास कार्यक्रमको इकाई सम्बन्धित स्थानीय तहको कृषि/पशु सेवा शाखामा रहनेछ । पकेट सञ्चालनको लागि आवश्यक जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्ने जिम्मेवारी स्थानीय तहको हुनेछ ।

पकेट सञ्चालन समन्वय समिति

- (क) स्थानीय तहले पकेट कार्यक्रम सञ्चालनमा सहजीकरण र लाभग्राहीको अनुगमन गर्न लाभग्राहीको प्रतिनिधित्व रहने गरी एक पकेट सञ्चालन समन्वय समिति गठन गर्नु पर्नेछ ।
- (ख) तोकिएको क्षेत्रफल वा पशु संख्या भएको एक मात्र कृषक वा संस्थाले सञ्चालन गर्ने पकेटको हकमा सोही संस्थाको प्रोप्राइटर वा संचालक नै पकेट सञ्चालन समन्वय समितिको भूमिका निर्वाह गर्नेछ ।
- (ग) एक भन्दा बढी कृषक वा संस्थाले तोकिए बमोजिमको पकेट सञ्चालन गर्नु पर्ने भएमा संलग्न सबै कृषक वा संस्थाको प्रतिनिधित्व हुने गरी छ सदस्यीय पकेट सञ्चालन समन्वय समिति गठन हुनेछ । यसरी गठन हुने समितिमा २ जना महिला सदस्य हुनु पर्नेछ । समिति सदस्य मध्येबाट एक जना संयोजक हुनेछ र समिति एवं सदस्यको पदावधि २ वर्षको हुनेछ

(घ) पकेट सञ्चालन समन्वय समितिको भूमिका देहाय बमोजिम हुनेछः-

- (अ) पकेट क्षेत्रमा भएका विद्यमान प्रविधि र पूर्वाधारहरूको अभिलेख तयार गर्न सहजीकरण गर्ने ।
- (आ) पकेट क्षेत्र अन्तर्गतका कृषक समूह, कृषि सहकारी, कानुन बमोजिम दर्ता भएका कृषि उद्यमी, कृषिसँग सम्बन्धित कम्पनी वा फर्महरूको विवरण अद्यावधिक गर्न सहजीकरण गर्ने ।
- (इ) पकेट अन्तर्गत सञ्चालन हुने प्रविधिहरूको प्रसारमा स्थानीय तहको कृषि/पशु सेवा शाखालाई सहयोग गर्ने ।
- (ई) सहभागितात्मक रूपमा प्राविधिकको सहयोगमा २ आर्थिक वर्षको पकेट सञ्चालन कार्ययोजना तयार गर्न सहजीकरण गर्ने ।
- (उ) पकेट क्षेत्र अन्तर्गत समूहिक खेती, सहकारी खेती, चक्कावन्दी खेती र पशुपालन प्रबद्धन गर्ने ।
- (ऊ) पकेट क्षेत्र अन्तर्गत स्थापना गरिएका पूर्वाधारहरूको विकास, प्रयोग र सम्बद्धनमा समन्वय र सहयोग गर्ने ।
- (ऋ) परियोजनाका सरोकारवालाहरूसँग समन्वय र सहकार्य गर्ने ।
- (लृ) पकेट विकासको वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमामा स्थानीय तहसँग समन्वय गर्ने ।
- (ए) नियमित रूपमा अनुगमन गरी प्रगति प्रतिवेदन स्थानीय तहको कृषि/पशु सेवा शाखामा पेश गर्ने ।
- (ऐ) सञ्चालित पकेटको प्रोफाईल तयार गर्न सहयोग गर्ने ।

अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र प्रगति प्रतिवेदन

(क) अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

स्थानीय तहको कृषि/पशु सेवा शाखाले पकेट कार्यक्रम अन्तर्गत सञ्चालित क्रियाकलापहरूको एकल वा पकेट क्षेत्रका लाभग्राही एवं सरोकारवालाहरूको सहभागितामा संयुक्त अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्नेछ । स्थानीय तह र पकेट सञ्चालन समन्वय समितिले पकेट कार्यक्रमको सार्वजनिक सुनुवाईका लागि सजहजीकरण गर्नु पर्नेछ ।

(ख) प्रगति प्रतिवेदन

- (अ) स्थानीय तहको कृषि/पशु सेवा शाखाले खर्च र उपलब्धि सम्बन्धी चौमासिक र वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन तयार गरी जिल्ला स्थित परियोजना कार्यान्वयन इकाई र प्रदेश सरकार अन्तर्गतको कृषि/पशु सेवा हेतु निकायमा पेश गर्नु पर्नेछ ।
- (आ) प्रगति प्रतिवेदन अनुसूची-१३ बमोजिमको ढाँचा तथा राष्ट्रिय योजना आयोगले तोकेको ढाँचामा तयार गरी पेश गर्नु पर्नेछ ।
- (इ) कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने स्थानीय तहले अनुसूची-७ बमोजिमको ढाँचामा पकेटको प्रोफाईल तयार गर्नु पर्नेछ ।

रवण्ड-४

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण
परियोजनाबाट कास्की जिल्लामा
सञ्चालित पकेट विकास कार्यक्रमको
प्रगति विवरण तयारी विधि

४.१ प्रगति विवरण तयारीको उद्देश्य

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाको सुरुवात देखि हालसम्म कास्की जिल्लामा सञ्चालित पकेट विकास कार्यक्रमको प्रगति विवरण तयार गर्नुको मुख्य उद्देश्य तपसिल बमोजिम रहेका छन्:

- हालसम्म सञ्चालित पकेट विकास कार्यक्रमको विवरणहरु अध्यावधिक गर्ने ।
- पकेट विकास कार्यक्रमहरूले लक्षित वर्गमा पारेको प्राभाबको अध्ययन गर्ने ।
- पकेट विकास कार्यक्रमहरूको सबल तथा दुर्बल पक्षहरूको विश्लेषण गर्ने ।

४.२ प्रगति विवरण तयारी विधि

पकेट विकास कार्यक्रमको प्रगति विवरण तयारीका लागी प्रारम्भिक तथ्याङ्क संकलन विधि (Primary data collection method) र सन्दर्भ सामग्रीहरु (Secondary sources)बाट तथ्याङ्क संकलन विधिको प्रयोग भएको छ ।

४.२.१ पकेट विकास कार्यक्रमको सूचि तयारी

सर्वप्रथम विभिन्न सन्दर्भ सामग्रीहरु (सम्बन्धित कार्यालयहरूले प्रकाशन गरेका पुस्तक, website, प.का. ए. कास्कीको वार्षिक पुस्तिका) तथा कृषि ज्ञान केन्द्र कास्की, भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र कास्की, कास्की जिल्लाका पाँचवटा पालिकाहरूको कृषि तथा पशु विकास शाखाहरूबाट पकेटहरूको विवरण संकलन गरी कास्की जिल्लामा परियोजनाको सुरुवात देखी हालसम्म संचानल भएका पकेट विकास कार्यक्रमको पालिका अनुसार सूचि तयारी गरीयो । त्यसपश्चात, यसरी तयार भएको सूचिलाई अद्यावधिक गर्ने कास्की जिल्लाको पाँच वटा पालिका (पोखरा, मादि, माछापुच्छे, रुपा, अन्नपूर्ण) को कृषि तथा पशु शाखा, कृषि ज्ञान केन्द्र कास्की, भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र कास्कीका कार्यालयहरूमा कार्यरत कर्मचारीहरूसँग प्रत्क्षय छलफल बाट सूचिमा अपुग भएका विवरणहरु थप गरी कृषकहरूबाट तथ्याङ्क संकलनका लागि तयार पारिएको प्रश्नावलीको बारेमा र प्रश्नावली प्रयोग गरी तथ्याङ्क संकलन गर्ने बारेमा जानकारी तथा अभिमुखीकरण गराई तथ्याङ्क संकलनका लागि पालिकाले समन्वय गर्ने निष्कर्षमा पुगियो ।

४.२.२ लक्षित समूहमा छलफल (Focus Group Discussion) तथा फिल्ड अवलोकन

पालिका अनुसार तयार भएको सूचिबाट random sampling विधिको प्रयोग गरी हरेक पालिकाबाट ४-६वटा पकेट प्रत्येक अवलोकन तथा सामूहिक छलफल (Focus Group Discussion) का लागि छनौट गरीयो । यसरी छनौट गरीएको हरेक पकेटमा checklist (अनुसूचि १७)को प्रयोगले सामूहिक छलफल गरी तथ्याङ्क संकलन गरीयो ।

४.२.३ घरधुरी सर्वेक्षण (Household survey)

यसका साथै पकेट कार्यक्रमले लक्षित वर्गमा पारेको प्रभावको अध्ययनका लागि पकेट विकास कार्यक्रममा संलग्न कृषकहरूसंग प्रत्यक्ष वार्तालाप तथा घर धुरी सर्वेक्षण विधि प्रयोग गरीयो । प्रत्यक्ष व्यक्तिगत वार्तालाप विधिबाट तथ्यांक संकलन गर्नुभन्दा पहिला प्रश्नावली तयारी (अनुसूचि १८), प्रश्नावली परिक्षण र प्रश्नावली सच्चाउने तथा छपाउने कार्य गरिएको थियो । घरधुरी सर्वेक्षणबाट पकेट विकास कार्यक्रमबाट लाभान्वित कृषकको सम्बन्धित बाली तथा वस्तुको व्यवसायको आकार, बाली तथा वस्तुको अवस्था, पकेट कार्यक्रमले सम्बन्ध बालि/वस्तुको उत्पादन तथा उत्पादकत्वमा पारेको प्रभाव, आमदानीमा पारेको प्रभाव आदिको बारेमा प्रश्नावलीको प्रयोग गरी तथ्याङ्क संकलन भएको थियो ।

यसरी प्राप्त भएको प्रारम्भिक तथ्याङ्कहरूलाई एम.एस.एक्स्ल सिटमा प्रविष्ट गरी विभिन्न सूचकहरूको कुल जोड, औषत, प्रतिशत आदि निकाल्ने कार्य गरियो । अन्त्यमा विभिन्न विधिबाट प्राप्त गरीएको पकेट सम्बन्ध तथ्याङ्कलाई सरोकारवाल निकायहरूको उपस्थितिमा (Validation workshop) प्रमाणीत गरिएको थियो । यसरी प्रारम्भिक तथ्याङ्कलाई विश्लेष्ण गरी प्राप्त नतिजा र सन्दर्भ सामग्रीबाट प्राप्त तथ्याङ्कको माध्यमबाट यो प्रगति विवरण तयार भएको छ ।

रवण्ड-५

स्थलगत अनुगमन गरीएका पकेट
विकास कार्यक्रमका विवरण

५.१ कागती पकेट, रुपा-५, देउराली

५.१.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

रुपा गाउँपालिका वडा नं. ५ देउरालीमा बाभो जमिनमा फलफुल खेति गर्ने कृषकलाई आकर्षण गरी कृषको आयआर्जन वृद्धि गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७६/७७ मा कागती बालीको पकेट स्थापना भएको थियो । कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजाबाट संचालन भएको पकेट कार्यक्रममा रुपा गाउँपालिका वडा नं. ५ को गाउँविकास कृषि सहकारी संस्था र गुणस्तरीय कफी सहकारी संस्थामा आवद्ध ८५ जना कृषक परिवारको सहभागीता रहेको थियो ।

५.१.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट संचालनको पहिलो वर्ष क्षेत्र विस्तारका लागि विरुवा (सुन कागती-१ जातको) वितरण गरी बगैँचा स्थापनाका लागि सहयोग भएको र दोस्रो वर्ष निरन्तरताको कार्यक्रमको रूपमा पहिलो वर्ष २५ बोट भन्दा माथि कागतीको विरुवा लगाउने कृषकलाई बगैँचा व्यवस्थापनका लागि सिकेचर, आरी, तराजु, ड्रम, ब्रस कटर, स्प्रे, निलोतुथो, वाल्टी, प्राङ्गारिक मल, पाईप वितरण भएको जानकारी प्राप्त भएको थियो ।

५.१.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट संचालन भएको पकेट विकास कार्यक्रमले पकेट क्षेत्रमा कृषकलाई बाँझो जमिनको सदुपयोग गरी फलफुल खेति गर्न आकर्षण गरेको छ । पकेटमा संलग्न भएका ८५ कृषक परिवारलाई दिगो रूपमा आमदानीको स्रोत हुने देखिएको छ । हाल स्थापना गरीएको केहि बगैँचामा कागती फल्न सुरु भएको छ ।

५.१.४ पकेट संचालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

कागती पकेटमा सामूहिक छलफलको ऋममा युवा जनशक्तीको कृषि पेशामा न्यून संलग्नताले कामदारको कमी हुनु कागती पकेट संचालनमा मुख्य समस्याको रूपमा रहेको जानकारी आएको थियो । केहि कागतीको बगानमा रोग/किराको संक्रमण देखीएको, प्राविधिक ज्ञानको कमि भएकाले जथाभावी विषादीको प्रयोग गर्दा मुना मरेको, मृग र बाँदरको समस्या रहेको सहभागीले बताएका थिए । पकेट क्षेत्रमा सिंचाईको समस्या रहेकाले कृषकहरुबाट सम्बन्धित निकायले सिंचाइको समस्याको सम्बोधन र तालिमको व्यवस्थापन गर्नुपर्ने आग्रह भएको थियो । सेवा प्रदायक कार्यालयले नियमित अनुगमन तथा सूचना प्रणालिलाई कृषक मैत्री बनाउनुपर्ने सुभाव आएको थियो ।



कागती पकेटमा सामूहिक छलफल



कागती बर्गेचाको अनुगमन

५.२ हंसपुर मौरी पकेट, रुपा-७, हंसपुर

५.२.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

रुपा गाउँपालिका वडा नं. ७, माझगाउँमा व्यवसायिक मौरीपालन मार्फत महको उत्पादन वृद्धि गरी मौरी पालनमा संलग्न कृषकहरूको आयस्तरमा सुधार गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७३/७४ मा मौरीको पकेट स्थापना भएको थियो । जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्कीबाट संचालन भएको पकेट कार्यक्रममा २५ जना कृषक परिवारको संलग्नता रहेको थियो ।

५.२.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट संचालनको क्रममा आधुनिक मौरी घार खरिद, महदानी, आधारचाका, चक्कु, टोपी, पञ्जा लगायतका उपकरण खरिद तथा वितरण भएको जानकारी छलफलबाट प्राप्त भयो । साथै, सोहि समुदायमा आ.व. २०७५/७६ र आ.व. २०७६/७७मा कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजबाट मौरी पकेटको निरन्तरताको कार्यक्रम संचालन भएको जानकारी प्राप्त भएको थियो ।

५.२.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट संचालन भएको मौरी पकेट विकास कार्यक्रमले पकेट क्षेत्रमा महको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरी कृषकको आमदानी वृद्धिमा सहयोग पुर्याउको पाइयो । पकेट क्षेत्रमा थप रोजगारी सृजना गरेको र मौरी पालनले अन्य बालीको उत्पादन वृद्धिमा पनि सहयोग पुगेको रहेछ । पकेट संचालन भएको क्षेत्रमा मह उत्पादन कार्य भईरहेको र हाल जेष्ठ महिनामा ८ के.जी. प्रति घार र कार्तिक महिनामा ४ के.जी. प्रति घार मह उत्पादन भईरहेको जानकारी छलफलबाट प्राप्त भएको थियो ।

५.२.४ पकेट संचालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

मौरी पकेट क्षेत्रमा मौरी पालनका लागि पर्याप्त चरनको व्यावस्थापन नहुनु, कृषकहरूले कृत्रिम रूपमा चरन व्यावस्थापन गर्न नसक्नु र खेतबारीमा जथाभावी विषादीको प्रयोग मौरी पालनका लागि चुनौतिको रूपमा रहेको छ । हाल गुणस्तरीय घारको अभाव रहेकाले टुनिको घार निर्माण गर्नुपर्ने सुभाव छलफलमा आएको थियो । पकेट कार्यक्रमलाई ब्लक उत्पादन कार्यक्रममा स्तरोन्नति गरी प्रशोधनको कार्यक्रम संचालनको आवश्यकता रहेको र मौरी पालनलाई सहयोग गर्न सम्बन्धित निकायहरूले मौरीको चरनको व्यवस्थापनको लागि चित्रीको विरुद्ध वितरण गर्नुपर्ने र पकेट क्षेत्रको निरन्तर अनुगमन गर्नुपर्ने माग भएको थियो ।



हंसपुर मौरी पकेटमा सामूहिक छलफल

५.३ तरकारी पकेट, रुपा-३, पोल्याड

५.३.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

रुपा गाउँपालिका वडा नं. ३, पोल्याडमा परम्परागत तरिकाले तरकारी खेति हुँदै आइरहेकोमा कृषकलाई तरकारीको व्यवसायिक खेति तर्फ आकर्षण गरी तरकारीको उत्पादन वृद्धि मार्फत कृषकहरूको आयस्तरमा सुधार गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७८/७९मा तरकारीको पकेट स्थापना भएको थियो । रुपा गाउँपालिका कार्यपालिको कार्यालय (कृषि शाखा) बाट संचालन भएको पकेटमा रुपा-३ को हिमचुली कृषक समूहको २२ कृषक परिवारको संलग्नता रहेको पाइयो ।

५.३.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट क्षेत्रमा कार्यक्रम संचालनका लागि जम्मा रुकम रु. १३ लाख विनियोजन भएको थियो । पकेट संचालनको पहिलो वर्षमा ३० वटा स्थाई प्लाष्टिक घर निर्माण र दोस्रो वर्ष (आ.व. २०७९/८०)मा स्थापना गरीएका प्लाष्टिक घरमा थोपा सिंचाई जडान भएको जानकारी छलफलको क्रममा प्राप्त भएको थियो ।

५.३.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट सञ्चालन भएको तरकारी पकेट विकास कार्यक्रमले पकेट क्षेत्रमा कृषकलाई बेमौसमी तरकारी उत्पादनमा सहयोग गरी आयआर्जनको स्रोत थपेको र बेमौसमी तरकारी उत्पादन तथा बिक्रि मार्फत कृषकको आमदानी वृद्धिमा सहयोग पुगेको जानकारी छलफलको क्रममा प्राप्त भयो ।

५.३.४ पकेट सञ्चालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

सामूहिक छलफलको क्रममा पकेट क्षेत्रमा तरकारी उत्पादन सम्बन्ध प्राविधिक ज्ञानको कमी रहेको र सम्बन्धित निकायबाट मौसमी तथा बेमौसमी उत्पादन सम्बन्ध तालिमको व्यवस्थापन हुनुपर्ने माग भएको थियो । प्लाष्टिक घर भित्र मौसम अनुसार कुन बाली लगाउने भन्ने ज्ञानको कमि भएकाले प्राविधिकले प्लाष्टिक घरमा खेतीका लागि मौसम अनुसार बाली पात्रो तयार तथा नियमित खेतबारीको अनुगमन गरी प्राविधिक परामर्श दिन आवश्यक रहेको छलफलमा संलग्न कृषकहरूले बताएका थिए ।



तरकारी पकेटमा सामूहिक छलफल

५.४ केरा पकेट, रुपा -४, सिद्धू

५.४.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

रुपा गाउँपालिका वडा नं. ४, सिद्धूमा परम्परागत तरिकाले कृषि गर्दै आएका कृषकलाई केराको व्यवसायिक खेतीतर्फ आकर्षण गरी कृषकहरूको आयस्तरमा सुधार गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७६/७७मा सिद्धेश्वर अर्गानिक कृषि समूहमा कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजाबाट केराको पकेट स्थापना भएको थियो । यस पकेट कार्यक्रममा ३८ कृषक परिवारको संलग्नता रहेको थियो ।

५.४.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट संचालनको पहिलो वर्षमा केराको विरुवा (Willam hybrid, G-9, मालभोग जात) वितरण गरी क्षेत्र विस्तारका लागि कामदार, मल खरीदमा सहयोग भएको र दोस्रो वर्षमा सिंचाई व्यवस्थापनका लागि पाइप खरीद तथा वितरणको कार्यक्रम भएको जानकारी छलफलबाट प्राप्त भयो ।

५.४.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट संचालन भएको केरा पकेट विकास कार्यक्रम अन्तर्गत रोपण गरीएका धेरै विरुवा (G-9 जातको) मरेकाले हाल सफल रूपमा पकेट कार्यक्रमको निरन्तरता हुन नसकेको जानकारी छलफल तथा अवलोकनको क्रममा प्राप्त भयो । केही कृषकले मात्र केरा उत्पादनलाई निरन्तरता दिएको पाइयो । पकेट संचालनको समयमा लगाइएको जात त्यस स्थानको लागि उपयुक्त नभएको कृषकले बताएका थिए । हाल पकेटका संयोजक पनि नेपालमा नरहेको जानकारी प्राप्त भयो ।

५.४.४ पकेट संचालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

पकेट क्षेत्रमा पकेट कार्यक्रम अन्तर्गत पाईप वितरण गरीएता पनि पानीको स्रोत नभएकाले सिंचाईको समस्या रहेको र पछिल्लो समयमा त्यहाँका कृषक प्राविधिक परामर्शका लागि सम्बन्धित निकायसम्म पुग्न नसकेको र सम्बन्धित निकाय पनि पकेटको अनुसरण पश्चात पकेट संचालन भएको स्थानमा नपुगेको कृषकले बताएका थिए । पकेट कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिनका लागी सम्बन्धित निकायको निरन्तर अनुगमन तथा पृष्ठपोषण गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छलफलमा उठेको थियो ।



केरा पकेटमा सामूहिक छलफल

५.५ हंसपुर कफी खेति पकेट, रुपा-७, हंसपुर

५.५.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

रुपा गाउँपालिका वडा नं. ७, हंसपुरमा पाखो जमिनको सदुपयोग गरी कफीको व्यवसायिक खेति मार्फत कृषकको आम्दानी वृद्धि गर्ने उद्देश्यले जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्कीबाट कफी पकेटको आ.व. २०७३/७४मा स्थापना भएको थियो । यस पकेट कार्यक्रममा ४४ कृषक परिवारको संलग्नता रहेको थियो ।

५.५.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट स्थापनाको वर्ष कफी विरुवा खरिद, छुवानी र रोपण, कफी संकलन एंव पल्पिङ सेन्टर सुदूरढिकरण कार्यक्रमहरू भएका रहेछन् । सोही स्थानमा आ.व. २०७५/७६ र २०७६/७७मा कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजाबाट कफी बालीमा पुरानो पकेटलाई (सार्दीखोला कफी उत्पादन पकेट) सहयोग कार्यक्रम सञ्चालन भई प्रशोधन यन्त्र, वीउ, नर्सरी व्यस्थापनमा सहयोग कार्य भएको जानकारी प्राप्त भयो ।

५.५.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट कफी पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालन भएको स्थानमा हाल राप्रो मात्रामा कफी उत्पादन गरी जिल्ला कफी संघको माध्येमबाट विक्रि बितरण भईरहेको र पकेट विकास कार्यक्रमले कफीको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरी कृषकको आम्दानी वृद्धिमा सहयोग पुगेको छलफलका सहभागीले बताएका थिए ।

५.५.४ पकेट सञ्चालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

छलफलको क्रममा सहभागीले कफी उत्पादन तथा प्रशोधनका लागि बढि व्यवस्थापन खर्च लाग्नु, पार्चमेन्ट सुकाउने सामाग्री तथा विद्युतको अभाव हुनु र दक्ष प्राविधिक सम्मको पहुँचको नहुनु मुख्य चुनौति तथा समस्या रुपमा रहेको बताएका थिए ।



हंसपुर कफी पकेटमा सामूहिक छलफल

५.६ तरकारी पकेट, अन्नपुर्ण-२

५.६.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

अन्नपूर्ण गाउँपालिका वडा नं. २ मा परम्परागत तरिकाले कृषि गर्दै आएका कृषकलाई व्यवसायिक तरकारी खेतीतर्फ आकर्षण गरी कृषकहरूको आयस्तरमा सुधार गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७६/७७मा भविष्य हाम्रो हातमा कृषि सहकारी संस्था लिमिटेडमा कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गाबाट तरकारीको पकेट स्थापना भएको थियो ।

५.६.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट कार्यक्रम संचालनका लागि रु. १६३६००० विनियोजन भएको रहेछ जसअन्तर्गत मेशिनरी औजार खरिद, भर्मिसेड निर्माण, सिंचाइ पाइप, प्राङ्गारिक मल वितरण, तरकारी वीउ खरिदका काम भएको जानकारी छलफलबाट प्राप्त भएको थियो ।

५.६.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाले संचालन गरेको तरकारी पकेटले स्थानीय बजारको मागलाई पूर्ति गर्न सहयोग गरी रोजगारी सृजना गरेको छ । हाल पकेट संचालन भएको स्थानमा तरकारी उत्पादन भईरहेको रहेछ ।

५.६.४ पकेट संचालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

छलफलको क्रममा सहभागीबाट पकेट विकास कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिनुपर्ने र सम्बन्धित निकायले निरन्तर रूपमा अनुगमन गर्नुपर्ने सुझाव आएको थियो ।



तरकारी पकेटमा सामूहिक छलफल

५.७ ढिकुरपोखरी कफी खेति पकेट, अन्नपूर्ण-०१

५.७.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

अन्नपूर्ण गाउँपालिका वडा नं. १ ढिकुरपोखरीमा परम्परागत तरिकाले कृषि गर्दै आएका कृषकलाई व्यवसायिक कफी खेतीतर्फ आकर्षण गर्ने तथा बाखो जमिनको सदुपयोगबाट कृषकहरूको आयस्तरमा सुधार गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७३/७४मा जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की बाट कफीको पकेट स्थापना भएको थियो ।

५.७.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट संचालन भएको कफी पकेटमा स्थापनाको वर्ष कफीको विरुद्ध खरिद, दुवानी र रोपण, कफी संकलन एंव पल्पिड सेन्टर सुदृढिकरण सम्बन्ध काम भएको रहेछ । साथै, सोही स्थानमा आ.व. २०७५/७६ मा कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजाबाट पुरानो कफी पकेटलाई सहयोगको कार्यक्रम संचालन भई प्रशोधन यन्त्र, वीउ, सिचाई व्यस्थापन, नर्सरी व्यस्थापनका कार्य भएका रहेछन् ।

५.७.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाले संचालन गरेको कफी पकेटले स्थापनाको पहिलो वर्ष करीब ८ रोपनी क्षेत्रफल विस्तार गरी थप रोजगारी सृजनामा सहयोग गरेको रहेछ । साथै, नर्सरी व्यस्थापनको कार्यक्रमले विरुद्ध उत्पादनमा वृद्धि गरी कृषकको आयस्तर सुधारमा सहयोग पुगेको सहभागी कृषकले छलफलमा बताएका थिए ।

५.७.४ पकेट सञ्चालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

सामूहिक छलफलको क्रममा सहभागीले कफी पकेट क्षेत्रमा सिंचाई व्यवस्थापनको कमि र कफी प्रशोधन प्लाण्ट स्थापनाका लागि पूँजी अभाव रहेको बताएका थिए । सम्बन्धित निकायले निरन्तर रूपमा कफी उत्पादन क्षेत्रको अनुगमन तथा प्राविधिक सेवा प्रदान गर्नुपर्ने माग भएको थियो ।



ढिकुरपोखरी कफी खेति पकेटमा सामूहिक छलफल

५.८ भावना मौरी पालन पकेट, पोखरा -९८, आदर्शबिसित

५.८.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

पोखरा महानगरपालिका वडा नं. १८ आदर्शबस्तीका कृषकले परम्परागत रूपमा सानो स्केलको व्यवसायिक तरकारी खेति र मौरीपालन व्यवसाय गर्दै आएकोमा मौरीपालन गरि महको उत्पादन वृद्धि गरी संलग्न कृषकहरूको आयस्तरमा सुधार गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७६/७७मा मौरीको पकेट विकास कार्यक्रमको मुरुवात कृषि ज्ञान केन्द्र, स्पाइजाबाट भएको थियो । यो पकेट विकास कार्यक्रम भावना सामुदायिक कृषि सहकारी संस्था लिमिटेडमा संचालन भएको रहेछ जसअन्तर्गत २५ कृषकहरूको सहभागिता रहेको थियो ।

५.८.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट विकास कार्यक्रम संचालनका निमित पहिलो वर्ष रु. १६३६०० विनियोजन भएको रहेछ । यसअन्तर्गत मौरी गोला सहित घार (३००), पञ्जा, महदानी, चक्कु, चिनी चास्नी खरीद तथा वितरण गरी त्यहाँका कृषकलाई सहयोग भएको रहेछ । सोही स्थानमा आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा पोखरा महानगरपालिकाबाट निरन्तरताको कार्यक्रम सञ्चालन भएको थियो जस अन्तर्गत जम्मा अनुदान रकम रु २,९३,००० प्रवाह भएको थियो ।

५.८.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट संचालन भएको मौरी पकेटले व्यवसायिक रूपमा मह, मौरिगोला उत्पादन वृद्धिमा सहयोग पुगेको र पकेट क्षेत्रमा थप रोजगारी सिर्जना गर्दै अन्य बालीको पनि उत्पादन वृद्धिमा सहयोग पुऱ्याएको जानकारी छलफलको ऋममा आएको थियो ।

५.८.४ पकेट संचालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

मौरी पालनमा विभिन्न किसिमका समस्याहरू देखिने गर्दछन् जस्तै मैन पुतली, अरिङ्गाल, माउसुली इत्यादिबाट घार जोगाउनुपर्ने कृषकले बताएका थिए । मौरी पालनका लागि पर्याप्त चरनको व्यवस्थापन नहुनु, कृषकहरूले कृत्रिम रूपमा चरन व्यवस्थापन गर्न नसक्नु र जथाभावी विषादीको प्रयोग मौरी पालनको चुनौतीको रूपमा रहेको छ ।



भावना मौरी पालन पकेटमा छलफल

५.९ कोलेली कालिमाठि अलैंची सेती पकेट, माछापुच्छे-८, कोलेली कालिमाठि

५.९.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

माछापुच्छे गाउँपालिका वडा नं. ८, कोलेली कालिमाटिमा बाखो भिरालो खेतीयोग्य जग्गाको सदृपयोग गर्ने तथा व्यवसायिक खेती मार्फत कृषकको आयआम्दानी वृद्धि गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७३/७४ मा जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्कीबाट अलैंची बालीको पकेट स्थापना गरीएको थियो । यस कार्यक्रममा ३५ कृषक परिवारको सहभागिता रहेको थियो ।

५.९.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट सञ्चालित पकेट विकास कार्यक्रम अन्तर्गत अलैंची पकेट स्थापना भएको वर्ष अलैंची विरुवा खरिद, दुवानी र रोपण, पकेट क्षेत्रमा सिंचाई व्यवस्थापन, सधारिएको अलैंची भट्टी निर्माण कार्य भएको जानकारी प्राप्त भयो । साथै, सोही स्थानमा आ.व. २०७५/७६ र २०७६/७७मा कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजाबाट पुरानो अलैंची पकेटलाई सहयोगको रूपमा कार्यक्रम संचालन भएको जानकारी प्राप्त भयो ।

५.९.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

सामूहिक छलफलको ऋममा अलैंची पकेट विकास कार्यक्रमले पकेट संचालन भएको स्थानमा पकेट संचालनको प्रथम वर्षमा अलैंचीको क्षेत्रफल थप गरी रोजगारी सृजना गरेको जानकारी प्राप्त भएको थियो ।

कोलेली कालीमाटि क्षेत्र कास्की जिल्लाको राम्रो अलैंची उत्पादन हुने क्षेत्रमा पर्दछ । पकेट कार्यक्रमले अलैंचीको दुवानीमा पनि निकै ठूलो भूमिका खेलेको जानकारी प्राप्त भएको थियो । पकेट सञ्चालन भएको स्थानमा अलैंचीको क्षेत्रफल विस्तार भई हाल जोन विकास कार्यक्रममा समावेश भएको छ ।

५.९.४ पकेट सञ्चालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

अलैंची उत्पादन क्षेत्रमा हिउँदको समयमा सिंचाई व्यवस्थापन गर्न अक्षम रहेकाले खडेरीको समस्याको साथै वर्षाको समयमा असिनाले उत्पादनमा क्षति पुग्ने कृषकले बताएका थिए । हाल यस क्षेत्रबाट उत्पादन हुने अलैंचीमा कुनै प्रकारको रासायनिक विषादी प्रयोग नहुने र ठूलो क्षति गर्ने किसिमको रोग तथा किराको प्रकोप बगानमा नभएता पनि भविष्यमा रोग/किराको संक्रमण भएमा व्यवस्थापन चुनौतिको रूपमा रहेको र हाल बगानमा फाटफुट देखिने समस्याहरू जस्तै बिरुवा जरै बाट सुक्ने, दुसीको संक्रमण, बेमैसमी आएको वर्षा, सुख्खा र तापक्रममा भएको परिवर्तनले अलैंची खेतीमा नकारात्मक असर पर्न गएको जानकारी छलफलको ऋममा आएको थियो । अलैंचीको मूल्यमा ठूलो उतारचढाव हुने हुँदा किसानहरूलाई आर्थिक जोखिम आउन सक्ने कृषकको भनाइ रहेको छ । अत्याधिक घामले पात र फललाई क्षति पुन्याउने हुँदा मध्यम छायाँको आवश्यकता पर्ने र सो कुरा बगान स्थापनाको समयमा ध्यान नदिएका कारणले पनि अलैंची उत्पादनमा समस्या आएको कुरा सहभागीबाट आएको थियो ।



कोलेली कालिमाटी अलैंची खेती पकेट

५.१० तरकारी पकेट , पोखरा-१६, बाटुलेचौर

५.१०.१ पकेट क्षेत्रको परिचयात्मक विवरण

पोखरा महानगरपालिका वडा नं. १६, बाटुलेचौरमा व्यवसायिक तरकारी खेतीमा कृषकलाई आकर्षण गरी कृषकको आयस्तर स्तरोन्तती गर्नका लागि आ.व. २०७८/७९ र २०७९/८०मा तरकारीको पकेट स्थापना भएको थियो । पोखरा महानगरपालिकाबाट सञ्चालन भएको उक्त पकेटमा ५९ कृषक परिवारको संलग्नता रहेको थियो ।

५.१०.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट सञ्चालनको पहिलो वर्षमा अस्थायी तथा स्थायी टनेल निर्माण, इलेक्ट्रोनिक ब्यालेन्स, स्प्रे जस्ता उपकरण खरिद तथा वितरण र दोस्रो वर्षमा पाइप, प्लास्टिक क्रेट, मल्चड प्लाष्टिक जस्ता कृषि सामग्री खरिद तथा वितरण भएको जानकारी छलफलको ऋममा प्राप्त भयो ।

५.१०.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट सञ्चालन भएको तरकारी पकेट विकास कार्यक्रमले पकेट क्षेत्रमा तरकारीको (गोलभेडा, काँका, साग) उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरी कृषकको आम्दानी वृद्धिमा सहयोग पुऱ्याएको र यस पकेट कार्यक्रम संचालन पश्चात धेरैजसो किसान निर्वामुखी खेतीबाट व्यवसायिक खेती तर्फ अग्रसर भएको जानकारी प्राप्त भएको थियो । यस क्षेत्रमा हिउँदे र बर्से सिजनमा बेमौसमी तरकारी खेती हुने र पकेट क्षेत्रमा सञ्चालन भएका कार्यक्रमहरू जस्तै प्लास्टिक घर निर्माण, थोपा सिचाई, कृषि सामग्री बिक्री वितरणबाट तरकारी बालीको उत्पादन वृद्धि र समग्र प्रति रोपनी खुद आम्दानीमा वृद्धि भएको जानकारी आएको थियो ।

५.१०.४ पकेट संचालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

यस पकेटमा तरकारी खेतीका लागि श्रमको अभाव भएकाले अपेक्षाकृत रूपमा तरकारीको क्षेत्रफल बढाउन नसकेको जानकारी सहभागीबाट छलफलको ऋममा आएको थियो । साथसाथै, यान्त्रीकरण जस्तै हाते ट्याक्टर प्रयोग सम्बन्ध ज्ञान र सीप र तरकारी खेती प्रविधि सम्बन्ध ज्ञानको कमी भएकाले पकेट क्षेत्रमा तालिम व्यवस्थापन गर्नुपर्ने माग भएको थियो ।

५.११ तप्राड बाख्ना पकेट, मादी-६, तप्राड

५.११.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

बाख्ना पालनमा कृषकहरूको बढ्दो आकर्षणलाई ध्यानमा राख्दै व्यवसायिक बाख्ना पालनका लागि कृषकलाई सहयोग गरी कृषको आयस्तर स्तरोन्नती गर्नका लागि आ.व. २०७७/७८ र २०७८/७९मा मादी गाउँपालिकाबाट तप्राड बाख्ना पालन समूहमा बाख्नाको पकेट स्थापना भएको थियो ।

५.११.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट बाख्ना पकेट संचालनका लागि आ.व. २०७७/७८ मा रु.१५ लाख र आ.व. २०७८/७९ मा रु. ६ लाख विनियोजन भएको थियो जसअन्तर्गत उन्त बाख्ना खरीद/वितरण, औषधी/भ्याक्सिन वितरण तथा आधुनिक खोर निर्माण कार्य सम्पन्न भएको जानकारी छलफलबाट प्राप्त भएको थियो । यस कार्यक्रममा तप्राड बाख्ना पालन समूहका २०-२५ कृषकको सहभागिता रहेको थियो ।

५.११.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

बाख्ना पकेट कार्यक्रम संचालनले मासुको उपलब्धता बढाउनुको साथै बोका/खसि/पाठा-पाठी तथा मासु बिक्रीबाट कृषकको आम्दानि वृद्धिमा सहयोग पुगेको छ। अझै पनि समहुका प्रत्येक सदस्यकोमा २० वटा भन्दा बढी माउ बाख्ना रहेको र यस्ता पकेट विकास कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिई वा स्तरोन्तरी गरी ब्लकमा लैजानुपर्ने समूहको माग रहेको छ।

५.११.४ पकेट संचालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

हाल गाउँबाट युवाहरु सहर तथा विदेशमा विस्थापित हुँदै गएकोले न्यून संख्यामा युवाहरु रहेका र बुढा बा/आमाले मात्र व्यवसाय धानेको अवस्था रहेको पाईयो जसकारण बाँकी युवाहरुलाई यथास्थानमा रही व्यवसायलाई निरन्तरता दिन र कामको खोजीमा सहर पसेका युवाहरुलाई फर्क्ने माहोल सिर्जना गर्न यस्ता कार्यक्रमहरुलाई निरन्तरता दिन आवश्यक रहेको महशुस हामीले गर्याँ। त्यस्तै कृषि/पशु विकास कार्यक्रमहरुको संचालन कहाँ/कुन कार्यालयबाट हुने भन्ने विषयमा समूहका सदस्यहरु अनभिज्ञ रहेको पाईयो र प्राविधिक सहयोगका लागि प्राविधिक कर्मचारीहरुको उपस्थिति पनि न्यून रहेको पाईयो।



तप्राड बाख्ना पकेट, मादी -६, तप्राड

५.१२ घ्याम्राड मौरी पकेट, मादी -२

५.१२.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

मादी गाउँपालिका वडा नं. २, घ्याम्राडका प्रायजसो कृषकहरुले सानो स्केलमा मौरी पालन गर्दै आएको र आम्दानीको मुख्य श्रोत बनाउँदै आएको परिवेशमा व्यवसायिक मौरी पालनमा आबद्ध गराई कृषकको आयस्तर स्तरोन्तरी गर्नका लागि आ.व. २०७७/७८ र २०७८/७९ मा मादी गाउँपालिकाबाट घ्याम्राड

मौरी पालन समूहमा मौरीको पकेट स्थापना भएको थियो ।

५.१२.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

मादी-२, घ्याम्ब्राडमा मौरीको पकेट स्थापनाको लागी आ.व. २०७७/७८ मा रु.१२ लाख र आ.व. २०७८/७९ मा रु. ६ लाख विनियोजन भएको थियो । यस अन्तर्गत प्रथम वर्षमा रु ११६९००० खर्च भई २०० वटा मौरी घार गोला सहित र १९६ वटा स्टेन निर्माण भएका थिए र दोस्रो वर्षमा रु ६ लाख खर्च भई ८० गोला सहितको मौरी घार, टोपी, मह मदानी वितरण सहित मौरीपालन सम्बन्धि तालिम कार्यक्रम सम्पन्न भएको जानकारी प्राप्त भयो ।

५.१२.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट सञ्चालित मौरी पकेट विकास कार्यक्रमले पकेट सञ्चालन स्थानका रोजगारी सृजना गरी आयआर्जन वृद्धि गर्न सहयोग पुगेको पाईयो र कृषकहरूले मौरी घारको थप संख्या बढाउँदै लगेकोले मह उत्पादन तथा महको आपूर्ति वृद्धि भएको पाईयो ।

५.१२.४ पकेट सञ्चालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

छलफलको क्रममा मौरी पकेटमा मौरी पालन क्षेत्रमा प्रयाप्त चरनको व्यवस्थापन नभएको र कृषकहरूले कृत्रिम रूपमा चरन व्यावस्थापन गर्न नसक्नु मूल्य चुनौतिको रूपमा रहेको जानकारी प्राप्त भएको थियो ।

५.१३ नामार्जुङ सिल्दजुरे अलैंची खेति पकेट, मादी-२ नामार्जुङ र ६-सिल्दजुरे

५.१३.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

मादी गाउँपालिका वडा नं. २, नामार्जुङ र वडा नं. ६ सिल्दजुरेका कृषकलाई व्यवसायिक खेतिमा आबद्ध गराई बाखिन गएको जग्गा र भिरालो खेतीयोग्य जग्गाको सदुपयोग गर्ने तथा व्यवसायिक खेतिमार्फत आम्दानी वृद्धि गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७३/७४मा जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्कीबाट अलैंची बालीको पकेट स्थापना गरीएको थियो ।

५.१३.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

अलैंचीको पकेट सञ्चालनका लागि रु. २ लाख विनियोजन भएको थियो । यसअन्तर्गत अलैंची विरुवा खरिद, दुवानी र रोपण, पकेट क्षेत्रमा सिंचाई व्यवस्थापन सम्बन्धि कार्य भएको थियो । स्थापनाको वर्ष बालि लगाएको क्षेत्रफल २१५ रोपनी रहेकोमा पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट थप १२० रोपनी क्षेत्रफल विस्तार भई ३३५ रोपनी पुगेको थियो ।

५.१३.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट सञ्चालित अलैंची पकेट विकास कार्यक्रमले पकेट सञ्चालन स्थानका बाखो जमिनको सदुपयोग गराई रोजगारी सृजना गरी आयआर्जन वृद्धि गर्न सहयोग

पुगेको पाईयो । पकेटबाट ब्लकमा स्तरोन्ती भई ब्लकबाट जोनमा समावेश भएको यस पकेटमा हाल यो समूहअन्तर्गत नै १६०० रोपनीभन्दा बढीमा अलैंची खेती भईरहेको र कृषकहरुको मूख्य आयश्रोतका रूपमा रहेको पाईयो ।

५.१३.४ पकेट संचालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

छलफलको क्रममा दक्ष कामदारको अभाव, अलैंची उत्पादन क्षेत्रमा बार बन्देज गर्न नसकेकाले जङ्गली जनावरको समस्या, अलैंचीको मूल्यमा आउने उतारजढाव तथा बजारको समस्या मूख्य समस्याको रूपमा प्रस्तुत भए ।

५.१४ सेतीखोला द्यामांग अलैंची पकेट, मादी-२

५.१४.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

मादी गाउँपालिका वडा नं.२, सेतीखोलाका कृषकलाई व्यवसायिक अलैंची खेतीमा आबद्ध गराई बाँध्ने रहेको जग्गा र भिरालो खेतीयोग्य जग्गाको सटुपयोग गर्ने तथा व्यवसायिक खेतिमार्फत आमदानी वृद्धि गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७५/७६ देखि २०७६/७७ सम्म कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजाबाट अलैंची बालीको पकेट संचालन भएको थियो ।

५.१४.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

अलैंची पकेट कार्यक्रम संचालनमा पहिलो वर्ष रु. ५ लाख र दोस्रो वर्ष रु. ४,५३,७९७ रकम अनुदान प्रवाह भएको थियो । पहिलो वर्ष क्षेत्र विस्तारका लागि विरुद्ध तथा मल सहयोग भएको र निरन्तरताको वर्षमा औजार, तराजु, बारबन्देज व्यवस्थापनको लागि सहयोग भएको जानकारी प्राप्त भयो ।

५.१४.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट सञ्चालित अलैंची पकेट विकास कार्यक्रमले पकेट संचालन स्थानमा बाखो जमिनको सटुपयोग गराई रोजगारी सृजना तथा आर्थिक रूपमा सम्पन्नता ल्याएको जानकारी सामूहिक छलफलको क्रममा प्राप्त भएको थियो । यस कार्यक्रमबाट करीब १८० रोपनी अलैंचीको क्षेत्रफल विस्तारमा सहयोग पुगेको र यो पकेट ब्लकमा स्तरोन्ती भई ब्लकबाट हाल अलैंची जोनमा समावेश भएको पाईयो ।

५.१४.४ पकेट संचालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतिहरू

हाल पकेट क्षेत्रमा अलैंची उत्पादनमा भारी गिरावट आएको र पहिले ६-७ टन उत्पादन हुने क्षेत्रमा हाल २ टन मात्र उत्पादन भएको जानकारी प्राप्त भयो । पकेट अन्तर्गत ल्याएको जिर्मले जातको २,५०,००० अलैंचीको विरुद्ध फाल्नुपरेको जानकारी छलफलबाट प्राप्त भयो । त्यस्तै दक्ष कामदारको अभाव, अलैंची उत्पादन क्षेत्रमा बार बन्देज गर्न नसकेकाले जङ्गली जनावरको समस्या, सिंचाईको व्यवस्थापनमा समस्या, अलैंचीको मूल्यमा आउने उतारजढाव तथा बजारको समस्या मूख्य समस्याको रूपमा रहेको जानकारी

प्राप्त भयो ।

५.१५ श्री याङ्गजाकोठ अलैची तथा कफी कृषि समूह (अलैची पकेठ), मादी-३

५.१५.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

मादी गाउँपालिका वडा नं. ३ का कृषकलाई व्यवसायिक खेतिमा आबद्ध गराई बाँझो रहेको जग्गा र भिरालो खेतीयोग्य जग्गाको सदुपयोग गर्ने तथा व्यवसायिक खेतिमार्फत आम्दानी वृद्धि गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७६/७७ मा कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजाबाट अलैची बालीको पकेट स्थापना गरीएको थियो ।

५.१५.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

अलैचीको पकेट संचालनका लागि रु. १,६३६,००० विनियोजन भएको थियो । यसअन्तर्गत अलैची विरुवा खरिदका साथै अलैची भट्टी निर्माण सम्बन्धि कार्य भएको जानकारी प्राप्त भयो ।

५.१५.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट सञ्चालित अलैची पकेट विकास कार्यक्रमबाट सो वर्षमा अलैचीको क्षेत्रविस्तार भएतापनि अलैची खेतीको लागि सुहाउँदो भुगोल र हावापानी नभएको कारण पछिल्ला आ.व.हरूमा अलैची मासिदै गएको र कृषकरुहरुले निरन्तरता दिन नसकेकोले यो पकेट असफल पकेटका रूपमा रहेको पाईयो ।

५.१६ वंगुर पकेठ (जलजला वंगुर बितरक समूह), पोखरा-२७, जलजले

५.१६.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

पोखरा महानगरपालिका वडा नं २७ जलजलेमा बझुरपालन मार्फत कृषकको जीविकोपार्जन र आयस्तरमा सुधार गर्ने उद्देश्यले आ.व. २०७९/८० मा बझुर पकेटको स्थापना भएको थियो । यस पकेट स्थानीय तह अन्तर्गत पोखरा महानगरपालिकाले सञ्चालन गरेको थियो । उक्त पकेटमा ८० जना कृषकहरुको सहभागिता रहेको थियो ।

५.१६.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट कार्यक्रम अन्तर्गत कोल्ड रुम निर्माण तथा पाठा वितरण, माउ बंगुर पालन तथा जैविक सुरक्षा सामग्री वितरण (प्रमुख ब्रिड-ल्याण्डरेस र योर्कसायर) भएको जानकारी छलफलबाट प्राप्त भएको थियो । पकेट संचालनको लागि रु. १६ लाख (निरन्तरता सहित) विनियोजन भएको र रु. १५९६४०६ खर्च भएको जानकारी पोखरा महानगरपालिकाबाट प्राप्त भएको थियो ।

५.१६.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट सञ्चालन भएको बझुर पकेट विकास कार्यक्रमले पकेट क्षेत्रमा बझुर पालन मार्फत कृषकको आम्दानी वृद्धिमा सहयोग पुऱ्याएको र उन्नत प्रजातिको छनौट जस्तै

योर्कसायर, ल्यान्डरेस, तथा सन्तुलित आहार, स्वास्थ्य व्यवस्थापन साथसाथै प्रजनन व्यवस्थापनमा सहयोग पुगेको जानकारी कृषकबाट आएको थियो ।

५.१६.४ पकेट सञ्चालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतीहरू

बझुरपालन व्यवसायमा विभिन्न रोग संक्रमणको सामना गर्नुपर्ने कुरा कृषकको रहेको छ । बजार व्यवस्थापन हुन नसक्नु, वित्तीय समस्या, प्रविधि र तालिमको अभाव रहेको कुरा कृषकले बताएका थिए । बझुरपालन व्यवसाय गर्दा आवश्यक पुँजी अभाव हुँदा उत्पादन र उत्पादकत्व बढाउन कठिनाइ भएको कुरा कृषकको रहेको छ ।



जलजले बंगुर वितरक समूहको भवन

५.१७ घाचोक धान खेती पकेट, माछापुच्छे-३, काडबाड

५.१७.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

माछापुच्छे गाउँपालिका वडा नं ३, काडबाडमा आधुनिक प्रविधि प्रयोग मार्फत धानको उत्पादन वृद्धि गरी कृषकहरूको आयस्तरमा सुधार साथसाथै आत्मनिर्भर बनाउने उद्देश्यले आर्थिक वर्ष २०७३/७४ मा धान खेती पकेटको स्थापना भएको थियो । जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्कीबाट सञ्चालन भएको पकेट कार्यक्रममा २७ कृषक परिवारको संलग्नता रहेको थियो ।

५.१६.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट सञ्चालनको पहिलो वर्षमा साना सिंचाइ कार्यक्रम (पाइप सिंचाई योजना), रासायनिक मल, टिनको भकारी खरिद तथा वितरण जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको कृषकले बताएका थिए । सोही स्थानमा आर्थिक वर्ष २०७५/७६ र २०७६ /७७ मा कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजाबाट पुरानो धान पकेटलाई सहयोग

कार्यक्रम सञ्चालन भई धान भार्ने मेसिन तथा धानको वीउ खरिद तथा वितरणमा सहयोग भएको जानकारी प्राप्त भएको थियो ।

५.१७.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट सञ्चालन भएको धानबाली पकेट क्षेत्रमा धानको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि भएको र उक्त पकेटमा चक्कलाबन्दी गरी सामूहिक खेती गरेको र सामूहिक खेतीबाटै आफूलाई वर्षभरि खान पुगेर बाँकि बाहिर पनि बेच्ने गरेको कुरा कृषकहरूले बताएका थिए । जेठोबुढोको धान प्रति मुरी ६ हजारमा बिक्री गर्ने र गुर्दी प्रति मुरी ५ हजारमा बिक्री गर्ने कृषकले बताएका थिए ।

५.१७.४ पकेट सञ्चालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतीहरू

उक्त पकेटमा श्रमको निकै अभाव रहेको र खनजोत, बाली कटानी र ढुवानी कार्यको लागि पर्याप्त यान्त्रिकरण हुन नसकेको कृषकले बताएका थिए । श्रम अभावका कारण अपेक्षाकृत रूपमा उत्पादन बढाउन नसकेको र अधिकांश कृषक घरधुरीहरू पशुपालन र अन्य पेशामा आबद्ध भएको जानकारी प्राप्त भएको थियो ।



घाचोक धान खेती पकेटमा छलफल तथा घरधुरी सर्वेक्षण हुँदै

५.१८ तरकारी पकेट (घिताल महिला कृषि सहकारी लिमिटेड र डिडि अर्गानिक कृषक समूह), माछापुच्छे-६ र ८

५.१८.१ पकेटको परिचयात्मक विवरण

माछापुच्छे गाउँपालिका वडा नं ६ र ८ का कृषकलाई व्यवसायिक तरकारी खेती मार्फत कृषकहरूको आयस्तरमा सुधार गर्ने उद्देश्यले आर्थिक वर्ष २०७६/ ७७ मा तरकारी पकेटको स्थापना भएको थियो ।

कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गाबाट सञ्चालन भएको उक्त पकेटमा करिब ६० जना कृषक परिवारको संलग्नता रहेको थियो ।

५.१८.२ पकेट क्षेत्रमा सञ्चालित कार्यक्रमहरू

पकेट कार्यक्रम अन्तर्गत पहिलो वर्ष अस्थायी तथा स्थायी टनेल निर्माण, वीउबिजन, प्लाष्टिक जस्ता कृषि सामग्री खरिद तथा वितरण भएको र दोस्रो वर्ष मिनीटिलर, मल्चड प्लाष्टिक, स्प्रेयर, विषादी खरिद तथा वितरण भएको जानकारी प्राप्त भयो ।

५.१८.३ पकेट विकास कार्यक्रम सञ्चालनबाट परेको प्रभाव तथा हालको अवस्था

उक्त पकेट विकास कार्यक्रमले पकेट क्षेत्रमा तरकारीको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरी कृषकको आम्दानी वृद्धिमा सहयोग पुऱ्याएको र टमाटर खेती गरी वर्षभरि आम्दानी लिने अवसर प्राप्त भएको कृषकले बताएका थिए । भोलमोल र जैविक खेती प्रविधिको तालिम निकै नै लाभदायी भएको र आधुनिक प्रविधिको प्रयोग साथसाथै उन्त वीउबिजनले उत्पादन वृद्धिमा ठूलो भुमिका खेलेको जानकारी प्राप्त भएको थियो । भर्मसेड अनिवार्य रूपमा सबै तरकारी पकेट क्षेत्रमा निर्माण गरि प्रांगारिक खेती तर्फ कृषक उन्मूख रहेको जानकारी प्राप्त भयो ।

५.१८.४ पकेट सञ्चालनमा देखिएका समस्या तथा चुनौतीहरू

बिचौलियाहरूले किसानहरूबाट सस्तोमा तरकारी किनेर महँगोमा बेच्ने हुँदा किसानहरूलाई न्यायसँग मूल्य प्राप्त नहुने कुरा छलफलको क्रममा आएको थियो । प्राकृतिक प्रकोप जस्तै सुक्खा, खडेरी, रोग/किरा आदिले पनि खेतीमा क्षति पुऱ्याएको कृषकले बताएका थिए । बजार व्यवस्थापन, राम्रो सिँचाइ प्रणाली र प्रत्यक्ष बिक्री गर्न सके निकै नै फाइदाजनक हुने जानकारी प्राप्त भएको थियो ।



धिताल तरकारी पकेटमा घरधुरी सर्वेक्षण हुँदै

एवण्ड-६

कास्की जिल्लामा परियोजनाको
सुरुवात देखी हालसम्म संचालन
भएका पक्षेट कार्यक्रमको विवरण

६.१ पुरन्चौर तरकारी उत्पादन पकेट, पोखरा -१९, पुरन्चौर

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: पुरन्चौर तरकारी उत्पादन पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: तरकारी |
| ३. ठेगाना: पोखरा-१९, पुरन्चौर | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम : प्रमोद न्यौपाने |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८४६०६०४६० | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: तरकारी वीउ खरिद तथा प्रयोग, बेमौसमी तरकारी खेतीका लागि प्लाष्टिक घर निर्माण, थोपा सिंचाई जडान | |

६.२ ठूलाखेत धान खेती पकेट, पोखरा -२३, ठूलाखेत

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: ठूलाखेत धान खेती पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: धान |
| ३. ठेगाना: पोखरा-२३, ठूलाखेत | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : उप्रेन्द्र प्र. पराजुली |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८१७१४९६७४ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय : जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइज्ञा | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: साना सिंचाई कार्यक्रम (कुलो मर्मत योजना), रासायनिक मलको खरिद एंव प्रयोग, धान भार्ने मेसिन, धानको वीउ वितरण | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: आ.व. २०७३/७४: २ लाख, आ.व. २०७५/७६: २ लाख, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: आ.व. २०७५/७६: २ लाख, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: उत्पादन कार्य भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल विस्तार, कृषि आधुनिकीकरण, रोजगारी सृजना, उत्पादन वृद्धि | |

६.३ पैयु सार्दिखोला अलैंची खेती पकेट, माछापुच्छे-२, सार्दिखोला र पोखरा -१९,पुरन्वौर

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: पैयु सार्दिखोला अलैंची खेती पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: अलैंची |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे-२, सार्दिखोला र पोखरा-१९,पुरन्वौर | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : बासु तिवारी |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८१५१२१९७८ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय : जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: अलैंची विरुद्ध खरिद, दुवानी र रोपण, पकेट क्षेत्रमा सिंचाई व्यवस्थापन | |
| १०. पकेटको हालको अवस्था: पकेट पश्चात ब्लक कार्यक्रम संचालन भई हाल अलैंची जोनमा स्तरोन्तती भएको | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल वृद्धि, रोजगारी सृजना | |

६.४ निर्मलपोखरी कफी खेती पकेट, पोखरा -२१ र ३३

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: निर्मलपोखरी कफी खेती पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: कफी |
| ३. ठेगाना: पोखरा -२१ र ३३ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : भोला बानिया/सुमन पौडेल |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८२७१५१९२६/९८४६६१९६९२ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: कफी विरुद्ध खरिद, दुवानी र रोपण, कफी पल्टिपड मेसिन खरिद र पल्टिपड सेन्टर सुदृढिकरण, प्रशोधन यन्त्र, वीउ खरिद, नर्सरी व्यवस्थापन | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: रु. २०००००, आ.व. २०७६/७७: रु. ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: आ.व. २०७५/७६: रु. ११५९७०, आ.व. २०७६/७७: रु. ४५४६८४ | |

१२. पकेटको हालको अवस्था: कफी उत्पादन कार्य भईरहेको

१३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल विस्तार, उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि

६.५ पञ्चासे तरकारी पकेट, पोखरा -२३, घाँटिछिना

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: पञ्चासे तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: तरकारी |
| ३. ठेगाना: पोखरा -२३, घाँटिछिना | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: हरिमाया पराजुली/ नारायण प्र. पराजुली/ चेत बहादुर क्षेत्री |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८०६५३४०४०/ ९८१४१६९८९६/ ९८४६९३६८७९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: तरकारी वीउ खरिद तथा प्रयोग, बेमौसमी तरकारी खेतीका लागि प्लाष्टिक घर निर्माण, रासायनिक मल, प्राङ्गारिक मल, मिनिटिलर, वीउ वितरण भएको | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: रु. २,००,०००, आ.व. २०७६/७७: रु. ४,६६,८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: आ.व. २०७५/७६: रु. २,००,०००, आ.व. २०७६/७७: रु. ४,३६,५५९ | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: तरकारी उत्पादन भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल वृद्धि, उत्पादन/उत्पादकत्व वृद्धि, व्यवसायिक रूपमा तरकारी खेति गर्ने आकर्षण बढेको | |

६.६ भोर्लेटार कन्ये च्याउ खेती पकेट, पोखरा -३२, लामेआहाल

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: भोर्लेटार कन्ये च्याउ खेती पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: कन्ये च्याउ |
| ३. ठेगाना: पोखरा-३२, लामेआहाल | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: मनोरंजन पौडेल |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६०९३७८९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |

| |
|--|
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: २० वटा डोम घर निर्माण, कन्ये च्याउ वीउ तथा अन्य उत्पादन सामग्री खरिद तथा प्रयोग, स्थायी प्लाष्टिक घर निर्माण |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७३/७४: २८२०००, २०७५/७६: २०००००, २०७६/७७: ४६६८०० |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७३/७४: २८२०००, २०७५/७६: २०००००, २०७६/७७: ४५१८०९ |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: च्याउ उत्पादन भईरहेको |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन तथा आमदानी वृद्धि, रोजगारी सृजना, व्यवसायिक रूपमा च्याउ खेति गर्ने कृषकको संख्यामा वृद्धि भएको |

६.७ लामगादी मौरी पालन पकेट, पोखरा -३३, लामगादी

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: लामगादी मौरी पालन पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: मौरी |
| ३. ठेगाना: पोखरा-३३, लामगादी | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: शिवराज भण्डारी/देवी पौडेल/सुवास कुमार पुन |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०३७८७२/९८४६११९२७६/९८५६०३७८७२ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: आधुनिक मौरी घार खरिद, महदानी, पञ्जा, आधारचाका, चक्कु, टोपी लगायतका उपकरण खरिद | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: २,००,०००, २०७६/७७: ४,६६,८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: २,००,०००, २०७६/७७: ४,४९,४८४ | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा मह, मौरिगोला उत्पादनमा वृद्धि, रोजगारी सृजना, अन्य वालीको उत्पादनमा वृद्धि | |

६.८ कन्ये च्याउ खेति पकेट, पोखरा -१८

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: कन्ये च्याउ खेती पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: कन्ये च्याउ |
| ३. ठेगाना: पोखरा-१८ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: मिना घले (मिना कृषि फर्म) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०११६६२ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय : जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: २० वटा डोम घर निर्माण, कन्ये च्याउ वीउ, औजार, मल तथा अन्य उत्पादन सामग्री खरिद तथा प्रयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७३/७४: २८२०००, २०७५/७६: २०००००, २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७३/७४: २८२०००, २०७५/७६: २०००००, २०७६/७७: ४५१४१३ | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन तथा आमदानी वृद्धि | |

६.९ खास्टे ताल माछापालन पकेट, पोखरा -२६

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: खास्टे ताल माछापालन पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: माछा |
| ३. ठेगाना: पोखरा-२६ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: नबराज दुङ्गना (खास्टे मत्स्य तथा कृषि सहकारी) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०६१०९० | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र स्याइजा | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४ र २०७५/७६ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: माछा भुरा खरिद, नर्सरी पोखरी निर्माण र बांध मर्मत सुधार | |
| १०. जम्मा विनियोजन/प्रवाह भएको रकम रु.: २०७५/७६: २ लाख | |
| ११. पकेटको हालको अवस्था: माछा उत्पादन भईरहेको | |

१२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन कृद्धि

६.१० चापाकोट मौरी पालन पकेट, पोखरा -२३, चापाकोट

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: चापाकोट मौरी पालन पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: मौरी |
| ३. ठेगाना: पोखरा -२३, चापाकोट | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: पार्वतीपराजुली/प्रेमप्रसाद पराजुली/मेघनाथ पराजुली/जीवनाथ लामिछाने |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८०४११७४३०/९८०४१३५५८४/९८०४११२७७३/९८५६०४४७९९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: आधुनिक मौरी घार खरिद, महदानी, आधारचाका, चक्कु, टोपी लगायतका उपकरण खरिद | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: २ लाख र २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको रकम रु.: २०७५/७६: २ लाख र २०७६/७७: ४६१८९० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: हाल उत्पादन कार्य नभएको | |

६.११ लेखनाथ मत्स्य पालन पकेट, पोखरा -२७,२९ र ३०

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: लेखनाथ मत्स्य पालन पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: माछा |
| ३. ठेगाना: पोखरा-२७, २९ र ३० | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: जंग बहादुर गुरुड/ओम कुमारी पुनु/गुरु प्रसाद भण्डारी |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८१४१२५३७७/९८०४१४६६८९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४ र २०७५/७६ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: माछा भुरा खरिद, नर्सरी पोखरी निर्माण र डिप फ्रिज, महाजाल, हातेजाल, दाना बनाउने मेसिन, डिजिटल काटा खरिद | |
| १०. जम्मा विनियोजन/प्रवाह भएको रकम रु.: आ.व. २०७५/७६: २ लाख | |

११. पकेटको हालको अवस्था: संचालनमा नरहेको

६.१२ रेन्वोट्राउट माछापालन पकेट, पोखरा -१९, सार्दिखोला, माछापुच्छे-२, सार्दिखोला, माछापुच्छे-७, मर्दिखोला

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: रेन्वोट्राउट माछापालन पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: रेन्वोट्राउट माछा |
| ३. ठेगाना: पोखरा -१९, सार्दिखोला, माछापुच्छे-२, सार्दिखोला, माछापुच्छे-७, मर्दिखोला | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: इन्द्र गौचन |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०२६६७९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: रेस वेमा पानी व्यवस्थापनको लागि पानी आपूर्ति प्रणाली निर्माण, रेस वे को विस्तार | |
| १०. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन, आमदानी वृद्धि | |

६.१३ थुम्की सुन्तला बाली पकेट, रुपा-१, च्यार्पे

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: थुम्की सुन्तला बाली पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: सुन्तला |
| ३. ठेगाना: रुपा-१, च्यार्पे | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम : बुद्धि कुमार क्षेष्ठ/धर्मराज न्यौपाने (उन्नतिशील सुन्तला कृषि सहकारी संस्था) |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८४६७८९७९८/९८६११२३३०० | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्जा | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: सुन्तला विरुद्ध खरिद, दुवानी र रोपण, सिंचाई व्यवस्थापन, बगैँचा सुदृढिकरणको लागि सुक्ष्म तत्व, ब्रोडो पेष्ट र ब्रोडो मिश्रणको प्रयोग, औजार, भर्याड, पावर स्प्रे, मल खरिद भएको | |

| |
|--|
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: आ.व. २०७५/७६: २,००,०००, आ.व. २०७६/७७: ३७६९९१ |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: उत्पादन काई भईरहेको |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्र विस्तार, सुन्तला बगैंचा व्यवस्थापनमा टेवा पुगी उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि |

६.१४ हंसपुर मौरी पालन पकेट, रूपा-७, हंसपुर

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: हंसपुर मौरी पालन पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: मौरी |
| ३. ठेगाना: रूपा-७, हंसपुर | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम : दान ब. थापा/चित्र ब. घर्ती |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६९७५३४१/९८६३३७९८५ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: आधुनिक मौरी घार खरिद, महदानी, आधार चाका, चक्कु, टोपी, पञ्जा लगायतका उपकरण खरिद | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: आ.व. २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४४९२१७ | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: मह उत्पादन भईरहेको | |
| १४. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा मह, मौरिगोला उत्पादनमा वृद्धि, रोजगारी सृजना, अन्य वालीको उत्पादनमा वृद्धि | |

६.१५ रूपाताल माछापालन पकेट, जलआधार क्षेत्र

| | |
|--------------------------------------|---|
| १. पकेटको नाम: रूपाताल माछापालन पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: माछा |
| ३. ठेगाना: रूपा ताल जलआधार क्षेत्र | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम : शिवराज अधिकारी (रूपाताल पुर्नस्थापना तथा मत्स्यपालन सहकारी संस्था) |

| | |
|--|--|
| ५. सम्पर्क नं. : ९८४६३४३१५६/९८५६०३७६४९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४ र २०७५/७६ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: माछा भुरा खरिद र दाना खुवाएर माछा उत्पादन प्रविधि प्रदर्शन, फिसिङ्ग स्पोट निर्माण र नर्सरी पोखरी सुधार | |
| १०. जम्मा विनियोजनको भएको रकम रु.: २०७५/७६: २,००,००० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: उत्पादन भईरहेको, मत्स्य विकास केन्द्र, मिर्मीबाट सहयोग भएको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: माछाको उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सृजना | |

६.१६ हंसपुर कफी खेति पकेट, रुपा-७, हंसपुर

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: हंसपुर कफी खेति पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: कफी |
| ३. ठेगाना: रुपा-७, हंसपुर | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : जीबनाथ सुवेदी (सार्दीखोला कफी उत्पादक सहकारी संस्था) |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८४६२१८७१३ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: कफी वीउ/विरुवा खरिद, दुवानी र रोपण, कफी संकलन एंव पल्पिड सेन्टर सुदृढिकरण, प्रशोधन यन्त्र, नर्सरी व्यवस्थापन | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: आ.व. २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: कफी उत्पादन तथा प्रशोधन भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्र विस्तार, कफी उत्पादन/उत्पादकत्व वृद्धि, विरुवा उत्पादनमा वृद्धि | |

६.१७ घाचोक धान खेती पकेट, माछापुच्छे-३, काडवाङ

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: घाचोक धान खेती पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: धान |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे-३, काडवाड | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : बोधराज पोख्रेल/अर्जन प्र. पोख्रेल |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८६१९९७२७९/९८४८३०३४१३ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: साना सिंचाई कार्यक्रम (पाईप सिंचाइ योजना), रासायनिक मलको खरिद एंव प्रयोग, धान भार्ने मेसिन, धानको वीउमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: आ.व. २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४५३९९९ | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: उत्पादन कार्य भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: धानको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरी कृषकको आमदानी वृद्धिमा सहयोग | |

६.१८ कोलेली कालिमाटि अलैंची खेती पकेट, माछापुच्छे-८, कोलेली कालिमाटि

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: कोलेली कालिमाटि अलैंची खेती पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: अलैंची |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे-८, कोलेली कालिमाटि | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: जीवनाथ लामिछाने |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८०४११९४७८ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: अलैंची विरुवा खरिद, दुवानी र रोपण, पकेट क्षेत्रमा सिंचाई व्यवस्थापन, सधारिएको अलैंची भट्टी निर्माण | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |

११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: आ.व. २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४६६८००

१२. पकेटको हालको अवस्था: संचालनमा रहेको, अलैंची जोनमा स्तरोन्तती

१३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल थप, रोजगारी सृजना, आमदानी वृद्धिमा सहयोग

६.१९ लाहचोक प्लाष्टिक घरभित्र तरकारी पकेट, माछापुच्छे-४,लाहाचोह

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: लाहचोक प्लाष्टिक घरभित्र तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: तरकारी |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे-४,लाहाचोह | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम : लक्ष्मी रानाभाट/कृष्ण अधिकारी |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८४६२७७४९९/९८४६४६७५९९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: तरकारी वीउ खरिद तथा प्रयोग, बेमौसमी तरकारी खेतिका लागि प्लाष्टिक घर निर्माण, मिनिटिलर, रासायनिक मलमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: आ.व. २०७५/७६: २०००००, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल विस्तार, उत्पादन/उत्पादकत्व वृद्धि, कृषि औजार उपकरण को प्रयोगमा वृद्धि भई जनशक्तिको अभावलाई पूर्ति गर्न ठुलो सहयोग पुगेको | |

६.२० पोंसी अलैंची खेति पकेट, मादी-८,पोंसी

| | |
|---------------------------------------|--|
| १. पकेटको नाम: पोंसी अलैंची खेति पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: अलैंची |
| ३. ठेगाना: मादी-८,पोंसी | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: विनासी गुरुङ/खडनार्जुण गुरुङ |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६९९४६८१/९८६६०५८०२४ | |

| | |
|--|--|
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय : जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: अलैंची विरुवा खरिद, दुवानी र रोपण, पकेट क्षेत्रमा सिंचाई व्यवस्थापन, सधारिएको अलैंची भट्टी निर्माण | |
| १०. जम्मा विनियोजन/प्रवाह भएको रकम रु.: २ लाख | |
| ११. पकेटको हालको अवस्था: सफल हुन नसकेको | |

६.२१ नामार्जुङ सिल्दजुरे अलैंची खेति पकेट, मादी-२ नामार्जुङ र ६-सिल्दजुरे

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: नामार्जुङ सिल्दजुरे अलैंची खेति पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: अलैंची |
| ३. ठेगाना: मादी-२, नामार्जुङ र ६, सिल्दजुरे | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: सुरेन्द्र जंग क्षेत्री/धर्मनाथ सापकोटा |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८१९९९८४८७/ ९८१७१८९१७४ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: अलैंची विरुवा खरिद, दुवानी र रोपण, पकेट क्षेत्रमा सिंचाई व्यवस्थापन | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७३/७४: २लाख | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७३/७४: २लाख | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: अलैंची उत्पादन भईरहेको, अलैंची जोनमा स्नरोन्नती | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल विस्तार, रोजगारी सृजना | |

६.२२ ढिकुरपोखरी तरकारी बाली पकेट, अन्नपूर्ण-०२, ढिकुरपोखरी

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: ढिकुरपोखरी तरकारी बाली पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: अन्नपूर्ण-०२, ढिकुरपोखरी | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: टंक आचार्य |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८६९०४२३३८/ ९८०५८९२९८७ | |

| | |
|--|--|
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: तरकारी वीउ, मिनि टिलर खरिद तथा प्रयोग, बेमौसमी तरकारी खेतिका लागि प्लाष्टिक घर निर्माण | |
| १०. जम्मा विनियोजन/प्रावह भएको अनुदान रकम रु.: २ लाख | |
| ११. पकेटको हालको अवस्था: तरकारी उत्पादन कार्य भईरहेको | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल विस्तार, उत्पादन/उत्पादकत्व वृद्धि, रोजगारी थप | |

६.२३ आडबाड धान खेति पकेट, अन्नपूर्ण-०८, आडबाड

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: आडबाड धान खेति पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: धान |
| ३. ठेगाना: अन्नपूर्ण-०८, आडबाड | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: ताराखर न्यौपाने/इन्द्र बहादुर कुँवर |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६०३५५२७/९८५६०३८६५५ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६, २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: साना सिंचाई कार्यक्रम (पाईप सिंचाई आयोजना), रासायनिक मलको खरिद एंव प्रयोग, धान भार्ने मेसिन खरिद, धानको वीउमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.:, २०७५/७६: २ लाख, २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: २लाख, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल थप, उत्पादन/उत्पादकत्व वृद्धि, रोजगारी सृजना | |

६.२४ ढिकुरपोखरी कफी खेति पकेट, अन्नपूर्ण-०९, ढिकुरपोखरी

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: ढिकुरपोखरी कफी खेति पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: कफी |
|---|--|

| | |
|--|---|
| ३. ठेगाना: अन्नपूर्ण-०१, ढिकुरपोखरी | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: बलराम कुँवर/ सोभाखर अधिकारी |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६२२५१०८/ ९८४६७२८३९० | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की र कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४, २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: कफी विरुद्ध, हुवानी र रोपण, कफी संकलन एंव पल्टिङ सेन्टर सुदूरढिकरण प्रशोधन यन्त्र, सिचाई व्यस्थापनमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: रलाख, २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: रलाख, आ.व. २०७६/७७: ४६६८०० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: कफी उत्पादन तथा प्रशोधन कार्य भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल वृद्धि, थप रोजगारी सृजना | |

६.२५ घान्दुक अलैंची खेति पकेट, अन्नपूर्ण-११, घान्दुक

| | | |
|--|---|--|
| १. पकेटको नाम: घान्दुक अलैंची खेति पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: अलैंची | |
| ३. ठेगाना: अन्नपूर्ण-११, घान्दुक | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: विशाल गुरुङ | |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८०४१२५८२/९८४६०४८८१६ | | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७३/७४ | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की | ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: अलैंची विरुद्ध, हुवानी र रोपण, पकेट क्षेत्रमा सिंचाई व्यवस्थापन | |
| १०. पकेटको हालको अवस्था: अलैंची उत्पादन भईरहेको, अलैंची जोनमा स्तरोन्ती, केही विरुद्ध मरेका | | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: अलैंचीको क्षेत्रफल वृद्धि, रोजगारी सृजना, आमदानी वृद्धि | | |

६.२६ गंगापूर्ण सक्रिय तरकारी पकेट, अन्नपूर्ण गाउपालिका-२

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: गंगापूर्ण सक्रिय तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: अन्नपूर्ण गाउपालिका-२ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: टंक प्रसाद अधिकारी |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०१७१७० | |
| ६. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७५/७६ (पुरानो पकेटलाई अनुदान) र २०७६/७७ |
| ८. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: वीड, औजार, मल खरीद तथा प्रयोग र प्लाष्टिक टनेल निर्माणमा सहयोग | |
| ९. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: २लाख, २०७६/७७: ४६६८०० | |
| १०. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: २लाख, आ.व. २०७६/७७: ४५४२६३ | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा तरकारी खेति गर्न आकर्षण बढेको | |

६.२७ तरकारी पकेट, रुपा-७, तोरीबारी

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: अदुवा पकेट कार्यक्रम आएता पनि तरकारीको काम भएको |
| ३. ठेगाना: रुपा-७, तोरीबारी | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: माधव पौडेल/सन्तोष खनाल (उर्जा अर्गानिक कृषि फर्म) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०३७२१९/९८५६०२१५२० | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय : कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पहिलो वर्ष: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा, दोस्रो वर्ष: रुपा गाउपालिका | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: १९ वटा स्थाई प्लाष्टिक घर निर्माण | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६०००, २०७७/७८: | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७६/७७: १६३६०००, २०७७/७८: २५०००० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: तरकारी उत्पादन भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: रोजगारी सृजना, स्थानीय बजारको माग आपूर्ति, उत्पादनमा वृद्धि | |

६.२८ केरा पकेट, रुपा -४, सिद्ध

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: केरा पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: केरा |
| ३. ठेगाना : रुपा -४, सिद्ध | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: त्रीलोचन रेमी/ नवराज घिमिरे (सिद्धेश्वर अर्गानिक कृषि समूह) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६३८११९४२०/९८४६५६३००० | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/ सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पहिलो वर्ष: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा, दोस्रो वर्ष: रुपा गाउँपालिका | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: मल, बेर्ना खरिद, सिंचाइको लागि पाइप खरिदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: हाल सफल रूपमा केरा उत्पादन निरन्तरतामा जान नसकेको, धेरै विरुद्ध मरेका, केही कृषकले मात्र निरन्तरता दिएको | |

६.२९ कफी पकेट, रुपा-६, रुपाकोट

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: कफी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: कफी |
| ३. ठेगाना: रुपा-६, रुपाकोट | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: समिला गुरुङ/त्रीबिक्रम के. सी., क्या हर्क ब. गुरुङ (रुपाकोट साना किसान कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८१६१७१७०८/९८४९१३४१२०/९७४६००७४७९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/ सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पहिलो वर्ष: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा, दोस्रो वर्ष: रुपा गाउँपालिका | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: क्षेत्रफल विस्तार (१६००० विरुद्ध वितरण), निलोतुथो खरिद, नर्सरी व्यवस्थापन, औजार खरिद, यन्त्रिकरण सहयोग (खन्ने मेसिन, पावर टिलर, ड्रम) | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० | |

११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७६/७७:१६३६०००

१२. पकेटको हालको अवस्था: बढी संख्यामा विरुवा लगाउने कृषकको डेढेलोले सखाप पारेको, सफलतापूर्वक कफी उत्पादन हुन नसकेको

६.३० कागती पकेट, रुपा-५, देउराली

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: कागती पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: कागती |
| ३. ठेगाना: रुपा-५, देउराली | |
| ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: राम बाबु पौडेल/जनक जोशी/चित्र कुमार क्षेष्ठ | |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०७००५०/९८४६४४०२६९/९८१६६६३२८३ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पहिलो वर्ष: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा, दोस्रो वर्ष: रुपा गाउँपालिका | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: सिकेचर, आरी, तराजु, ड्रम, ब्रस कटर, स्प्रे, निलोतुथो, वाल्टी, प्राङ्गारिक मल, कागती वेर्ना, पाईप खरीदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७:१६३६००० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७६/७७:१६३६००० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: कागती फल्न सुरु गरेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: बाझो जमिनमा फलफुल खेति गर्न कृषकहरुको आकर्षण बढेको | |

६.३१ रुपाकोट मौरी पकेट, रुपा गाउँपालिका-६, धरमडाँडा

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: रुपाकोट मौरी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: मौरी |
| ३. ठेगाना: रुपा गाउँपालिका-६, धरमडाँडा | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: जुरेली मिया (सफल मौरी पालन कृषक समूह) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८२४१३००९४/ ९८०५८३९०१० | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: मौरी गोला सहित घार वितरण, पञ्जा, महदानी खरिदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ५लाख | |

| |
|---|
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४६७००० |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: मह उत्पादन भईरहेको |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा मह, मौरि गोला उत्पादनमा वृद्धि, रोजगारी सृजना, अन्य वालीको उत्पादनमा वृद्धि |

६.३२ धिताल धान बालि पकेट, माछापुच्छे गाउँपालिका-६, धिताल

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: धिताल धान बालि पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: धान |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे गाउँपालिका-६, धिताल | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: मिन राज पौडेल |
| ५. सम्पर्क नं. : | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय : कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७५/७६ र २०७६/७७ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: वीउ, प्राङ्गारिक मल, औजार खरिदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४५१४५३ | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: धान उत्पादन कार्य भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफलमा विस्तार, कृषि आधुनिकीकरण, रोजगारी सृजना, उत्पादनमा वृद्धि | |

६.३३ पौरखी कोदो पकेट, माछापुच्छे गाउँपालिका-६ र ९

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: पौरखी कोदो पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: कोदो |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे गाउँपालिका-६ र ९ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम : कुल प्रसाद अधिकारी |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०३५३४५ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७५/७६ र २०७६/७७ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: मल, वीउ, सिंचाइको लागि पाइप, औजार खरिदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४५१४२७ | |

१२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: कोदो प्रसोधनमा सहज भएको, रैथाने वालीको प्रवर्द्धनमा टेवा पुगेको

६.३४ च्याउ पकेट, माछापुच्छे २ र पोखरा २५

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: च्याउ पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: च्याउ |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे २ र पोखरा २५ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: विष्णु रेग्मी/कृष्ण प्रसाद गौतम (बाँस्कोट कृषि फर्म, बाँस्कोट कृषि तथा च्याउ फर्म, माछापुच्छे च्याउ फर्म, गण्डकी च्याउ फर्म) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६२०२४११/९८४७७११९७० | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय : कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा र माछापुच्छे गाउँपालिका | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: पराल, वीउ, प्लाष्टिक, स्थायी प्लाष्टिक घर (११ वटा) निर्माणमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: ८००००० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: ८००००० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: च्याउ उत्पादन भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा च्याउ खेति गर्ने कृषकको संख्यामा वृद्धि, उत्पादनमा वृद्धि | |

६.३५ तरकारी पकेट, माछापुच्छे ६ र ८

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे ६ र ८ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: नेत्र प्रसाद भण्डारी/पार्वती भण्डारी पौडेल (धिताल महिला कृषि सहकारी लिमिटेड र इंदिरा अर्गानिक कृषक समूह) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०२५१५८ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा र माछापुच्छे गाउँपालिका | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: स्प्रे ५ वटा, मिनिटिलर ७ वटा, सिचाइ पाइप १५००मि., प्राङ्गारिक मल, तरकारी वीउ नर्सरी १, जैविक विषादीमा सहयोग | |

| |
|---|
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: ८००००० |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: ८००००० |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: तरकारी उत्पादन भईरहेको |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: भर्मीसेड अनिवार्य रूपमा सबै तरकारी पकेटमा निर्माण गरि प्राङ्गारिक खेती तर्फ कृषक उन्मूख रहेको |

६.३६ तरकारी पकेट, माछापुच्छे ९

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे-९ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: राम बहादुर गुरुङ/मुक्तिनाथ तिमल्सेना (सैतिमर्दी कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६६२१३२६/९८४६३५५९१२ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा र माछापुच्छे गाउँपालिका | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: थोपा सिचाई जडान, मिनिटिलर खरिद, रासायनिक मल, प्राङ्गारिक मल, प्लाष्टिक टनेल (७ वटा) निर्माण कार्यमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: ८००००० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: ८००००० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: तरकारी उत्पादन भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: सिंचाई व्यवस्थापनको कार्यक्रमबाट सिंचित क्षेत्रफल लगायत उत्पादनमा वृद्धि भएको | |

६.३७ मौरी पकेट, मादी-११

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: मौरी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: मौरी |
| ३. ठेगाना: मादी-११ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: पृतीराज लामिछाने/नन्द सिरी गुरुङ (लम्तरी मौरी पालन समूह) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६०५९४१२/९८१४१५७४९१ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |

| | |
|--|--|
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालयः पहिलो वर्षः कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरुः मौरी गोला सहित घार, पञ्जा, महदानी, चक्कु, चिनी चास्नी खरीदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन/प्रवाह भएको रकम रु.: १६३६००० | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरुः व्यवसायिक रूपमा मह, मौरिगोला उत्पादनमा वृद्धि, रोजगारी सृजना, अन्य वालीको उत्पादनमा वृद्धि | |

६.३८ अलैची पकेट, मादी -३

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नामः अलैची पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तुः अलैची |
| ३. ठेगाना: मादी-३ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नामः सन्त बहादुर गुरुङ (श्री याङ्गजाकोट अलैची तथा कफी कृषि समूह) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८०५८६७३६८ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालयः कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालयः कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरुः अलैची भट्टी निर्माण, विरुवा खरीदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन/प्रवाह भएको रकम रु.: १६३६००० | |
| ११. पकेटको हालको अवस्था: सफलतापूर्वक अलैची उत्पादन हुन नसकेको | |

६.३९ रोहिंगाउँ अलैची पकेट, मादी-२, रोहिंगाउँ

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नामः रोहिंगाउँ अलैची पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तुः अलैची |
| ३. ठेगाना: मादी-२, रोहिंगाउँ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नामः सुरेन्द्र जंग क्षेत्री |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८१७१८९१७४ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालयः कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालयः कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७५/७६ (पुरानो पकेटलाई सहयोग) र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरुः वीउ, अलैची भट्टी निर्माण, पाइप खरीद, प्रांगारिक मल खरीदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: २ लाख र २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: २ लाख र २०७६/७७: ४५३८५३ | |

१२. पकेटको हालको अवस्था: अलैंची उत्पादन भईरहेको, अलैंची जोनमा स्नरोन्ती

१३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल विस्तार भएको, उत्पादन तथा आम्दानी वृद्धि

६.४० सेतीखोला घ्याम्रांग अलैंची पकेट, मादी-२, सेतीखोला

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: सेतीखोला घ्याम्रांग अलैंची पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: अलैंची |
| ३. ठेगाना: मादी-२, सेतीखोला | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: पदम लाल सापकोटा |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८२३५२८२९९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: सिचाइ पोखरी, औजार, विरुवामा रहेको | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४५३७९७ | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: अलैंची उत्पादन भईरहेको, अलैंची जोनमा स्नरोन्ती | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: क्षेत्रफल विस्तार, बाखो जमिनको सदुपयोग, आर्थिक सम्पन्नता ल्याएको | |

६.४१ तरकारी पकेट, अन्नपुर्ण-३

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: अन्नपुर्ण-३ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: टुल्की देवी दाहाल/भरत प्रसाद दाहाल (लेवाडे अर्गानिक कृषि समूह र राज मल्ला अर्गानिक) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८१६१५६४०९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: औजार, तरकारी वीउ, प्लाष्टिक टनेल ७ वटा, नर्सरी घर, प्राङ्गारिक मल, जैविक विषादी, पाइप २००० मि. आदिमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन/खर्च भएको रकम रु.: १६३६००० | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा तरकारी खेति गर्न आकर्षण बढेको, आम्दानी वृद्धि | |

६.४२ सुन्तला पकेट, अन्नपुर्ण-८

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: सुन्तला पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: सुन्तला |
| ३. ठेगाना: अन्नपुर्ण-८ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: लिलाधर सुवेदी (दाडसिङ सुवेदी कृषि फर्म) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६५७२१०२ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरू: क्षेत्रफल विस्तार, निलोतुथो खरिद, सिकेचर, आरी जस्ता काटछाट गर्ने औजार खरिद, सिंचाइको लागि पाइप खरिदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन/खर्च भएको रकम रु.: १६३६००० | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरू: सुन्तलाजात फलफूलको क्षेत्रफलमा भारी विस्तार र सुन्तला बगैँचा व्यस्थापनमा टेवा पुगेको | |

६.४३ तरकारी पकेट, अन्नपुर्ण-२

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: अन्नपुर्ण-२ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: राजेन्द्र अधिकारी/दिननाथ अधिकारी (भविष्य हाप्रो हातमा कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८६४४३३९७१/९८४६३८५२८६ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरू: मेशिनरी औजार खरिद, भर्मिसेड निर्माण, सिंचाइ पाइप, प्राङ्गारिक मल वितरण, तरकारी वीउ खरिदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन/खर्च भएको रकम रु.: १६३६००० | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरू: स्थानीय बजारको मागलाई पूर्ति गरि रोजगारी सृजना गरेको | |

६.४४ बगैचा तरकारी पकेट, अन्नपुर्ण-१

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: बगैचा तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: अन्नपुर्ण-१ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: ओम प्रसाद अधिकारी |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६२२६३३६ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: औजार, प्राङ्गारिक मल, वीउ खरिद, टनेल निर्माण | |
| १०. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: ५००००० र २०७६/७७: ४५१९५७ | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: कृषि औजार उपकरणको प्रयोगमा वृद्धि भई जनशक्तिको अभावलाई पूर्ति गर्न तुलो सहयोग पुगेको | |

६.४५ मैदान मौरीपालन पकेट, पोखरा महानगरपालिका-२४, मैदान

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: मैदान मौरीपालन पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: मौरी |
| ३. ठेगाना: पोखरा महानगरपालिका-२४, मैदान | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: नारायणी सुवेदी |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६२२६४६८ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: मौरी गोला सहित घार वितरण, पञ्जा, महदानी, चक्कु खरीद तथा वितरण | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४५२६६७ | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा मह, मौरिगोला उत्पादनमा वृद्धि, रोजगारी सृजना, अन्य वालीको उत्पादनमा वृद्धि | |

६.४६ शोभा च्याउ पकेट, पोखरा महानगरपालिका-२६, विजयपुर

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: शोभा च्याउ पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/च्याउ |
| ३. ठेगाना: पोखरा महानगरपालिका-२६, विजयपुर | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: मुकुन्द खड्का |

| | |
|---|--|
| ५. सम्पर्क नं.: ९८०६५५३७६२ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: पराल, वीउ, प्लाष्टिक, स्थायी प्लाष्टिक घर १० वटामा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: ५ लाख, २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४५२६६७ | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: हाल च्याउ उत्पादन भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा च्याउ खेति गर्ने कृषकको संख्यामा वृद्धि, च्याउ उत्पादनमा वृद्धि | |

६.४७ विजयपुर च्याउ पकेट, पोखरा महानगरपालिका-२६, विजयपुर

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: विजयपुर च्याउ पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: च्याउ |
| ३. ठेगाना: पोखरा महानगरपालिका-२६, विजयपुर | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: टोप बहादुर थापा |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८१५१२२७९४ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७५/७६ र २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: पराल, वीउ, प्लाष्टिक, स्थायी प्लाष्टिक घर १० वटा निर्माणमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४६६८०० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७५/७६: ५लाख, २०७६/७७: ४५२५५६ | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: हाल च्याउ उत्पादन भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा च्याउ खेति गर्ने कृषकको संख्यामा वृद्धि, च्याउ उत्पादनमा वृद्धि | |

६.४८ महाकाली तरकारी खेती पकेट, पोखरा -३३

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: महाकाली तरकारी खेती पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: पोखरा-३३ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: श्रीराम घिमिरे/ प्रताव सुवेदी (महाकाली कृषक समूह) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६५७११४२ | |

| | |
|---|--|
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/ सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा र पोखरा महानगरपालिका | c. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: प्लाष्टिक घर निर्माण, मिनिटिलर, सिंचाई पाइप, कृषि औजार खरिदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन/खर्च भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: ६००००० | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा तरकारी खेति गर्न आकर्षण बढेको | |

६.४९ कास्कीकोट ढावा तरकारी पकेट-पोखरा २४, ढावा

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: कास्कीकोट ढावा तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: पोखरा-२४, ढावा | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: विकास भट्टराई |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०५६२०५ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/ सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा र पोखरा महानगरपालिका | c. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: सिंचाइ पाइप ७००० मि. मेशिनरी औजार, प्लाष्टिक टनेल निर्माणमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: ७०५२५० | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: कृषि औजार उपकरणको प्रयोगमा वृद्धि भई जनशक्तिको अभावलाई पूर्ति गर्न ठुलो सहयोग पुगेको | |

६.५० च्याउ पकेट, पोखरा-२२ र पोखरा -१७

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: च्याउ पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: च्याउ |
| ३. ठेगाना: पोखरा-२२ र पोखरा- १७ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: सन्दिप खड्का/ चोविन्द्र बहादुर कुँवर (चिसापानी च्याउ फर्म र ग्रीन ल्याण्ड तरकारी तथा फलफुल फर्म) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४५२४३५४९/९८२९१०९४१४ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/ सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | c. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: पराल, वीउ, प्लाष्टिक, स्थायी प्लाष्टिक घर निर्माणमा सहयोग | |

| |
|---|
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: १६३६००० |
| ११. पकेटको हालको अवस्था: च्याउ उत्पादन भईरहेको |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरू: व्यवसायिक रूपमा च्याउ खेति गर्ने कृषकको संख्यामा वृद्धि, च्याउ उत्पादनमा वृद्धि |
| कैफियत: आ.व. २०७८/७९ मा पोखरा महानगरपालिकाबाट चिसापानी च्याउ फर्मलाई पकेटको निरन्तरताको कार्यक्रमको रूपमा रु. ३६९०० अनुदान रकम प्रवाह गरी च्याउ उत्पादनका लागि सहयोग भएको |

६.५१ धारापानी धान पकेट, पोखरा -२३

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: धारापानी धान पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: धान |
| ३. ठेगाना: पोखरा -२३ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: लोकराज दाहाल (क्यारबारी कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४४६७८४०५८ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा र पोखरा महानगरपालिका | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरू: धानको वीउ, प्राङ्गासिक मल, धान भार्ने मेशिन खरिदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन/प्रवाह भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: २३१५०० | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरू: क्षेत्रफलमा विस्तार, कृषि आधुनिकीकरण, रोजगारी सृजना, उत्पादनमा वृद्धि | |

६.५२ च्याउ पकेट, पोखरा -१४

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: च्याउ पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: च्याउ |
| ३. ठेगाना: पोखरा-१४ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: कृष्ण अधिकारी/हरिमाया अधिकारी (वि.मु अर्गानिक च्याउ तथा कृषि फर्म र अधिकारी अर्गानिक च्याउ) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०३३२२३/९८२७१६००४ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा र पोखरा महानगरपालिका | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |

| |
|--|
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: वीउ खरिद, प्लाष्टिक खरिद, प्लाष्टिक घर निर्माण, पाइप, ड्रम, बाल्टी अन्य उपकरण खरिदमा सहयोग |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० रु २०७७/७८: २००००० |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० रु २०७७/७८: २००००० (आ.व. २०७७/७८ मा अधिकारी अर्गानिक च्याउ फर्ममा काम भएको) |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: च्याउ उत्पादन भईरहेको |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: च्याउ उत्पादन तथा आम्दानी वृद्धि कैफियत: आ.व. २०७८/७९ मा पोखरा महानगरपालिकाबाट वि.मु अर्गानिक च्याउ तथा कृषि फर्म लाई पकेटको निरन्तरताको कार्यक्रमको रूपमा रु. ३६९००० अनुदान रकम प्रवाह गरी च्याउ उत्पादनका लागि सहयोग भएको |

६.५३ भावना मौरीपालन पकेट, पोखरा -१८

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: भावना मौरीपालन पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: मौरी |
| ३. ठेगाना: पोखरा -१८, आदर्शवर्सित | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: बलराम कोइराला (भावना सामुदायिक कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६००८५३३ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइज्जा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइज्जा र पोखरा महानगरपालिका | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: मौरी गोला सहित घार, पञ्जा, महदानी, चक्कु, चिनी चास्नी व्यवस्थापनमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० रु २०७७/७८: २९३००० | |
| ११. पकेटको हालको अवस्था: मह उत्पादन भईरहेको | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा मह, मौरी गोला उत्पादनमा वृद्धि, रोजगारी सृजना, अन्य वालीको उत्पादनमा वृद्धि | |

६.५४ च्याउ पकेट, पोखरा-३३ र १९

| | |
|---------------------------|--|
| १. पकेटको नाम: च्याउ पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: च्याउ |
| ३. ठेगाना: पोखरा -३३ र १९ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: प्रताब सुवेदी (सुवेदी च्याउ तथा कृषि फर्म र दाजुभाइ च्याउ फर्म) |

| | |
|--|--|
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६०७७७१५ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): ज्ञान केन्द्र, स्याइजा २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: पराल, वीउ, प्लाष्टिक, स्थायी प्लाष्टिक घर १० वटा निर्माणमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: १६३६००० | |
| ११. पकेट हालको अवस्था: च्याउ उत्पादन कार्यक्रम संचालनमा रहेको | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा च्याउ खेति गर्ने कृषकको संख्यामा वृद्धि कैफियत: आ.व. २०७८/७९ मा पोखरा महानगरपालिकाबाट सुवेदी च्याउ तथा कृषि फर्मलाई पकेटको निरन्तरताको कार्यक्रमको रूपमा रु. ३६९००० अनुदान रकम प्रवाह गरी च्याउ उत्पादनका लागि सहयोग भएको | |

६.५५ च्याउ पकेट, पोखरा २० र १६

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: च्याउ पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: च्याउ |
| ३. ठेगाना: पोखरा २० र १६ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: धर्म राज थापा/ छ प्रासद श्रीपाली (हर्क हस्त कृषि फर्म र अमरादिप च्याउ फर्म) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६०४९८४४/९८६६०९९९०१ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याइजा | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: पराल, वीउ, प्लाष्टिक, स्थायी प्लाष्टिक घर निर्माणमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: १६३६००० | |
| ११. पकेटको हालको अवस्था: च्याउ उत्पादन कार्यक्रम संचालनमा रहेको | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा च्याउ खेति गर्ने कृषकको संख्यामा वृद्धि | |

६.५६ कागती पकेट, पोखरा-३१

| | |
|----------------------------|---|
| १. पकेटको नाम: कागती पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: कागती |
| ३. ठेगाना: पोखरा-३१ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: सुरेन्द्र सापकोटा |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०३९९३५ | |

| | |
|--|--|
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा र पोखरा महानगरपालिका | c. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७७ र २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: कागती वेर्ना, सिकेचर, निलोतुथो ३० के.जी., वालटी १५ वटा, ब्रस २० वटा, प्राङ्गारिक मल, फ्रुट स्प्रे, सिचाइ पोखरी निर्माणमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: ३५०००० | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७६/७७: १६३६००० र २०७७/७८: ३४७६९७ | |
| १२. पकेट हालको अवस्था: कागती उत्पादन सुरु भएको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: बाखो जमिनमा फलफुल खेति गर्ने कृषकहरुको आकर्षण बढेको | |

६.५७ मौरी पकेट, पोखरा-३३

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: मौरी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: मौरी |
| ३. ठेगाना: पोखरा-३३ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: लक्ष्मी सुवेदी (सुवेदी मौरी फर्म) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६२७९८७१ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्गजा | c. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७६/७६ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: मौरी गोला सहित घार वितरण, पञ्जा, महदानी, चक्कु खरीदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: १६३६००० | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक रूपमा मह, मौरिगोला उत्पादनमा वृद्धि, रोजगारी सृजना, अन्य बालीको उत्पादनमा वृद्धि | |

६.५८ बाखा पकेट, रुपा गाउँपालिका-२

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: बाखा पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: बाखा |
| ३. ठेगाना: रुपा गाउँपालिका-२ | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: आदर्श एकिकृत कृषक समूह |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८०६७१५४०० | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: रुपा गाउँपालिकाको कार्यालय | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: रुपा गाउँपालिकाको कार्यालय | c. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ र २०७८/७९ |

| |
|---|
| ९. जम्मा विनियोजन/प्रवाह भएको रकम रु.: २२ लाख |
| १०. पकेटको हालको अवस्था: बाख्ता पालन भईरहेको |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: बजारमा मासु उपलब्धता वृद्धि, कृषको आम्दानीमा वृद्धि |

६.५९ माछा पकेट, रुपा गाउँपालिका

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: माछा पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: माछा |
| ३. ठेगाना: रुपा गाउँपालिका | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: विमल सुवेदी (रुपा माछापालन कृषक समूह) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०८४६३० | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: रुपा गाउँपालिकाको कार्यालय | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: रुपा गाउँपालिकाको कार्यालय | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ र २०७८/७९ | |
| ९. जम्मा विनियोजन/प्रवाह भएको रकम रु.: २२ लाख | |
| १०. पकेटको हालको अवस्था: उत्पादन कार्य भईरहेको | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सृजना | |

६.६० तप्राङ बाख्ता पकेट, मादी-६, तप्राङ

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: तप्राङ बाख्ता पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: बाख्ता |
| ३. ठेगाना: मादी-६, तप्राङ | |
| ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: सूर्य प्रसाद बराल (तप्राङ बाख्ता पालन समूह) | |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६५१६३९३ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता नं. र दर्ता भएको कार्यालय: १६१/मादी गाउँपालिका | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: मादी गाउँपालिकाको कार्यालय | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ र २०७८/७९ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: उन्नत बाख्ता वितरण तथा आधुनिक खोर निर्माणमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन/खर्च भएको रकम रु.: २१ लाख | |
| ११. पकेटको हालको अवस्था: बाख्ता पालन भईरहेको | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: मासुको उपलब्धतामा वृद्धि | |

६.६१ छ्याम्राड मौरी पकेट, मादी-२, छ्याम्राड

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: छ्याम्राड मौरी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: मौरी |
| ३. ठेगाना: मादी-२, छ्याम्राड | |
| ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: मेग राज गुरुङ (छ्याम्राड मौरी पालन समूह) | |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८१९११०९६१ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: मादी गाउँपालिका | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि शाखा (मादी गाउँपालिका) | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ र २०७८/७९ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: मौरी घार तथा महमदानि खरिदमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: १८ लाख | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको रकम रु.: १७७९००० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: मह उत्पादन कार्य भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: मह उत्पादनमा वृद्धि, रोजगारी सृजना | |

६.६२ तरकारी पकेट, मादी -७, तल्लो छाचोक

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: मादी-७, तल्लो छाचोक | ४. सम्पर्क व्यक्तिको नाम: सागर वि. क. (गुप्तेश्वरी कृषक समूह) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६३८५०७७ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: मादी गाउँपालिका | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि शाखा (मादी गाउँपालिका) | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ र २०७८/७९ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: अस्थाइ प्लाष्टिक घर निर्माण र खुल्ला तरकारी खेतिका लागि सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: १८ लाख | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको रकम रु.: १८ लाख | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: तरकारी उत्पादन भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: लहरे तरकारी तथा टमाटर उत्पादनमा वृद्धि, कृषकको आमदानी वृद्धि | |

६.६३ तरकारी पकेट, रुपा-३, पोल्याड

| | |
|----------------------------|-------------------------------------|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: तरकारी |
|----------------------------|-------------------------------------|

| |
|--|
| ३. ठेगाना: रुपा-३, पोल्याड |
| ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : शिव ओझा (हिमचुलि कृषक समूह) |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८४६४४२०६७ |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: रुपा गाउँपालिकाको कार्यालय |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि शाखा (रुपा गाउँपालिका) |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७८/७९ र २०७९/८० |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: ३० वटा स्थाई प्लाष्टिक घर निर्माण, सिंचाईको कार्यक्रम(ड्रम, पाईप, थोपा सिंचाई) |
| १०. जम्मा प्राप्त भएको अनुदान रकम रु.: १३ लाख |
| ११. पकेटको हालको अवस्था: तरकारी उत्पादन भईरहेको |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: व्यवसायिक तरकारी खेतीतर्फ कृषकलाई आकर्षण गरी तरकारीको उत्पादनमा वृद्धि |

६.६४ तरकारी पकेट, माछापुच्छे गाउँपालिका

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: तरकारी |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे गाउँपालिका वडा नं.४ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : भोज बहादुर तामाङ्ग (हाप्तो घर अगानिक कृषि फर्म) |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८६६००५७१४ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: माछापुच्छे गाउँपालिकाको कार्यालय | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: कृषि शाखा (माछापुच्छे गाउँपालिकाको कार्यालय) | ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७८/७९ र २०७९/८० |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: अस्थायी प्लाष्टिक घर निर्माण | |
| १०. पकेट हालको अवस्था: तरकारी उत्पादन भईरहेको | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: तरकारी उत्पादनमा वृद्धि, रोजगारी सृजना | |

६.६५ बाखा पकेट, माछापुच्छे-२,६,८,९

| | |
|-------------------------------|--|
| १. पकेटको नाम: बाखा पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: बाखा |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे-२,६,८,९ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: भवी ओझा |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८५६०२०५९५ | |

| |
|---|
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता नं. र दर्ता भएको कार्यालय: माछापुच्छे गाउँपालिका |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: माछापुच्छे गाउँपालिकाको कार्यालय |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ र २०७८/७९ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: उन्त बाख्ना वितरण तथा आधुनिक खोर निर्माणमा सहयोग, घाँसको बीउ/औषधी वितरण |
| १०. जम्मा विनियोजन/खर्च भएको रकम रु.: आ.व. २०७७/७८ मा रु १५ लाख र आ.व. २०७८/७९ मा रु ७ लाख |
| ११. पकेटको हालको अवस्था: बाख्ना पालन भईरहेको |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: मासुको उपलब्धतामा वृद्धि |

६.६६ प्रगतिशील भैंसी पकेट, अन्नपुर्ण-१, कास्की

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: प्रगतिशील भैंसी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: भैंसी |
| ३. ठेगाना: अन्नपुर्ण-१, कास्की | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: खिम प्रसाद अधिकारी |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६१५४९१४ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: अन्नपुर्ण गाउँपालिका | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: अन्नपुर्ण गाउँपालिका | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ र २०७८/७९ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: भैंसी खरिद, प्रजनन रागो खरिद, गोठ सुधार, घाँस खेति, उपकरण वितरण र तालिम संचालन | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७७/७८: २५ लाख र २०७८/७९: ११ लाख | |
| ११. जम्मा खर्च भएको रकम रु.: २०७७/७८: २५ लाख र २०७८/७९: ११ लाख | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: भैंसी पालन तथा दुध उत्पादन भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: दुध उत्पादनमा वृद्धि | |

६.६७ बाख्ना पकेट, अन्नपुर्ण-१०, घान्दुक

| | |
|----------------------------------|---|
| १. पकेटको नाम: बाख्ना पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: बाख्ना |
| ३. ठेगाना: अन्नपुर्ण-१०, घान्दुक | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: तोरण बहादुर क्षेत्री (घान्दुक बाख्नापालन समूह) |

| |
|---|
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०३९३५२ |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: अन्नपुर्ण गाउँपालिका |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: अन्नपुर्ण गाउँपालिका |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: माउ बाख्ना वितरण, प्रजनन बोका वितरण, घाँस खेति प्रवर्द्धन, उपकरण तथा औषधि वितरण |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: १० लाख |
| ११. जम्मा खर्च भएको रकम रु.: १० लाख |
| १२. पकेट हालको अवस्था: बाख्ना पालन भईरहेको |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: नश्ल सुधार तथा व्यवसाय वृद्धि |

६.६८ भेडा पकेट, अन्नपुर्ण-११, कास्की

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: भेडा पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: भेडा |
| ३. ठेगाना: अन्नपुर्ण-११, कास्की | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: मिकास गुरुङ (अन्नपुर्ण भेडाबाख्ना पालन समूह) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०४८७७७ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: अन्नपुर्ण गाउँपालिका | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: अन्नपुर्ण गाउँपालिका | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: थुमा वितरण, औषधि तथा उपकरण वितरण र लजिस्टिक सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: ९.५२ लाख | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: ९.५२ लाख | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: भेडा पालन भईरहेको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: नश्ल सुधार तथा व्यवसाय वृद्धि | |

६.६९ फेवा माछा पकेट, पोखरा-८८

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: फेवा माछा पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: माछा |
| ३. ठेगाना: पोखरा-८८ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: |
| ५. सम्पर्क नं.: | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: पोखरा महानगरपालिका | |

| |
|---|
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पोखरा महानगरपालिका |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ र २०७८/७९ |
| ९. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७७/७८-१५०००००, २०७८/७९-८००००० |
| १०. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७७/७८-१५०००००, २०७८/७९-७९९४६९ |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादनमा वृद्धि |

६.७० भरतपोखरी बाख्ता पकेट, पोखरा-३३

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: भरतपोखरी बाख्ता पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: बाख्ता |
| ३. ठेगाना: पोखरा-३३ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: भरतपोखरी बाख्ता पालन समिति |
| ५. सम्पर्क नं.: | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: पोखरा महानगरपालिका | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पोखरा महानगरपालिका | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७७/७८ र २०७८/७९ | |
| ९. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७७/७८-१५०००००, २०७८/७९-७००००० | |
| १०. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७७/७८-१५०००००, २०७८/७९-७००००० | |
| ११. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: कृषकको आमदानी वृद्धि, मासुको उपलब्धता वृद्धि | |

६.७१ तरकारी पकेट, अन्नपुर्ण-०६, कास्की

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: तरकारी |
| ३. ठेगाना: अन्नपुर्ण-०६, कास्की | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : नुमलाल देवकोटा (सम्भौता बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लि.) |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८४६२०७४०९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: अन्नपुर्ण गाउँपालिका | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: अन्नपुर्ण गाउँपालिका | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७८/७९ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: ६ भकारो सुधार, २ स्थाई टनेल, १३ लहरे बालि थाँक्रा, स्प्रिन्कल, स्प्रेयर लगायत कृषि सामग्रीमा सहयोग | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: १२ लाख | |

११. जम्मा प्रावह भएको अनुदान रकम रु.: ११.४ लाख (कृषकको लगानी: १०.४ लाख)

१२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सृजना

६.७२ तरकारी पकेट, पोखरा-१६

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: तरकारी(गोलभेंडा, काँक्रा, साग) |
| ३. ठेगाना: पोखरा-१६ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : नित्यानन्द कृषक समूह |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८१५१५०९३१ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: पोखरा महानगरपालिका | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पोखरा महानगरपालिका | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७८/७९ र २०७९/८० | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: अस्थायी तथा स्थायी टनेल निर्माण, इलेक्ट्रोनिक ब्यालेन्स, स्प्रे जस्ता उपकरण खरिद तथा वितरण, निरन्तरताको कार्यक्रम: पाइप, प्लाष्टिक क्रेट, मल्टिवड प्लाष्टिक जस्ता कृषि सामग्री खरिद तथा वितरण | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७८/७९-१२०००००, २०७९/८०-६००००० | |
| ११. जम्मा प्रावह भएको अनुदान रकम रु.: २०७८/७९-११५००००, २०७९/८०-५६१००० | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सृजना | |

६.७३ सिद्धार्थ राजमार्ग पकेट, पोखरा-२२

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: सिद्धार्थ राजमार्ग पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: तरकारी(गोलभेंडा, काँक्रा, साग) |
| ३. ठेगाना: पोखरा-२२ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : वडास्तरीय कृषि सञ्जाल |
| ५. सम्पर्क नं.: | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: पोखरा महानगरपालिका | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पोखरा महानगरपालिका | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७८/७९ र २०७९/८० | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: अस्थायी तथा स्थायी टनेल निर्माण, इलेक्ट्रोनिक ब्यालेन्स, स्प्रे जस्ता उपकरण खरिद तथा वितरण, निरन्तरताको कार्यक्रम: पाइप, प्लाष्टिक क्रेट, मल्टिवड प्लाष्टिक जस्ता कृषि सामग्री खरिद तथा वितरण | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७८/७९-१२०००००, २०७९/८०-६००००० | |

११. जम्मा प्रावह भएको अनुदान रकम रु.: २०७८/७९-११५००००, २०७९/८०-५६१०००

१२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सृजना

६.७४ तरकारी पकेट, माछापुच्छे-९, इमु

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: तरकारी (टमाटर, क्याप्सिकम, खुसानी, लहरे बाली) |
| ३. ठेगाना: माछापुच्छे-९, इमु | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: पदम बहादुर तामाङ्ग (आरोष अर्गानिक कृषि फर्म) |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८२३१३८४६९ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: माछापुच्छे गाउँपालिकाको कार्यालय | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: माछापुच्छे गाउँपालिकाको कार्यालय | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): ०७९/०८० ०८०/०८१ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: २२ वटा स्थायी प्लाष्टिक घर निर्माण, १५ वटा अस्थाई बाँसको संरचना निर्माण, बिउ मल, बिषादी अन्य उत्पादन सामग्री खरिद (मल्चज्ज प्लाष्टिक, भर्माकम्पोस्ट सेट आदि) गरीएको, कृषि उपकरण खरिद (मिनिटिलर-१, गार्डेन पाइप, स्प्रिन्कल सेट, किरा जालि आदि) | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७९/८०: १२ लाख र २०८०/८१: ४९८००० | |
| ११. जम्मा प्रावह भएको अनुदान रकम रु.: २०७९/८०: १२ लाख र २०८०/८१: ४९७००० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: प्लाष्टिक घर निर्माण गरी मौसमी तथा बेमौसमी तरकारी खेती भईरहेको, गड्यौली मलको उत्पादन गरी सोहि मलको प्रयोगबाट खेतीको नौलो सुरुवात भएको | |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सृजना | |

६.७५ तरकारी पकेट, अन्नपूर्ण-०४, कास्की

| | |
|---|--|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली: तरकारी (टमाटर, क्याप्सिकम, खुसानी, लहरे बाली) |
| ३. ठेगाना: अन्नपूर्ण-०४, कास्की | |
| ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : लोकनाथ पौडेल (साना किसान कृषि सहकारी संस्था लि.) | |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८४६०७६०९८ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको कार्यालय | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको कार्यालय | |

| |
|--|
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): ०७९/०८० र ०८०/०८१ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरू: १४ वटा मिनी टिलर, २६ वटा स्थाई टनेल, १६ वटा अस्थाई टनेल, ४ संचायामा सिल्पाउलिन प्लाष्टिक, सिकेचर, हजारी, स्प्रे-२, सिंचाइ पाईप लगायत अन्य तरकारी उत्पादन सामग्रीमा सहयोग |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७९/८०: १२ लाख र २०८०/८१: ५लाख |
| ११. जम्मा प्रावह भएको अनुदान रकम रु.: २०७९/८०: ११.९० लाख र २०८०/८१: ४१२१४९ |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: मौसमी तथा बेमौसमी तरकारी उत्पादन भईरहेको |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरू: उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सृजना |

६.७६ बंगुर पकेट, पोखरा-२७, जलजले

| | |
|--|--|
| १. पकेटको नाम: बंगुर पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: बंगुर |
| ३. ठेगाना: पोखरा-२७, जलजले | |
| ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम: पदम थापा(जलजला बंगुर ब्रिडर कृषक समूह) | |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८४६७४०८७४ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: पोखरा महानगरपालिकाको कार्यालय | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पोखरा महानगरपालिकाको कार्यालय | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): ०७९/०८० ०८०/०८१ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरू: कोल्ड रुम निर्माण तथा पाठा वितरण, माउ बंगुर पालन तथा जैविक सुरक्षा सामग्री वितरण (प्रमुख ब्रिड-ल्याण्डरेस र योर्कसायर) | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७९/८०: १० लाख र २०८०/८१: ६ लाख | |
| ११. जम्मा प्रावह भएको अनुदान रकम रु.: २०७९/८०: ९९७४५६ र २०८०/८१: ५,९८,९५० | |
| १२. पकेटको हालको अवस्था: बंगुर पालन कार्य भईरहेको | |

६.७७ गोब्रे च्याउ पकेट, पोखरा-११, २१,२४ र ३२

| | |
|--|---|
| १. पकेटको नाम: गोब्रे च्याउ पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: गोब्रे च्याउ |
| ३. ठेगाना: पोखरा-११, २१,२४ र ३२ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : धुब्र थापा/विजय राना (पोखरा गोब्रे च्याउ समिति) |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८५६०६५६२०/९८६०७०४०४९ | |

| |
|---|
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: पोखरा महानगरपालिकाको कार्यालय |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पोखरा महानगरपालिकाको कार्यालय |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): ०७९/०८० र २०८०/८१ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: च्याउ उत्पादन सामग्री तथा वीउमा सहयोग |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७९/८०: १२ लाख र २०८०/८१: ६ लाख |
| ११. जम्मा प्रावह भएको अनुदान रकम रु.: २०७९/८०: ११६२६१९ र २०८०/८१: ५६ लाख |
| १२. पकेट हालको अवस्था: गोब्रे च्याउ उत्पादन गरी बिक्रि बितरण हुँदै |
| १३. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सृजना, बजारको गोब्रे च्याउको माग पूर्ति |

६.७८ तरकारी पकेट, पोखरा-५,१८,२३ र २४

| | |
|---|---|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: पोखरा-५,१८,२३ र २४ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : वडा स्तरीय संजाल ५/१८/२३/२४ |
| ५. सम्पर्क नं. : ९८५६०१५३०४ | |
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: पोखरा महानगरपालिकाको कार्यालय | |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पोखरा महानगरपालिकाको कार्यालय | |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): २०७९/८० र २०८०/८१ | |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: टनेल निर्माण, उत्पादन सामग्री बितरण | |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७९/८०: १२ लाख र २०८०/८१: ५ लाख | |
| ११. जम्मा प्रवाह भएको अनुदान रकम रु.: २०७९/८०: ११९१००० र २०८०/८१: ५ लाख | |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सृजना | |

६.७९ तरकारी पकेट, पोखरा-२९ र ३१

| | |
|----------------------------|--|
| १. पकेटको नाम: तरकारी पकेट | २. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली/वस्तु: तरकारी |
| ३. ठेगाना: पोखरा-२९ र ३१ | ४. पकेटको सम्पर्क व्यक्तिको नाम : वडा स्तरीय संजाल २९ र ३१ |
| ५. सम्पर्क नं.: ९८५६०८२४८० | |

| |
|---|
| ६. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति / सञ्चालक समिति दर्ता भएको कार्यालय: पोखरा महानगरपालिकाको कार्यालय |
| ७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय: पोखरा महानगरपालिकाको कार्यालय |
| ८. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.): ०७९/०८० र ०८०/०८१ |
| ९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु: नर्सरी निर्माण तथा टनेल निर्माण, उत्पादन सामग्री बितरण |
| १०. जम्मा विनियोजन भएको रकम रु.: २०७९/८०: १२ लाख र २०८०/८१: ५ लाख |
| ११. जम्मा प्रावह भएको अनुदान रकम रु.: २०७९/८०: ११९१७०० र २०८०/८१: ५ लाख |
| १२. मुख्य मुख्य उपलब्धिहरु: उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सृजना |

વિવિધ

એવણ્ડ-૭

७.१ निष्कर्ष

अधिकाम्स पकेट विकास कार्यक्रम संचालन भएका स्थानमा हाल पनि सम्बन्धित बाली/वस्तुको उत्पादन कार्य भइरहेको देखिन्छ जसले पकेट विकास कार्यक्रम सफल रहेको जानकारी प्रदान गर्दछ । स्थलगत अनुगमन तथा सामूहिक छलफलको क्रममा संचालन भएका पकेट विकास कार्यक्रमले सम्बन्धित बाली/वस्तुको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गरी कृषकको आम्दानी वृद्धिमा सहयोग पुगेको प्रतिक्रया प्राप्त भएको थियो । पकेट विकास कार्यक्रम संचालन पश्चात ब्लक विकास कार्यक्रम संचालन भई जोन विकास कार्यक्रममा स्तरोन्नति भएको पनि छ । यसले, पकेट विकास कार्यक्रमको सकरात्मक पक्ष दर्शाउदछ । कतिपय पकेट कार्यक्रमको Duplication/reputation (जस्तै रूपाको मौरी पकेट, समूहको नाम फरक भएता पनि कार्यक्रम पाउने एउटै व्यक्ति, अलैंची पकेट मादी) भएको पनि देखियो । यसका साथै, कतिपय स्थानमा भूगोल र हावापानी सुहावदो प्रविधि, उचित ज्ञान तथा प्रदर्शनी बिना सञ्चालित कार्यक्रम असफल पनि देखिएको छ (जस्तै: केरा पकेट, रूपा-४, सिद्धमा लगाईएको G-9 जात सफल हुन नसकेको) ।

७.२ सुभावहरू

- नेपालका कृषहरूको आर्थिक अवस्था कमजोर भएकाले कृषकहरूबाट अझै पनि निरन्तर सहयोगको अपेक्षा रहेको देखिन्छ । दुई वर्षको पकेट कार्यक्रम पर्याप्त नभएको र निरन्तरताको कार्यक्रमको आवश्यकता भएकाले स्थानिय तहले त्यस्ता उत्कृष्ट पकेटहरूलाई अपनत्व लिनुपर्ने देखिन्छ ।
- कृषकहरूले आफूले पाएका सेवा/सुविधा तथा आफ्नो खर्च र आम्दानीको अभिलेख नराख्ने भएकाले कृषकालाई यस सम्बन्ध अभिमूलिकरण गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।
- पकेट विकास कार्यक्रम संचालन पश्चात सम्बन्धित निकायहरूबाट संचालन गरीएका कार्यक्रमहरूको नियमित अनुगमन तथा follow-up गर्नुपर्ने
- पकेट विकास कार्यक्रमबाट प्रविधि हस्तान्तरण सहित प्रविधि प्रयोग/ग्रहण सम्बन्ध तालिम संचालनको आवश्यकता

७.३ घरधुरी सर्वेक्षणबाट प्राप्त भएको तथ्याङ्क विश्लेषणको नतिजा

EXPLORING THE ROLE OF AGRICULTURAL SUBSIDIES ON SOCIO-ECONOMIC CONDITION OF FARMERS BENEFITTED THROUGH POCKET DEVELOPMENT PROGRAMME UNDER PMAMP IN KASKI DISTRICT

Gaurab Poudel, College of Natural Resource Management, Puranchour, Kaski

सारांशः

नेपालको अर्थतन्त्रमा कृषि क्षेत्रलाई प्रमुख क्षेत्र मानिन्छ। नेपालको कृषि क्षेत्रले समग्रमा देशको कुल ग्राहस्थ्य उत्पादनमा २४.०९ प्रतिशतको योगदान पुर्याएको छ (MoF, 2024)। जनसंख्याको लगभग ६५ प्रतिशतलाई रोजगारिको अवसर सृजना गरेको छ (MOALD, 2022), जसमध्ये अधिकांश साना किसानहरू रहेका छन्। पकेट विकास कार्यक्रम, प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना (PMAMP) को महत्वपूर्ण संभागको रूपमा रहेको छ, जसले साना र मझौला किसानहरूलाई लक्षित गरेको छ। उक्त पकेट विकास कार्यक्रमले बाली/वस्तु उत्पादनमा संलग्न साना तथा मझौला किसानहरूको कृषि उत्पादनन वृद्धि गर्न अनुदान तथा प्राविधिक सहयोग प्रवाह गर्दै आएको छायसै अवस्थामा, पकेट विकास कार्यक्रमले प्रदान गरेको अनुदानले किसानको उत्पादकत्व, आयआर्जन र समग्र सामाजिक आर्थिक क्षेत्रमा परेको प्रभावकारिता अध्ययन गर्नु नै यस अध्ययनको मुख्य उद्देश्य रहेको छ। हाल परियोजना अन्तर्गत नेपालको ७७ वटै जिल्लामा कार्यक्रम संचालन भईरहेकोमा प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट कास्की जिल्लामा हालसम्म संचालन भएका पकेट विकास कार्यक्रमको प्रभाव बारे अध्ययन गरिएको छ। कास्की जिल्लाको पोखरा महानगरपालिका, माछापुच्छे गाउँपालिका, मादी गाउँपालिका, रुपा गाउँपालिका र अन्नपूर्ण गाउँपालिका यस अध्ययनको क्षेत्रहरू रहेका छन्। यस अध्ययनमा प्राथमिक तथ्याङ्क संकलन विधिका साथै सन्दर्भ सामाग्रीबाट पनि आवश्यक तथ्याङ्क संकलन गरीएको छ। प्राथमिक तथ्याङ्कका लागि प्रश्नावली मार्फत घरधुरी सर्वेक्षण, स्रोत व्यक्तिसँग अन्तर्वार्ता (KII) र लक्षित समूहमा छलफल (FGD) गरिएको थियो भने सम्बन्धित कार्यालयको वार्षिक प्रतिवेदन, राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय एजन्सीको प्रकाशनहरू तथा अन्य सन्दर्भ सामग्रीबाट अन्य आवश्यक तथ्याङ्क सङ्कलन गरिएको थियो। यसरी संकलन गरिएको तथ्याङ्कलाई कम्प्युटरको सफ्टवेर SPSS / MS-excel प्रयोग गरी विश्लेषण गरिएको थियो। यस अध्ययनको क्रममा अधिकांश उत्तरदाताहरू पुरुष (७३%) र २७% महिला रहेका थिए। कास्की जिल्लामा आ.व. २०७३/७४ बाट विभिन्न बाली/वस्तुमा पकेट संचालन भई प्राविधि विस्तार तथा आर्थिक सहयोगका कार्यक्रमहरू संचालन भएको अध्ययनले देखाउँद छापकेट विकास कार्यक्रम संचालनको क्रममा बढि कार्यक्रमहरू प्रविधि विस्तार तथा प्रविधि हस्तान्तरण सम्बन्धि भएका र प्रविधि ग्रहण सम्बन्धि तालिम कार्यक्रम न्यून संचालन भएको अध्ययनले देखाउँद छ। घरधुरी सर्वेक्षणमा संलग्न कृषक परिवार मध्य जम्मा ३२ प्रतिशत कृषक परिवारले मात्र पकेट

संचालनको क्रममा तालिम प्राप्त गरेका र ६२ प्रतिशतले तालिम प्राप्त नगरेको अध्ययनले देखाउँदछ। यस अध्ययनको नतिजा अनुसार पकेट विकास कार्यक्रमले औसतमा ७७.०६% किसानको आमदानीमा वृद्धि भएको देखाएको छ।

यस अध्ययन अनुसार किसानहरूलाई प्राविधिक तालिम, संचालन गरीएका कार्यक्रमको नियमित अनुगमन, बजार व्यवस्थापन र समयमै उत्पादन सामाग्रीको उपलब्धता सनिश्चित केही सुधार का क्षेत्रहरु हुन्। अधिकांश उत्तरदाता (९४.७४%)ले अनुदानको प्रावधानलाई सकारात्मक रूपमा लिएका छन् यद्यपि १७.१०% ले प्रदान गरिएका अनुदानहरू अपर्याप्त रहेको र आगामी दिनहरूमा अझै बढी अनुदानका कार्यक्रमहरु सञ्चालनमा ल्याउन पर्ने कुरा गरेका छन्। समग्रमा प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिककरण परियोजना अन्तर्गत पकेट विकास कार्यक्रमले किसानहरूको सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्रमा सकारात्मक प्रभाव पारेको छ।

The result and discussion and the suggestion part of the survey is included herewith.

RESULTS AND DISCUSSIONS

1. Type and forms of subsidy on pocket development program

The Pocket Development Programme has been providing various types of subsidies to small and medium farmers to improve their overall productivity and well-being. This survey includes major subsidies such as agricultural inputs, chemical and organic fertilizers, farm machinery, irrigation systems, plastic houses, and post-harvest centres.

Agricultural inputs encompass quality seedlings, improved and hybrid seeds, and agricultural tools. Additionally, this survey covers subsidies like vegetable seeds and seedlings, temporary and permanent plastic houses, high-tech tunnels, beehives, and many more, including livestock production and development.

Table 1. Description of service facility

| S.N. | Description | Facilitation |
|------|--|--------------|
| 1 | Agricultural Products(seeds, seedling, plants) | 50% |
| 2 | Technical assistance | 100% |
| 3 | Laboratory services | 85% |
| 4 | Agricultural implements and equipments | 50% |
| 5 | Minor irrigation Infrastructures | 85% |
| 6 | Post production and agribusiness service infrastructures | 85% |

2. Current status of PDP (Pocket Development Program)

2.1 The socio economic characteristics of the respondents

The socio-economic characteristics of the respondents household includes population distribution, gender distribution, family size, economically active population, education, ethnicity and land category and distribution.

2.2 Gender of the respondents

The study showed that majority of respondents were male. Specifically, out of the total 76 respondents, 54 (73.34%) were male and 22 (26.66%) were female.

Table 2. Gender of respondent farmers

| Gender | Frequency (N=50) | Percent |
|--------------|------------------|--------------|
| Male | 54 | 73.34 |
| Female | 22 | 26.66 |
| Total | 76 | 100.0 |

3. Family Size

The study revealed that the average family size of households across various research sites is 5.84 with a standard deviation of ± 2.2 .

Table3.Average family size of households in research sites

| Location | Mean | Standard Deviation |
|----------------------------------|------|-----------------------------|
| Pokhara Metropolitan City | 4.65 | ± 1.56 |
| Annapurna Rural Municipality | 6.37 | ± 3.05 |
| Rupa Rural Municipality | 6.25 | ± 2.29 |
| Macchapuchhre Rural Municipality | 6 | ± 1.35 |
| Madi Rural Municipality | 6.45 | ± 1.92 |
| Total | | ± 2.2 |

4. Education of the sampled household head

In this study, the education level was categorized into four groups. Illiterate referred to those who can neither read nor write. Literate referred to those who had no formal schooling but can read and write. Primary level referred to those who have attained formal education up to class five and secondary level meant up to School Leaving Certificate (SLC). Next group is Bachelor and above which includes all who has completed bachelor and higher education. From the study 17.33 % household head were found to be illiterate and 82.67% were found to be educated (Table 5).

Table 5. Education status of the household head

| Education status | Frequency (N=76) | Percent |
|-------------------------|-------------------------|----------------|
| Illiterate | 13 | 17.33 |
| Primary | 32 | 44.81 |
| Secondary | 19 | 27.03 |
| Bachelor and above | 12 | 10.83 |
| Total | 76 | 100 |

5. Caste/ethnicity of respondents

The distribution of ethnicity in the surveyed household is presented in Table6. Generally, this survey area is dominated by Brahmin i.e. 48% which is higher than the National Population and housing census, 2021 i.e. 26.4% and then by janajati being 30.08% which is lower than NPHC, 2021 i.e. 34.2%. After janajati 3rd most dominated ethnicity is chhetri occupying 30% of study area. Dalit are least i.e. only 2%.

Table 6. Ethnicity status of the household head

| Ethnicity | Frequency (N=76) | Percent |
|------------------|-------------------------|----------------|
| Brahmin | 37 | 48 |
| Chhetri | 17 | 20 |
| Janajati | 20 | 30 |
| Dalit | 2 | 2 |
| Total | 76 | 100 |

6 Active members of a farming household in agriculture

In this study, it was found that males are more actively engaged in agriculture compared to females. The average number of active male members in agriculture was 1.28, with a maximum of 4 and a minimum of 0. For females, the average was 1.0789, with a maximum of 2 and a minimum of 0. The total average number of active members in agriculture was 2.35, with a maximum of 6 and a minimum of 0 .

Table 7. Status of active members in of a farming household agriculture in research site

| Active members | Max | Min | Average |
|-----------------------|------------|------------|----------------|
| Male | 4 | 0 | 1.28 |
| Female | 2 | 0 | 1.0789 |
| Total | 6 | 0 | 2.3553 |

7. Participation in Training

The peoples participation of farming household in the training conducted by the pocket development programme is very low. Only 38% of the respondents participated in the training to operate PDP and 62% of respondents did not participated in the training which needs to be addressed.

Table 8. Status of participation in training in research site

| Participation in training | Frequency (N=76) | Percent |
|---------------------------|------------------|--------------|
| Yes | 29 | 38 |
| No | 47 | 62 |
| Total | 76 | 100.0 |

8. Organizational Involvement of farmers

In the study area 94.53% of total farmers were involved in some kind of organization. 52.2% of farmers were involved in farmers group while, 78.94% of respondents were involved in cooperatives.

Table 9. Status of involvement in organization

| Involvement | Yes | No |
|------------------|-------------|-------------|
| Any Organisation | 72 (94.73%) | 4 (5.27%) |
| Farmers Group | 42 (55.2%) | 34 (44.8%) |
| Cooperatives | 60 (78.94%) | 16 (21.06%) |

9. Awareness of climate change

Out of total farmers 80% of farmers were aware of climate change while 20% of farmers were not aware of climate change

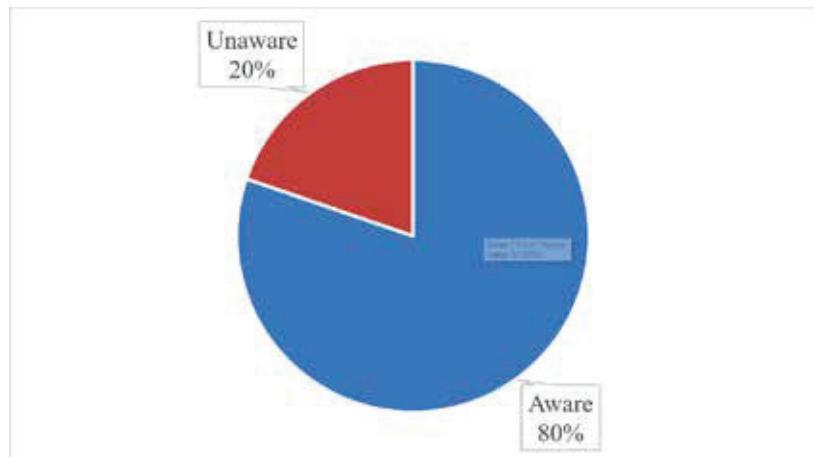


Fig. 2 Awareness of the climate change in study area

10. Land status

In this study, the land status of farmers shows significant variations in land holdings. The average land holding is 19.51 ropani, with a maximum of 350 ropani and a minimum of 1 ropani. This large range is due to certain pockets being upgraded to block and zone status. Additionally, 28.94% of farmers have leased in land, with an average of 24.095 ropani, a maximum of 280 ropani, and a minimum of 1 ropani. This reflects the farmers' strategies to increase their operational land area for better productivity.

Table 10. Status of land holding of farmers

| Land holding | Average | Max | Min |
|--------------|---------|-----|-----|
| Cultivated | 19.51 | 350 | 1 |
| Leased in | 24.095 | 280 | 1 |

11. Credit and insurance

This study showed that 36.84% of the respondents have taken loans, while 63.16% have not (Table 11). This indicates that a significant number of farmers are still relying on their own resources or other means for funding their agricultural activities.

Table 11. Status of farmers taking loan

| loan | frequency | % |
|--------------|-----------|------------|
| taken | 28 | 36.84 |
| not taken | 48 | 63.16 |
| total | 76 | 100 |

Among the farmers who took loans ie. shown on Table 12. the majority (85.71%) obtained credit from banks. A smaller percentage (14.28%) relied on cooperatives, and only 0.01% took loans from farmers' groups. This reflects the preference and trust of farmers in formal banking institutions for their financial needs.

Table 12. Status of taking credit from different institution

| From where | Frequency | % |
|---------------|-----------|------------|
| bank | 24 | 85.71 |
| cooperatives | 4 | 14.28 |
| farmers group | 1 | 0.01 |
| total | 28 | 100 |

The study reveals that only 14.47% of farmers have crop insurance which is greater than the national data of 4% (Agriculture Statistics, 2078). From this we can conclude that farmers from these regions are more aware about crop insurance and risk management

techniques. While 85.53% of respondents haven't done insurance, this highlights a significant gap in the adoption of crop insurance, which is crucial for mitigating risks associated with farming.

Table 13. Status of crop insurance

| crop insurance | Frequency | % |
|---|------------------|------------|
| Farmers who have done crop insurance | 11 | 14.47 |
| farmers who haven't done crop insurance | 65 | 85.53 |
| total | 76 | 100 |

Among the farmers who have not taken crop insurance, 52.54% reported that they did not feel the necessity for it. Additionally, 25.42% found the procedure too difficult, and 22.04% had not heard about crop insurance. This indicates a need for better awareness and simpler processes to encourage more farmers to adopt crop insurance.

Table 14. Reasons for not taking crop insurance

| Reasons | frequency | % |
|---------------------|------------------|------------|
| No necessity | 31 | 52.54 |
| Difficult procedure | 15 | 25.42 |
| Haven't heard | 13 | 22.04 |
| Total | 59 | 100 |

12. Effectiveness of the subsidy

Major service/benefits provided by the Pocket Development Program includes Beehives, Sprayer, Improved seed, Minitiller, Tunnel Plastic, Coffee seedlings, Piglets etc. From the questionnaire survey major achievement gained by the subsidy is found to be increase in production. Following table shows the ranks of the impact provided by the subsidy, the ranking is done by Garrett's score by following formula;

The formula to calculate the percent position is:

$$\text{Percent Position} = (R_{ij} - 0.5) \times 100 / N_j$$

where M

- R_{ij} =Rank given for the ith factor by the jth respondent.
- N_j =Number of factors ranked by the jth respondent.

Then the Garrett's percent positions were converted into scores using Garrett's conservation table.

Table 15. Effectiveness of the subsidy in research site

| Rank | Impacts | Garrett's score |
|------|-------------------------------------|-----------------|
| i | Increase In production | 67.1 |
| ii | Increase in income | 60.26 |
| iii | Increase in production area | 48.28 |
| iv | Addresses lack of laboravailability | 39.4 |
| v | Risk minimization | 34.93 |

From the subsidy on Pocket Development Program both partial and full time employment was found to be generated. There is higher amount of fulltime employment generation within family members while. Partial employment generation for outsider. Following table shows the status of full time employment and partial employment.

Table 16. Employment generation by the subsidy in research site

| Employment Generation | Frequency | Percentage |
|-------------------------|-----------|------------|
| Family member full time | 65 | 85.52% |
| Outsider fulltime | 8 | 10.52% |
| Family member partial | 10 | 13.15% |
| Outsider partial | 40 | 52.63% |

This survey shows that on an average after the PDP there is 77.06% increment in the income of the farmers. Talking about specific sector, pigs pockets farmers have increased their income most before PDP and after PDP followed by vegetables and goat and buffalo pocket respectively.

Table 17. Percentage increment after PDP establishment in research site

| % increment in income after PDP establishment | Frequency |
|---|-----------|
| 0% | 12 |
| 0–10% | 6 |
| 10–50% | 17 |
| >50% | 41 |
| Total | 76 |

Among 76 respondents 9 respondents thought real farmers are getting the subsidy but others. That means still 88.15% think that real farmers are not getting the subsidy. According the survey, Subsidies to real farmers, More field evaluation are the major measures that can be done so that the real farmer gets the subsidy or we can say the targeted farmers could be benefited.

Response from the respondents on what can be done to increase the efficiency of the subsidy provided is given in the following table:

Above table shows that reach to real farmers, technical support, observation and evaluation system are the strong aspects that have space of improvement so the efficiency of the given subsidy can be increased.

On question, Is the provision of subsidy good or Bad 5.26% of respondent felt that it is bad but most of the respondents (94.74%) said it is good giving subsidies to the farmers. And among them 88.16% respondent said subsidy program should be continued. 83.33% of respondent said the given subsidy is not enough and must be increased. This survey shows that training and field visits, need based subsidy program, Market management and timely availability of the inputs are the major sector of improvement in the agriculture sector.

Different identified subsidy topics are ranked according to the respondents, in which subsidy must be provided

Table20.Possible areas in which subsidy must be provided

| Rank | Subsidies on | Garrett's Ranking |
|-------------|-------------------------------|--------------------------|
| i | Fertilizer and improved seed | 75.39 |
| ii | In irrigation | 72.39 |
| iii | Technical support | 70.65 |
| iv | Vegetables and fruit saplings | 69.39 |
| v | Machinery | 67.73 |
| vi | Marketing | 61.81 |
| vii | In Off-season farming | 61.1 |
| viii | To increase production | 58.18 |
| ix | Seed production | 56.34 |
| x | Livestock production | 53.73 |
| xi | In Cooperative farming | 36.71 |
| xii | Cardamom production | 35.34 |
| xiii | Honeybee Production | 34.91 |
| xiv | Coffee production | 32.44 |
| xv | Milk production | 23.92 |

CONCLUSION

The study titled exploring the role of Agricultural Subsidies on Socio-Economic Condition of Farmers Benefited Through Pocket Development Programme Under PMAMP in Kaski District reveals several significant findings. The Pocket Development Programme (PDP) under the Prime Minister Agriculture Modernization Project (PMAMP) has substantially impacted the socio-economic status of the beneficiary farmers. The majority of respondents (94.74%) view the provision of subsidies

positively, with 88.16% advocating for the continuation of the subsidy program. The study highlights a significant increase in farmers income after PDP, with an average increment of 77.06%. Both full-time and part-time employment opportunities were generated, with a notable increase in full-time employment among family members. However, challenges remain, such as ensuring that real farmers receive the subsidies and improving the transparency and efficiency of the subsidy process. The type and forms of subsidy provided through the Pocket Development Programme encompass a wide range of agricultural inputs, including quality seedlings, improved and hybrid seeds, agricultural tools, chemical and organic fertilizers, farm machinery, irrigation systems, plastic houses, and post-harvest centers. These subsidies aim to enhance the productivity and well-being of small and medium farmers.

The socio-economic characteristics of the respondents indicate a predominance of male farmers (73.34%) compared to female farmers (26.66%), suggesting greater male involvement in agricultural activities in the study area. The average family size was found to be 5.84, with significant variations across different municipalities, reflecting the diverse socio-economic and cultural backgrounds. The study also highlights several key challenges in the implementation of the subsidy program. Despite the positive outcomes, there is a significant perception that real farmers are not adequately benefiting from the subsidies. Issues such as subsidies to others than real farmers, complex procedures, and duplication of benefits were identified as major concerns. Additionally, gender disparities in accessing agricultural resources were evident, with women having less access to essential resources compared to men, despite their significant contribution to food production. The results indicate that the Pocket Development Programme has been effective in improving the socio-economic conditions of farmers. The increase in income and employment opportunities underscores the positive impact of the subsidies. However, the gender disparity in access to resources highlights a critical area that needs to be addressed to ensure equitable development. The study's findings on the types and forms of subsidies provided reveal a comprehensive approach to supporting farmers. By covering a wide range of agricultural inputs, the program aims to address multiple aspects of agricultural productivity. The variations in family size and socio-economic characteristics across different municipalities indicate the need for tailored approaches to subsidy implementation to address specific local needs.

The challenges identified, such as subsidies to uncertified farmers and accessibility issues, suggest that while the program is beneficial, there is room for improvement in its implementation. Simplifying the subsidy application and disbursement procedures, as well as more access for the farmers, could enhance the effectiveness of the program. In conclusion, the Pocket Development Programme under PMAMP has significantly improved the socio-economic conditions of farmers in Kaski district. However, addressing the challenges related accessibility, and gender disparities is

crucial for enhancing the program's effectiveness. By implementing the suggested improvements, the program can continue to support the agricultural sector's growth and contribute to the overall development of the region.

SUGGESTIONS

1. Develop comprehensive and continuous training programs for farmers to improve their skills and knowledge about modern agricultural practices. These programs should cover topics such as crop management, pest control, and efficient use of water resources.
2. Establish technical support units that can visit farms to provide on-site assistance and practical demonstrations. This will help farmers implement new techniques effectively and address specific challenges they face in real-time.
3. There should be increased field evaluation to monitor the effectiveness of subsidies and ensure that they are being utilized properly.
4. Simplify the subsidy application and disbursement procedures to make them more farmer-friendly and accessible.
5. Implement regular soil testing programs to help farmers understand soil health and optimize fertilizer use.
6. Develop efficient irrigation management systems to ensure adequate water supply, especially during critical growing periods.
7. Provide subsidies for high-quality seedlings and saplings to enhance crop productivity.
8. Establish better market management systems to ensure farmers get fair prices for their produce.
9. Promote the use of agricultural machinery to increase efficiency and reduce labor costs.
10. Improve access to collection centers to facilitate easier transportation and sale of produce.
11. Interest rates should be low to ensure that farmers can manage their finances more effectively and invest in improving their agricultural practices.

अनुसूचि १: कागती पकेट, रुपा-५, देउरालीमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|------------------------|-----------------|-------------|
| १ | प्रेम लाल श्रेष्ठ | रुपा-५, देउराली | ९८९६९८७२४४ |
| २ | महेन्द्र कुमार श्रेष्ठ | रुपा-५, देउराली | ९८०२८५९३०७ |
| ३ | हरि राज घिमिरे | रुपा-५, देउराली | ९८५६०३७१७९ |

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|---------------------|-----------------|-------------|
| ४ | चित्र कुमार श्रेष्ठ | रुपा-५, देउराली | ९८१६६६३२८३ |
| ५ | बालुलाल जोशी | रुपा-५, देउराली | ९८४६४४४७९६ |
| ६ | प्रेम जोशी | रुपा-५, देउराली | ९८५६०१७३५७ |
| ७ | राम लाल श्रेष्ठ | रुपा-५, देउराली | ९८४०६०४३१६ |
| ८ | प्रेम कुमार श्रेष्ठ | रुपा-५, देउराली | |

अनुसुचि २: मौरी पकेट, रुपा-७, हंसपुरमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|--------------------|----------------|-------------|
| १ | कृष्ण भुजेल | रुपा-७, हंसपुर | ९८४६३१४५२९ |
| २ | लोकेश गुरुङ | रुपा-७, हंसपुर | ९८१९१६५६४९ |
| ३ | त्रीलोचन भुजेल | रुपा-७, हंसपुर | ९८६३६७५८७३ |
| ४ | दान बहादुर थापा | रुपा-७, हंसपुर | ९८२३१०१३७९ |
| ५ | चित्र बहादुर घर्ति | रुपा-७, हंसपुर | ९८६३३७९७८४ |
| ६ | खिम बहादुर थापा | रुपा-७, हंसपुर | ९८०६५५३३९४ |

अनुसुचि ३: तरकारी पकेट, रुपा-३, पोल्याडमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|--------------------|-----------------|-------------|
| १ | रेक्षाना कुमाल | रुपा-३, पोल्याड | ९८१९१७७७९८ |
| २ | रमिला कुमाल | रुपा-३, पोल्याड | ९८४६३९०७७७ |
| ३ | सुकिमाया कुमाल | रुपा-३, पोल्याड | |
| ४ | राम कृष्ण कुमाल | रुपा-३, पोल्याड | ९८४६४४२६७४२ |
| ५ | श्याम बहादुर कुमाल | रुपा-३, पोल्याड | ९८६४४२६७४२ |
| ६ | खिमा देवी बास्तोला | रुपा-३, पोल्याड | ९८४६००४२२७ |
| ७ | शिव प्रसाद ओझा | रुपा-३, पोल्याड | ९८४६४४२०६७ |
| ८ | मन बुझे कुमाल | रुपा-३, पोल्याड | |

अनुसुचि ४: केरा पकेट, रुपा-४, सिद्धमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|--------------|---------------|-------------|
| १ | राम राज रेमी | रुपा-४, सिद्ध | ९८४१०४७८७७ |
| २ | गिता रेमी | रुपा-४, सिद्ध | |

| क्र.सं. | नाम / थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|--------------------|---------------|-------------|
| ३ | निर्मला रेमी | रुपा-४, सिद्ध | |
| ४ | बाम देव रेमी | रुपा-४, सिद्ध | ९८४६३४५६८१ |
| ५ | सुर्य बहादुर सुनार | रुपा-४, सिद्ध | ९८१४१११८२५ |
| ६ | त्रिलोचन रेमी | रुपा-४, सिद्ध | ९८४६३८११९४ |
| ७ | नवराज घिमिरे | रुपा-४, सिद्ध | ९८४६५६३००० |

अनुसुचि ५: हंसपुर कफी पकेट, रुपा-७, हंसपुरमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम / थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|-------------------|----------------|-------------|
| १ | पार्वती सुवेदी | रुपा-७, हंसपुर | ९८४६००३९५२ |
| २ | वाशना सुवेदी | रुपा-७, हंसपुर | ९८४६३५४०१९ |
| ३ | सम्भना सुवेदी | रुपा-७, हंसपुर | ९८४६३१८९२८ |
| ४ | नारायणी सुवेदी | रुपा-७, हंसपुर | |
| ५ | जुना वि. का | रुपा-७, हंसपुर | ९८१५१४२५०१ |
| ६ | लक्ष्मी सुवेदी | रुपा-७, हंसपुर | |
| ७ | गोमा पौडेल | रुपा-७, हंसपुर | |
| ८ | नारायणी पौडेल | रुपा-७, हंसपुर | |
| ९ | सन्त बहादुर वि.क. | रुपा-७, हंसपुर | |
| १० | रेवती सुवेदी | रुपा-७, हंसपुर | ९८५६०३९०४६ |
| ११ | सूर्य राज सुवेदी | रुपा-७, हंसपुर | ९८४६०११०११ |
| १२ | इश्वरी सुवेदी | रुपा-७, हंसपुर | ९८४५२७९०७७ |
| १३ | जिवनाथ सुवेदी | रुपा-७, हंसपुर | ९८४६६४१९५१ |
| १४ | विजय राम पौडेल | रुपा-७, हंसपुर | ९८४६६४१८५१ |
| १५ | विष्णु सुवेदी | रुपा-७, हंसपुर | ९८४६३०६३१२ |

अनुसुचि ६: तरकारी पकेट (भविष्य हाम्रो हातमा कृषि सहकारी संस्था लिमिटेडमा), अन्नपूर्ण-२ मा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम / थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|-----------------------|-------------|-------------|
| १ | नारायण प्रसाद भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |
| २ | हरी राम भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |

| | | | |
|----|----------------------|-------------|------------|
| ३ | सरोज भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |
| ४ | पून्य प्रसाद भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |
| ५ | दिननाथ अधिकारी | अन्नपूर्ण-२ | ९८४६३८५२८६ |
| ६ | निलकण्ठ अधिकारी | अन्नपूर्ण-२ | ९८१६१५८०४३ |
| ७ | रमेश अधिकारी | अन्नपूर्ण-२ | ९८४६७५०४०३ |
| ८ | प्रेम सागर भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |
| ९ | तुलसी भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |
| १० | दिलमाया भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |
| ११ | कृष्ण प्रसाद भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |
| १२ | गगांदेबी भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |
| १३ | द्वोणराज भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |
| १४ | गादीमोहन भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | |
| १५ | शिवहरी भण्डारी | अन्नपूर्ण-२ | ९८४६७२८३९० |

अनुसुचि ७: मौरी पकेट (भावना सामुदायिक कृषि सहकारी संस्था लिमिटेडमा), पोखरा-१८ मा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरुको विवरण

| क्र.सं. | नाम / थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|-----------------------|----------------------|-------------|
| १ | शिव प्रसाद कोइराला | पोखरा-१८, आदर्शबस्ति | ९८४६२०२३२३ |
| २ | बालकृष्ण अधिकारी | पोखरा-१८, आदर्शबस्ति | ९८४६०२५५५३ |
| ३ | शिवजी कोइराला | पोखरा-१८, आदर्शबस्ति | ९८४६०६६६६७ |
| ४ | दिपक थापा | पोखरा-१८, आदर्शबस्ति | ९८५६०६८०९४ |
| ५ | प्रकाश भट्टराई | पोखरा-१८, आदर्शबस्ति | ९८५६०७०९४४ |
| ६ | योगेन्द्र बहादुर थापा | पोखरा-१८, आदर्शबस्ति | ९८४६६०४८३३ |

अनुसुचि ८: ढिकुरपोखरी कफी खेति पकेट, अन्नपूर्ण-१ मा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरुको विवरण

| क्र.सं. | नाम / थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|-----------------|-----------------------|-------------|
| १ | कलाधर भुगाई | अन्नपूर्ण -१, भुगाईथर | |
| २ | हरिप्रसाद भुगाई | अन्नपूर्ण -१, भुगाईथर | |
| ३ | तारापति भण्डारी | अन्नपूर्ण -१, भुगाईथर | |

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|--------------------|-----------------------|-------------|
| ४ | रामजी प्रसाद भुगाई | अन्नपुर्ण -१, भुगाईथर | |
| ५ | पुष्पराज भुगाई | अन्नपुर्ण -१, भुगाईथर | |

अनुसुचि ९: बाखा पकेट (तप्राड बाखा पालन समूह) मादी-६, तप्राडमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|-----------------------|----------------|-------------|
| १ | लक्ष्मी पौडेल | मादी-६, तप्राड | ९८१५१६७१५७ |
| २ | सुजन पाण्डे क्षेत्री | मादी-६, तप्राड | ९८२३०३५८३२ |
| ३ | राजकुमार बराल | मादी-६, तप्राड | ९८६४४३८०२५ |
| ४ | सन्तोष मगर | मादी-६, तप्राड | ९८०६६५२६९६ |
| ५ | गंगा प्रासद वाँस्तोला | मादी-६, तप्राड | ९८२९१०८८१४ |
| ६ | भरत शर्मा | मादी-६, तप्राड | ९८२६११२२६४ |
| ७ | रवि प्रसाद बराल | मादी-६, तप्राड | ९८५६०८२६३० |
| ८ | चन्द्रमणी बराल | मादी-६, तप्राड | ९८४६५१६३९३ |
| ९ | बल बहादुर राना | मादी-६, तप्राड | ९८१६१०००२० |

अनुसुचि १०: मौरी पकेट (घ्याम्प्रराड मौरी पालन समूह) मादी-२, घ्याम्प्रराडमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|-----------------|-----------------------|-------------|
| १ | मेगराज गुरुङ | मादी -२, घ्याम्प्रराड | ९८१९११०९६१ |
| २ | हिमप्रासद गुरुङ | मादी -२, घ्याम्प्रराड | ९८१६१२६३७७ |
| ३ | ओम बहादुर गुरुङ | मादी -२, घ्याम्प्रराड | ९८२९१६९२४४ |
| ४ | दीपक गुरुङ | मादी -२, घ्याम्प्रराड | ९८१७१४३३१६ |

अनुसुचि ११: अलैंची पकेट, मादी-२ मा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|----------------------|--------|-------------|
| १ | भूमिनाथ सापकोटा | मादी-२ | |
| २ | चीत्रबहादुर क्षेत्री | मादी-२ | |
| ३ | यशलाल थापा | मादी-२ | |
| ४ | कृष्ण सापकोटा | मादी-२ | ९८१६९७५३११ |

| | | | |
|----|-------------------------|--------|------------|
| ५ | सन्त बहादुर क्षेत्री | मादी-२ | |
| ६ | कालु खत्री | मादी-२ | |
| ७ | दिल बहादुर गुरुङ | मादी-२ | |
| ८ | भोज ना गुरुङ | मादी-२ | |
| ९ | सुरेन्द्र जङ्ग क्षेत्री | मादी-२ | ९८५६०७२२०३ |
| १० | मानबहादुर थापा | मादी-२ | |
| ११ | माया श्रीस | मादी-२ | |
| १२ | सन्तोष क्षेत्री | मादी-२ | |
| १३ | इन्दिरा थापा | मादी-२ | |
| १४ | जमुना देवकोटा | मादी-२ | |
| १५ | केल सिंह थापा | मादी-२ | |

अनुसुचि १२: कोलेलि कालिमाटी अलैची पकेट, माछापुच्छे-८, कोलेलिमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|------------------|----------------------|-------------|
| १ | गंगाधर पौडेल | माछापुच्छे-८, कोलेलि | ९८४६५६६१८६ |
| २ | धिर बहादुर गुरुङ | माछापुच्छे-८, कोलेलि | ९८४६६२५१५५ |
| ३ | नरेश लामिछाने | माछापुच्छे-८, कोलेलि | ९८४६५२०२७३ |
| ४ | जीवनाथ लामिछाने | माछापुच्छे-८, कोलेलि | ९८४६००३८०२ |

अनुसुचि १३: तरकारी पकेट (नितानन्द कृषक समूह), पोखरा-१६मा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|-------------------|----------|-------------|
| १ | दुर्गा तिमिल्सना | पोखरा-१६ | ९८४६०३८३३३ |
| २ | प्रमिला तिमिल्सना | पोखरा-१६ | ९८४६३८१३६६ |
| ३ | गिता तिमिल्सना | पोखरा-१६ | ९८४६७८९९११ |
| ४ | सृजना तिमिल्सना | पोखरा-१६ | ९८४६२६४४१६ |
| ५ | राममाया शर्मा | पोखरा-१६ | ९८४६१८२९८१ |
| ६ | कल्पना अधिकारी | पोखरा-१६ | ९८४६०३४१८८ |

अनुसुचि १४: वंगुर पकेट (जलजला वंगुर बितरक समूह), पोखरा-२७, जलजलेमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|------------------------|-----------------|-------------|
| १ | पदम बहादुर थापा | पोखरा-२७, जलजले | ९८४६७४८०७४ |
| २ | रमेश कुमार बोहरा | पोखरा-२७, जलजले | ९८२१३७२००५ |
| ३ | चन्द्र बहादुर क्षेष्ठा | पोखरा-२७, जलजले | ९८०८४८४२५३ |
| ४ | प्रेम कुमारी वि.क. | पोखरा-२७, जलजले | ९८६८३१२४४६ |

अनुसुचि १५: तरकारी पकेट (धिताल महिला कृषि सहकारी लिमिटेड), माछापुच्छे-६, धितालमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|---------------|---------------------|-------------|
| १ | सिता डवाडी | माछापुच्छे-६, धिताल | ९८४६४४९०४३ |
| २ | बद्रि डवाडी | माछापुच्छे-६, धिताल | ९८४६३९३४३१ |
| ३ | लक्ष्मी डवाडी | माछापुच्छे-६, धिताल | ९८४८२६९२७२ |
| ४ | लक्ष्मी गौतम | माछापुच्छे-६, धिताल | ९८४६८२२३२८ |

अनुसुचि १६: घाचोक धान खेती पकेट, माछापुच्छे-३, काडवाडमा सामूहिक छलफलमा संलग्न कृषकहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम/थर | ठेगाना | सम्पर्क नं. |
|---------|----------------|----------------------|-------------|
| १ | राजा राम पौडेल | माछापुच्छे-३, काडवाड | ९८६०७१५८७८ |
| २ | अर्जुन पोख्रेल | माछापुच्छे-३, काडवाड | ९८४८३०३४१३ |

अनुसुचि १७ : सामूहिक छलफलका लागि checklist

१. पकेटको नाम: ठेगाना :
२. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समितिको संयोजक/सम्पर्क व्यक्तीको नाम :
३. सम्पर्क नं. :
४. पकेट सञ्चालन समन्वय समिति/सञ्चालक समिति दर्ता नं. र दर्ता भएको कार्यालय :
५. पकेट सञ्चालन गरिएको बाली:
६. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन अवधि (आ.व.) :
७. पकेट कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कार्यालय:

८. पकेट कार्यक्रममा आबद्ध भएका कृषक परिवार संख्या:
९. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु (पहिलो वर्ष)
- क)
- ख)
- ग)
१०. मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरु (निरन्तरता वर्ष)
- क)
- ख)
- ग)
११. जम्मा प्राप्त भएको अनुदान रकम रु.:
- कुल अनुदान पाएको रकम(रु.)पहिलो वर्ष: निरन्तरताको वर्ष:
१२. खर्च भएको रकम रु.:
१३. कृषकको लगानि रकम रु. :
१४. सोहि कार्यक्रममा थप भएका कार्यक्रमहरु:
१५. पकेटको हालको अवस्था (स्तरोन्तरी भएको/निरन्तरता दिन नसक्नुको कारण)
१६. पकेट संचालनमा देखिएका समस्या/चुनौतिहरु
१७. समाधानका उपाय एंव परियोजनालाई विशिष्ट सुभावहरु
१८. अनुदान प्रभावकारी छ/छैन? समस्या के हो?
१९. अनुदानलाई प्रभावकारी बनाउन के गर्नुपर्ला?
२०. प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनबाट भावी दिनमा कस्तो/कस्तो सहयोग/सुविधाहरुको अपेक्षा राख्नुहुन्छ .

अनुसूचि १८: घरधुरी सर्वेक्षण प्रश्नावली

१. परिचयात्मक विवरण

सम्पर्क नं.:

| | |
|-------------|-------|
| पकेटको नाम: | |
| बाली/वस्तु: | आ.व.: |

| | | |
|--|----------|---------------|
| कृषकको नाम: | | लिङ्गः |
| उमेरः | | जातियता: |
| पालिका: | वडा नं.: | टोलको नामः |
| शैक्षिक योग्यता: | | मुख्य पेशा: |
| परिवार सदस्य संख्या: | | महिला संख्या: |
| रोजगारमा संलग्न सदस्य संख्या: | | पुरुष संख्या: |
| कृषि:..... जागीरमा:..... व्यवसाय:..... बैदेशिक | | |
| रोजगारी:..... अन्य:..... | | |
| कैफियतः | | |

२. जमिनको विवरण (एकाइः)

| जमिनको प्रकार | स्वामीत्वमा भएको | | भाडामा लिएको | | भाडामा दिएको | | अन्य | जम्मा |
|---------------|------------------|------|--------------|-----------------------------------|--------------|----------|------|-------|
| | खेत | बारी | खेत | बारी | खेत | बारी | | |
| बाली लगाएइको | | | | | | | | |
| बाँझो | | | | | | | | |
| सिंचित | मौसमीः | | | | | वर्षभरीः | | |
| असिंचित | | | | पकेट कार्यक्रम भित्रको क्षेत्रफलः | | | | |

स्वामीत्वमा भएको जग्गा कसको नाममा छ? (महिला/पुरुष)

३. पकेट विकास कार्यक्रमबाट लिनुभएको सेवा सुविधाहरू (पहिलो र निरन्तरताको वर्ष)

| क्र.सं. | सेवा सुविधाहरूको विवरण | अनुदान मूल्य(रु.) |
|---------|------------------------|-------------------|
| क. | | |
| ख. | | |
| ग. | | |
| घ. | | |
| ड. | | |
| च. | | |

४. पकेट विकास कार्यक्रम पश्चात प्राप्त अन्य सुविधाहरू/ थप भएका क्रियाकलापहरू

| क्र.सं. | प्राप्त अन्य सुविधाहरू/ थप भएका क्रियाकलापहरू | आ.वं. | सहयोग गर्ने निकाय | अनुदान मूल्य(रु.) |
|---------|---|-------|-------------------|-------------------|
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |

५. पकेट विकास कार्यक्रम संचालन अगाडिको अवस्था (अनुमानित)

| विवरण | क्षेत्रफल | अनुमानित उत्पादन (के.जी / लि.) | अनुमानित आम्दानी (रु.) |
|------------------|-------------------------|--------------------------------|------------------------|
| | | (रोपनी) / संख्या | उत्पादन(के.जी / लि.) |
| बालीको क्षेत्रफल | तरकारी बाली | | |
| | खाद्यान बाली | | |
| | अलैंची | | |
| | अन्य | | |
| | | | |
| | | | |
| पशुपन्छी | गाई/भैंसी/(दुध उत्पादन) | | |
| | बाख्ता | | |
| | कुखुरा(मासु/अण्डा) | | |
| | बंगुर | | |
| | अन्य | | |
| | | | |
| | | | |
| अन्य स्रोतहरू | आम्दानीको जागिर | | |
| | पेन्सन/भत्ता | | |

| विवरण | क्षेत्रफल | अनुमानित उत्पादन (के. जी / लि.) | अनुमानित आमदानी (रु.) |
|----------------------|-----------|---------------------------------|-----------------------|
| | | (रोपनी) / संख्या | उत्पादन(के. जी / लि.) |
| ज्यालादारी | | | |
| रेमिटान्स | | | |
| व्यापार | | | |
| जम्मा | | | |
| जम्मा वार्षिक आमदानी | | | |

६. पकेट संचालन भएको बाली/वस्तुको हालको अवस्था

| क्र.सं. | बाली / वस्तु | महिना | क्षेत्रफल (रोपनी) / संख्या | उत्पादन(के.जी. / लि) | औषत विक्री मूल्य (प्रति एकाइ) |
|---------|--------------|-------|-------------------------------|----------------------|----------------------------------|
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |

७. हालको वार्षिक आमदानीको मूल्य स्रोतहरू (एक वर्षको को पूरा रेकर्ड-२०८०)

| स्रोत | | आमदानी (रु.) |
|---------------------|-------------------------|--------------|
| क. कृषि व्यवसाय | तरकारी बाली | |
| | खाद्यान बाली | |
| | अलैंची | |
| | अन्य | |
| ख. पशुपन्छी व्यवसाय | गाई/भैंसी/(दुध उत्पादन) | |
| | बाख्ता | |

| स्रोत | आमदानी (रु.) |
|---------------------|--------------|
| कुखुरा(मासु/अण्डा) | |
| बंगुर | |
| अन्य | |
| ग. अन्य | जागिर |
| | पेन्सन/भत्ता |
| | ज्यालादारी |
| | रेमिटान्स |
| | व्यापार |

८. तपाईंको परिवारका कुनै सदस्यले कृषि प्रविधि सम्बन्धी कुनै तालिम वा शिक्षा लिनु भएको छ? छ भने विवरण उल्लेख गर्नुहोस्।

| क्र.सं. | सदस्यको नाम | तालिमको विषय | फाइदा/हालको अवस्था |
|---------|-------------|--------------|--------------------|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

९. बैंक खाता छ या छैन? यदि भए कसको नाममा छ?

.....

१०. कृषि कार्यका लागि कहिबाट ऋण लिनु भएको छ? यदि छ भने कहाँ बाट

क. बैंक ख. समूह सहकारी ग. अन्य.....

११. सहलियत कृषि कर्जा लिनु भएको छ? यदि छ भने

बैंक:..... वर्ष:..... रकम(रु.):.....

१२. कृषि तथा पशुपन्थी बिमा गराउनु भएको छ ?

| क्र.सं. | बाली/वस्तु | क्षेत्रफल/संख्या | मूल्य |
|---------|------------|------------------|-------|
| | | | |
| | | | |

१३. रोजगारी सृजना भएको अवस्था

| विवरण | आंशिक (जना) | पूर्ण (जना) |
|----------------|-------------|-------------|
| परिवारको सदस्य | | |
| बाहिरी | | |

१४. हाल प्रयोग भएका प्रविधिहरू/यन्त्र उपकरणकहरू

क. मिनिटिलर ख. द्याक्टर ग. स्प्रेयर घ. प्लाष्टिक घर: अस्थाई () / स्थाई() / दुवै()

ड. चेन स च. इयाङ्ग बनाउने मेसिन छ. थोण सिंचाई ज. उन्नत जात भ. मर्ल्चङ्ग प्लाष्टिक

अन्य:.....

१५. पकेट क्षेत्रमा प्रमुख समस्याहरू र निरन्तरता नभएको भए कारणहरू

.....
.....
.....
.....
.....
.....

१६. प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाबाट भावी दिनमा कस्तो कस्तो सहयोग/सुविधाहरूको अपेक्षा राख्नुहुन्छ?

.....
.....
.....
.....
.....

तथ्याङ्क संकलनकर्ताको नाम:

मिति:

हस्ताक्षर:

अनुसूचि १९: अन्नपूर्ण गाउँपालिकामा संचालन भएका पकेट कार्यक्रमको सूचि

| क्र. सं. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्ति | सम्पर्क नं. | बालि/वस्तु | संचालन अवधि |
|----------|-----------------------------|--------------------------|--------------------|----------------------|------------|---------------------------|
| १ | तरकारी पकेट | अन्नपूर्ण-०४, कास्की | लोकनाथ पौडेल | ९८४६०७६०१८ | तरकारी | २०७९/८०-२०८१/८१ |
| २ | तरकारी पकेट | अन्नपूर्ण-१०, कास्की | तुल बहादुर पुन | ९८४६३३२३९३ | तरकारी | २०७८/७९ |
| ३ | तरकारी पकेट | अन्नपूर्ण-०६, कास्की | नुमलाल देबकोटा | ९८४६२०७४०९ | तरकारी | २०७८/७९ |
| ४ | तरकारी पकेट | अन्नपूर्ण-२ | दिननाथ अधिकारी | ९८४६३८५२८६ | तरकारी | २०७६/७७ |
| ५ | सुन्तला पकेट | अन्नपूर्ण-८ | लिलाधर सुवेदी | ९८४६५७२१०२ | सुन्तला | २०७६/७७ |
| ६ | तरकारी पकेट | अन्नपूर्ण-३ | भरत प्रसाद दहाल | ९८१६१५६४० | तरकारी | २०७६/७७ |
| ७ | बगैचा तरकारीपकेट | अन्नपूर्ण-१ | ओम प्रसाद अधिकारी | ९८४६२२६३३६ | तरकारी | २०७५/७६-२०७६/७७ |
| ८ | गंगपूर्ण सक्रिय तरकारी पकेट | अन्नपूर्ण गाउँपालिका-२ | टंक प्रसाद अधिकारी | ९८५६०१७१७० | तरकारी | २०७५/७६, २०७६/७७ |
| ९ | घान्दुक अलैंची खेति पकेट | अन्नपूर्ण-११, घान्दुक | विशाल गुरुङ | ९८०४१२५८२/९८४६०४८८१६ | अलैंची | २०७३/७४ |
| १० | ढिकुरपोखरी कफी खेति पकेट | अन्नपूर्ण-०१, ढिकुरपोखरी | बलराम कुँवर | ९८४६२२५१०८ | कफी | २०७३/७४, २०७५/७६, २०७६/७७ |
| ११ | आडबाड धान खेति पकेट | अन्नपूर्ण-०८, आडबाड | ताराखर न्यौपाने | ९८४६०३५५२७ | धान | २०७३/७४, २०७५/७६, २०७६/७७ |

| क्र. सं. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्ति | सम्पर्क नं. | बालि/वस्तु | संचालन अवधि |
|----------|-----------------------------|--------------------------|--------------------|-----------------------|------------|------------------|
| १२ | ढिकुरपोखरी तरकारी बाली पकेट | अन्नपूर्ण-०२, ढिकुरपोखरी | टंक आचार्य | ९८६९०४२३३८/९८०५८९२९८७ | तरकारी | २०७३/७४ |
| १३ | गंगपूर्ण सक्रिय तरकारी पकेट | अन्नपूर्ण गाउपालिका-२ | टंक प्रसाद अधिकारी | ९८५६०१७१७० | तरकारी | २०७५/७६, २०७६/७७ |

अनुसूचि २०: रुपा गाउँपालिकामा संचालन भएका पकेट कार्यक्रमको सूचि

| क्र. सं. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | बाली/वस्तु | संचालन अवधि |
|----------|-------------|------------------|---|------------------------------------|------------|------------------|
| १ | तरकारी पकेट | रुपा-३, पोल्याड | शिव ओभा | ९८४६४४२०६७ | तरकारी | २०७८/७९- २०७९/८० |
| २ | बाख्चा पकेट | रुपा-२ | आदर्श एकिकृत कृषक समूह | ९८०६७१५४०० | बाख्चा | २०७७/७८- २०७८/७९ |
| ३ | माछा पकेट | रुपा, गाउँपालिका | विमल सुवेदी | ९८५६०८४६३०/ ९८०६७१५४०० | माछा | २०७७/७८- २०७८/७९ |
| ४ | तरकारी पकेट | रुपा-७, तोरीबारी | माधव पौडेल | ९८५६०३७२१९ | तरकारी | २०७६/७७- २०७७/७८ |
| ५ | केरा पकेट | रुपा -४, सिद्ध | त्रीलोचन रेमी/ नवराज घिमिरे | ९८४६३८११९४२०/ ९८४६५६३००० | केरा | २०७६/७७- २०७७/७८ |
| ६ | कफी पकेट | रुपा-६, रुपाकोट | समिला गुरुङ/ त्रीबिक्रम के.सी. | ९८४९१३४१२० | कफी | २०७६/७७- २०७७/७८ |
| ७ | कागती | रुपा-५, देउराली | राम बाबु पौडेल/ जनक जोशी/ चित्र कुमार क्षेष्ठ | ९८५६०७००५०/ ९८४६४४०२६९/ ९८१६६६३२८३ | कागती | २०७६/७७- २०७७/७८ |

| क्र. स. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | बाली / वस्तु | संचालन अवधि |
|---------|--|----------------------------|-----------------------------|------------------------|--------------|------------------------------|
| ८ | रुपाकोट मौरी पकेट | रुपा गाउपालिका-६, धरमडाँडा | जोरेली मिया | ९८२४१३००९४ | मौरी | २०७५/ ७६-२०७६/ ७७ |
| ९ | हंसपुर मौरी पालन पकेट | रुपा-७, हंसपुर | दान ब. थापा/ चित्र ब. घर्ती | ९८४६९७५३४१/ ९८६३३७९८५ | मौरी | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |
| १० | हंसपुर कफी खेति पकेट | रुपा-७, हंसपुर | जीबनाथ सुवेदी | ९८४६२१८७१३ | कफी | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |
| ११ | थुम्की सुन्तला बाली पकेट | रुपा-१, च्यार्पे | बुद्धि कुमार क्षेष्ठ | ९८४६७८९७९८ | सुन्तला | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |
| १२ | रुपाताल माछापालन पकेट(जलआधार क्षेत्र) | | शिवराज अधिकारी | ९८४६३४३१५६/ ९८५६०३७६४९ | माछा | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६ |

अनुसूचि २१: माछापुच्छे गाउपालिकामा संचालन भएका पकेट कार्यक्रमको सूचि

| क्र. स. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | बाली / वस्तु | संचालन अवधि |
|---------|-------------|-------------------|-----------------------|-------------|--------------|-------------------|
| १ | तरकारी पकेट | माछापुच्छे-९, इमु | पदम बहादुर तामाङ्ग | ९८२३१३८४६९ | तरकारी | २०७९/ ८०-२०८०/ ८१ |
| २ | तरकारी पकेट | माछापुच्छे-४ | भोज बहादुर तामाङ्ग | ९८६६००५७१४ | तरकारी | २०७८/ ७९ |

| क्र. स. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | बाली / वस्तु | संचालन अवधि |
|---------|----------------------------------|------------------------------|-----------------------------------|---------------------------|--------------|-------------------------------------|
| ३ | बाख्ता पकेट | माछापुच्छे-२, ६, ८, ९ | झवी ओभा | ९८५६०२०५९५ | बाख्ता | २०७७/ ७८ २०७८/ ७९ |
| ४ | तरकारी पकेट | माछापुच्छे ९ | मुक्तीनाथ तिमल्सेना | ९८४६३५५९१२ | तरकारी | २०७६/ ७७-२०७७/ ७८ |
| ५ | तरकारी पकेट | माछापुच्छे ६ र ८ | नेत्र प्रसाद भण्डारी | ९८५६०२५१५८ | तरकारी | २०७६/ ७७-२०७७/ ७८ |
| ६ | च्याउ पकेट | माछापुच्छे २ र पोखरा २५ | कृष्ण प्रसाद गौतम/विष्णु रेग्मी | ९८४६२०२४११/ ९८४७७११९७० | च्याउ | २०७६/ ७७- |
| ७ | पौरखी कोदो पकेट | माछापुच्छे गाउपालिका-६ र ९ | कुल प्रसाद अधिकारी | ९८५६०३५३४५ | कोदो | २०७५/ ७६-२०७६/ ७७ |
| ८ | धिताल धान बालि पकेट | माछापुच्छे गाउपालिका-६ | मिन राज पौडेल | | धान | २०७५/ ७६-२०७६/ ७७ |
| ९ | लाहचोक तरकारी उत्पादन पकेट | माछापुच्छे-४,लाहाचोह | लक्ष्मी रानाभाट | ९८४६२७७४९९ | तरकारी | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |
| ११ | कोलेली कालिमाटि अलैंची खेती पकेट | माछापुच्छे-८,कोलेली कालिमाटि | गंगाधर पौडेल | ९८४६५६६१८६ | अलैंची | २०७३/ ७४,२०७५/ ७६,२०७६/ ७७ |
| १२ | घाचोक धान खेती पकेट | माछापुच्छे-३, काडवाड | बोधराज पोख्रेल/अर्जन प्रा पोख्रेल | ९८६१९९७२७९/ ९८४८३०३४१३ | धान | २०७३/ ७४,२०७५/ ७६,२०७६/ ७७ |

अनुसूचि २२: मादी गाउँपालिकामा संचालन भएका पकेट कार्यक्रमको सूचि

| क्र. स. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | बाली/ वस्तु | संचालन अवधि |
|---------|-------------------------------------|--------------------------------|---|------------------------|-------------|-------------------|
| १ | घ्याप्राड मौरी पकेट | मादी-२, घ्याप्राड | मेग राज गुरुङ | ९८१९११०९६१ | मौरी | २०७७/ ७८-२०७८/ ७९ |
| २ | तप्राड बाख्ता पकेट | मादी-६, तप्राड | सूर्य प्रसाद बराल | ९८४६५१६३९३ | बाख्ता | २०७७/ ७८-२०७८/ ७९ |
| ३ | तरकारी | मादी-७, तल्लो छाचोक | सागर वि. का | ९८४६३८५०७७ | तरकारी | २०७७/ ७८-२०७८/ ७९ |
| ४ | मौरी पकेट | मादी-११ | पृतीराज लामिछाने/ नन्द सिरी गुरुङ | ९८४६०५९४१२/ ९८१४१५७४९१ | मौरी | २०७६/ ७७ |
| ५ | अलैची पकेट | मादी-३ | सन्त बहादुर गुरुङ | ९८०५८६७३६८ | अलैची | २०७६/ ७७ |
| ६ | सेतीखोला घ्याप्रांगअलैची पकेट | मादी गाउँपालिका-२, सेतीखोला | पदम लाल सापकोटा | ९८२३५२८२१९ | अलैची | २०७५/ ७६-२०७६/ ७७ |
| ७ | रोहिंगाउँ अलैची पकेट | मादी गाउँपालिका-२ | सुरेन्द्र जंग क्षेत्री | ९८१७१८९१७४ | अलैची | २०७५/ ७६-२०७६/ ७७ |
| ८ | नामार्जुङ सिल्दजुरे अलैची खेति पकेट | मादी-२ नामार्जुङ र ६-सिल्दजुरे | सुरेन्द्र जंग क्षेत्री/ धर्मनाथ सापकोटा | ९८१९१९८४८७ | अलैची | २०७३/ ७४ |
| ९ | पोंसी अलैची खेति पकेट | मादी-८, पोंसी | विनासी गुरुङ/ खडनार्जुङ गुरुङ | ९८४६९९४६८१/ ९८६६०५८०२४ | अलैची | २०७३/ ७४ |

अनुसूचि २३: पोखरा महानगरपालिकामा संचालन भएका पकेट कार्यक्रमको सूचि

| क्र. स. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | बाली/वस्तु | संचालन अवधि |
|---------|---------------------------|----------------------------|---|---------------------------|------------|----------------------|
| १ | तरकारी पकेट | पोखरा-२९ र ३१ | बडा स्तरीय संजाल २९ र ३१ | ९८५६०२४८० | तरकारी | २०७९/८० र २०८०/८१ |
| २ | तरकारी पकेट | पो.म.न.पा. | बडा स्तरीय संजाल ५/ १८/ २३/ २४ | ९८५६०१५३०४ | तरकारी | २०७९/८० र २०८०/८१ |
| ३ | गोब्रे च्याउ पकेट | पोखरा- ११,२४,२१ र ३२ | धुब्र थापा/विजय राना | ९८५६०६५६२०/ ९८६०७०४०४९ | च्याउ | २०७९/८० र २०८०/८१ |
| ४ | बंगुर पकेट | पोखरा-२७, जलजले | पदम थापा | ९८४६७४०८७४ | बंगुर | २०७९/८० र २०८०/८१ |
| ५ | तरकारी पकेट | पोखरा-१६ | नितानन्द कृषक समूह | ९८१५१५०९३१ | तरकारी | २०७८/७९ र २०७९/८० |
| ६ | तरकारी पकेट | पोखरा-२५ | तिब्रेकोट बहुउद्देश्यीय कृषि बन तथा जडिबुटी सहकारी संस्था लि। | ९८४६५५४२११ | तरकारी | २०७८/७९ र २०७९/८० |
| ७ | सिद्धार्थ राजमार्ग पकेट | पोखरा-दद्द | बडास्तरीय कृषि सञ्जाल | | तरकारी | २०७८/७९ र २०७९/८० |
| ८ | फेवा माछा पकेट | पोखरा-१८ | फेवा माछा पकेट संचालक समिति | | माछा | २०७७/७८र २०७८/७९ |
| ९ | भरतपोखरी बाख्ता पालन पकेट | पोखरा-३३ | भरतपोखरी बाख्ता पालन समिति | | बाख्ता | २०७७/७८र २०७८/७९ |

| क्र. स. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | बाली/वस्तु | संचालन अवधि |
|---------|----------------------------|----------------------|-------------------------------------|---------------------------|------------|------------------------------------|
| १० | तरकारी पकेट | पोखरा-३३ | प्रताब सुवेदी | ९८४६५७११४२ | तरकारी | २०७६/ ७७ २०७७/ ७८ |
| ११ | कास्कीकोट ढावा तरकारी पकेट | पोखरा -२४, ढावा | विकास भट्टार्इ | ९८५६०५६२०५ | तरकारी | २०७६/ ७७ २०७७/ ७८ |
| १२ | धारापानी धान पकेट | पोखरा-२३ | लोकराज दहाल | ९८४६७८४०५८/ ९८४६०४२७८३ | धान | २०७६/ ७७ २०७७/ ७८ |
| १३ | भावना मौरीपालन पकेट | पोमानापा १८ | बलराम कोइराला | ९८५६००८५३३ | मौरी | २०७६/ ७७ २०७७/ ७८ |
| १४ | च्याउ पकेट | पोखरा-३३ र १९ | प्रताब सुवेदी | ९८४६०७७७१५ | च्याउ | २०७६/ ७७ २०७८/ ७९ |
| १५ | च्याउ पकेट | पोखरा-२० र १६ | धर्म राज थापा/ छ प्रासद श्रीपाली | ९८४६०४९८४४/ ९८६६०९९९०१ | च्याउ | २०७६/ ७७ |
| १६ | च्याउ पकेट | पोखरा -२२ र पोखरा १७ | सन्दिप खड्का/चोविन्द्र बहादुर कुँवर | ९८४५२४३५४९ | च्याउ | २०७६/ ७७ २०७८/ ७९ |
| १७ | च्याउ पकेट | पोखरा -१४ | कृष्ण अधिकारी/ हरिमाया अधिकारी | ९८५६०३३२२३/ ९८२७१६०००४ | च्याउ | २०७६/ ७७, २०७७/ ७८, २०७८/ ७९ |
| १८ | कागती पकेट | पोखरा ३१ | सुरेन्द्र सापकोटा | ९८५६०३९९३५ | कागती | २०७६/ ७७ २०७७/ ७८ |
| १९ | मौरी पकेट | पोखरा-३३ | लक्ष्मी सुवेदी | ९८४६२७९८७१ | मौरी पकेट | २०७६/ ७७ |
| २० | मैदान मौरीपालन पकेट | पोखरा-२४ | नारायणी सुवेदी | ९८४६२२६४६८ | मौरी | २०७५/ ७६ - २०७६/ ७७ |

| क्र. स. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | बाली/वस्तु | संचालन अवधि |
|---------|------------------------------|---------------------|--------------------------------------|------------------------|-------------|------------------------------|
| २१ | शोभा च्याउ पकेट | पोखरा-२७ | मुकुन्द खड्का | ९८०६५५३७६२ | च्याउ | २०७५/ ७६ - २०७६/ ७७ |
| २२ | विजयपुर च्याउ पकेट | पोखरा -२६ | टोप बहादुर थापा | ९८१५१२२७९४ | च्याउ | २०७५/ ७६ - २०७६/ ७७ |
| २३ | पुरन्चौर तरकारी उत्पादन पकेट | पोखरा-१९, पुरन्चौर | प्रमोद न्यौपाने | ९८४६०६०४६० | तरकारी | २०७३/ ७४ |
| २४ | दूलाखेत धान खेती पकेट | पोखरा-२३, दूलाखेत | उप्रेन्द्र प्रा पराजुली | ९८१७१४९६७४ | धान | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |
| २५ | निर्मलपोखरी कफी खेती पकेट | पोखरा -२१ र ३३ | भोला बानिया | ९८२७१५१९२६/ ९८४६६१९६९२ | कफी | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |
| २६ | तरकारी बाली पकेट | पोखरा-२३, घाँटिछिना | हरिमाया पराजुली/ नारायण प्रा पराजुली | ९८०६५३४०४०/ ९८१४१६९८९६ | तरकारी | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |
| २७ | कन्ये च्याउ खेती पकेट | पोखरा -३२, लामेआहाल | मनोरंजन पौडेल | ९८४६०९३७८९ | कन्ये च्याउ | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |
| २८ | कन्ये च्याउ खेती पकेट | पोखरा -१८ | मिना घले | ९८५६०११६६२ | कन्ये च्याउ | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |
| २९ | लामगादी मौरी पालन पकेट | पोखरा-३३, लामगादी | शिवराज भण्डारी/देवी पौडेल | ९८५६०३७८७२ | मौरी | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |

| क्र. स. | पकेटको नाम | ठेगाना | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क नं. | बाली/वस्तु | संचालन अवधि |
|---------|----------------------------|---|--------------------------------------|------------------------|------------|------------------------------|
| ३० | खास्टे ताल माछापालन पकेट | पोखरा -२६ | नवराज दुंगाना | ९८५६०६१०९० | माछा | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६ |
| ३१ | चापाकोट मौरी पालन पकेट | पोखरा -२३, चापाकोट | पार्वती पराजुली/प्रेम प्रसाद पराजुली | ९८०४११७४३०/ ९८०४१३५५८४ | मौरी | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६, २०७६/ ७७ |
| ३२ | माछापालन पकेट | पोखरा -२७, २९ र ३० | जंग बहादुर गुरुड/ओम कुमारी पुन | ९८४१४२५३७७/ ९८०४१४६६८९ | माछा | २०७३/ ७४, २०७५/ ७६ |
| ३३ | रेन्वोट्राउट माछापालन पकेट | पोखरा- १९, सार्दिखोला, माछापुच्छे-२, सार्दिखोला, माछापुच्छे -७, मर्दिखोला | इन्द्र गौजन | ९८५६०२६६७१ | माछा | २०७३/ ७४ |

सन्दर्भ सामग्रीहरूको सूचि

- जिल्ला कृषि विकास कार्यालय, कास्की. २०७४. पकेट/ ब्लक प्रोफाईल, कास्की.
- प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना. २०७७. प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना, परियोजना कार्यान्वयन म्यानुल.
- कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्जा. २०७६. आ व ०७५/०७६ को वार्षिक प्रगति तथा तथ्याङ्क पुस्तिका.
- कृषि ज्ञान केन्द्र, स्याङ्जा. २०७७. आ व ०७६/०७७ को वार्षिक प्रगति तथा तथ्याङ्क पुस्तिका.

कास्की जिल्लामा पकेट संचालन भएका क्षेत्रहरु



पकेट संचालन भएका
स्थानीय निकाय र बडाहरु :

पोखरा मा.न.पा. : ५, ११, १४, (२८ वाहेक १६ देखि ३३ बडाहरु)

अन्नपूर्ण गा.पा. : १, २, ३, ४, ६, ८, १०, ११

माछापुच्छे गा.पा. : २, ३, ४, ८, ९

मादी गा.पा. : २, ३, ६, ७, ८, ११

रुपा गा.पा. : सबै बडाहरु

रुपा गा.पा.

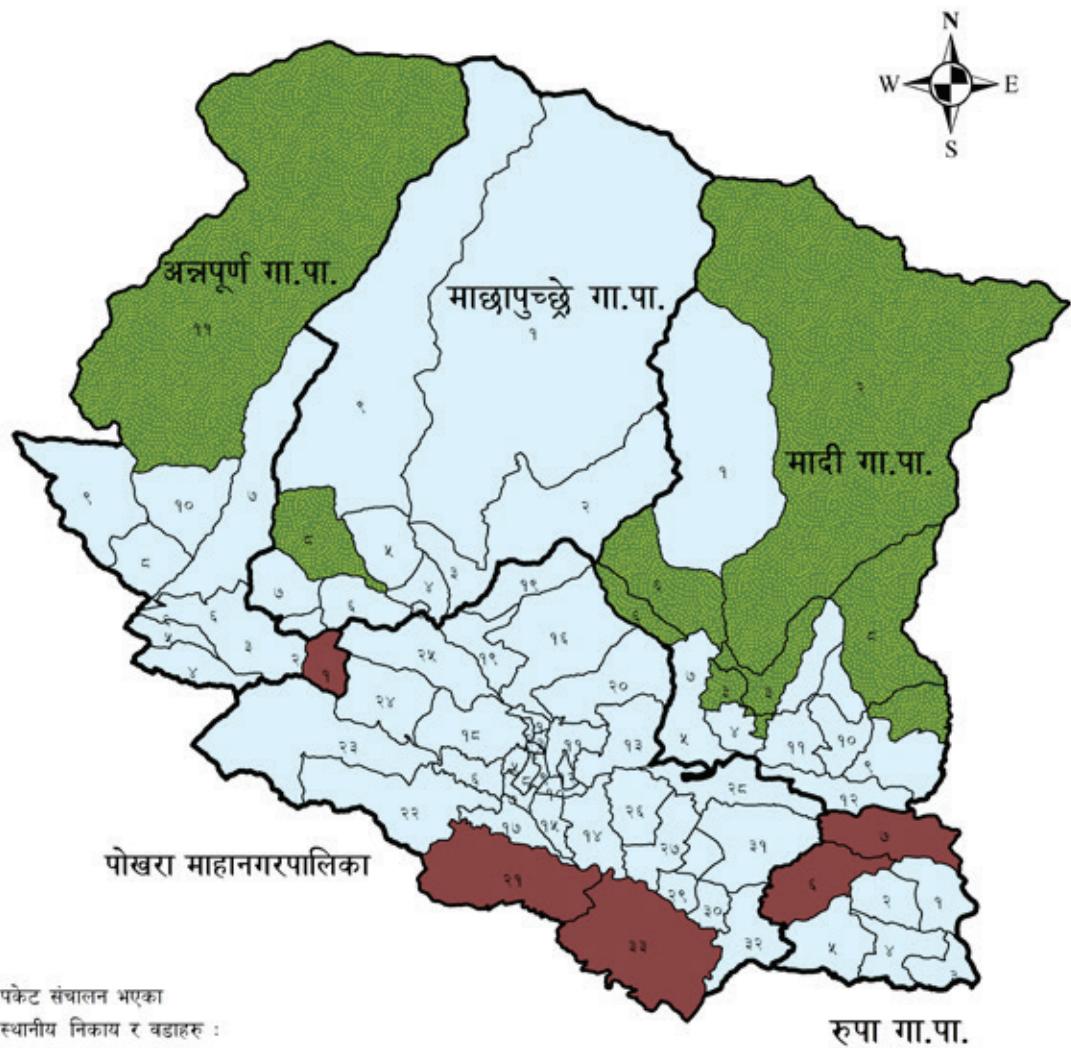
संकेत

कास्की जिल्लामा संचालित पकेटहरु

0 3.5 7 14 21 28 Kilometers

तयारकर्ता : मनोज ढकाल

कास्की जिल्लामा संचालित अलैची तथा कफी पकेट क्षेत्रहरु



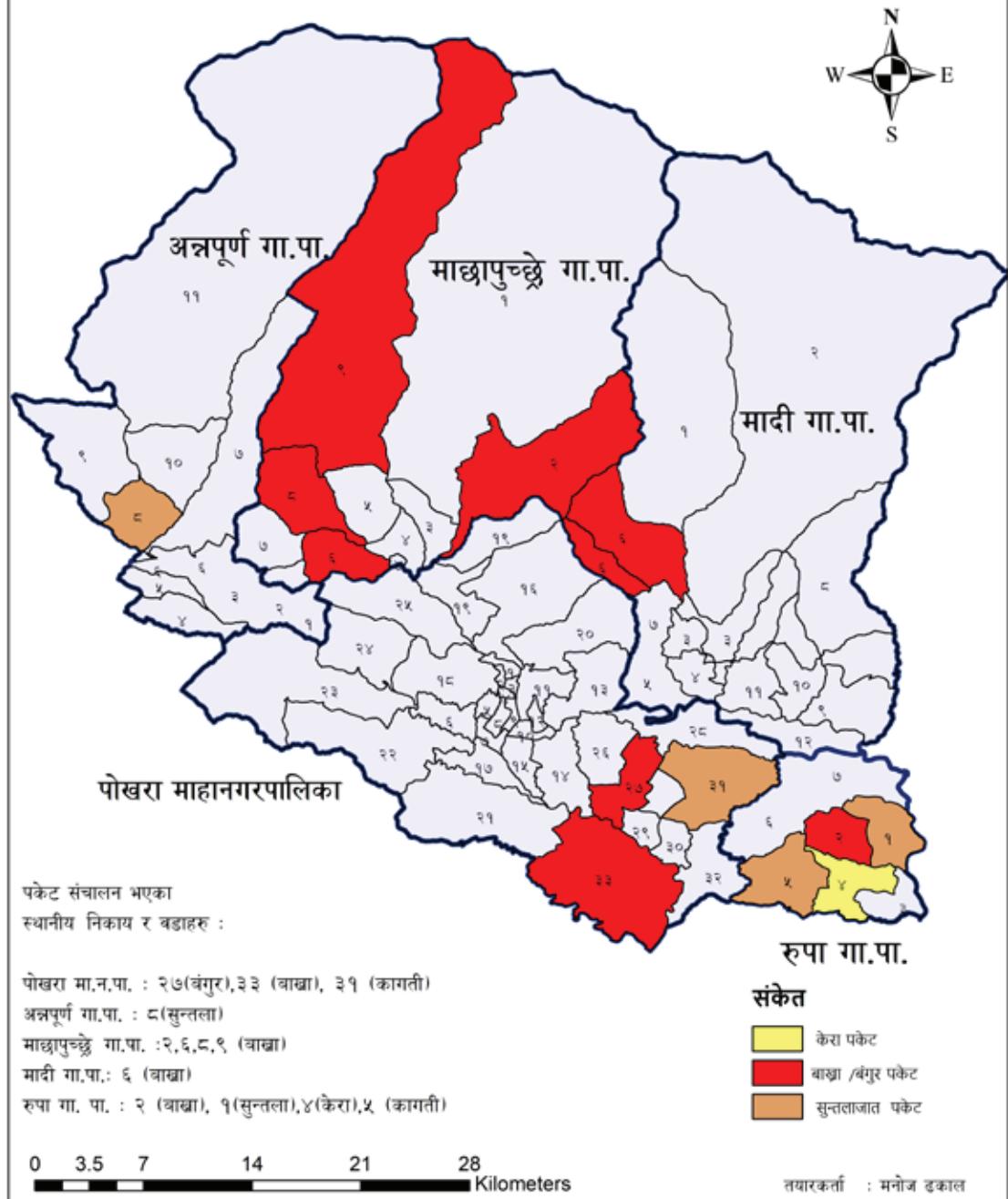
संकेत

- अलैची पकेट
- कफी पकेट

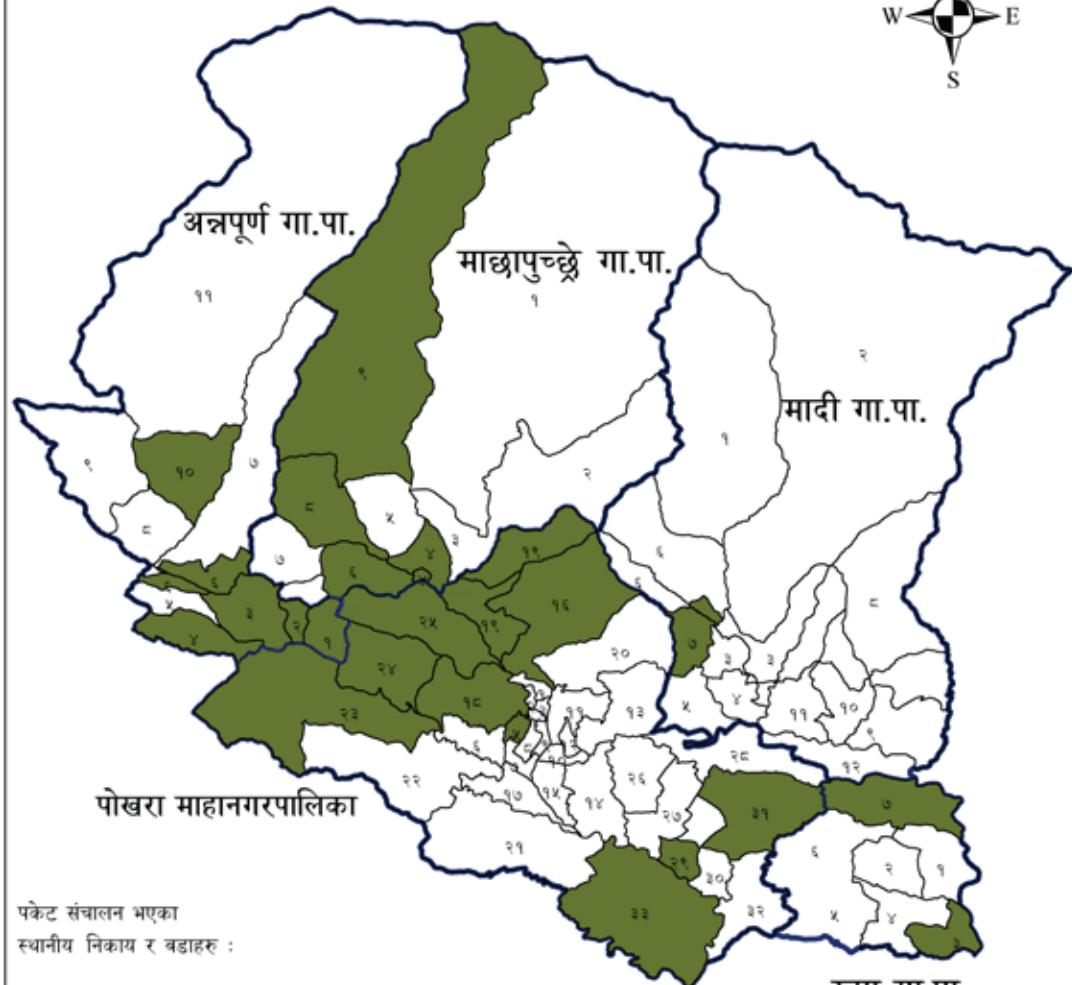
0 3.5 7 14 21 28
Kilometers

तयारकर्ता : मनोज दकाल

कास्की जिल्लामा संचालित पशु तथा फलफूल पकेट क्षेत्रहरू



कास्की जिल्लामा संचालित तरकारी पकेट क्षेत्रहरु



संकेत

कास्की जिल्लामा संचालित तरकारी पकेटहरु

0 3.5 7 14 21 28 Kilometers

तयारकर्ता : मनोज दुकाल



कागति पकेट, रुपा-५, देउरालीमा
सामूहिक छलफल



केरा पकेट, रुपा-४, सिन्धुमा
सामूहिक छलफल



लाहोक तरकारी उत्पादन पकेट,
माघापुच्छे-४ मा खोत व्यक्तिसंग अन्तरवार्ता



तप्राङ बारां पकेट, मादी-६, तप्राङ
सामूहिक छलफल



नामार्जुङ सिलद्गुरे अलैंची खेति पकेट,
मादी-२ मा सामूहिक छलफल



गौरी पकेट, पोखरा-१८, आदर्शबिरस्तीमा
सामूहिक छलफल